जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

A Mutiny And A Massacre

"The orders went out to shoot every soul. It was literally murder and I was perfectly horrified. I have seen many bloody and awful sights lately but one such, as I witnessed yesterday, I pray I never see again."- Edward Vibart

Patiala Peg as narrated by Capt Amarinder Singh

'खामेनेई समेत ईरान के 48 वरिष्ठ नेता एक झटके में खत्म'

ट्रंप ने मीडिया को इन्टरव्यू देते हुए यह दावा किया और कहा अमेरिका का सैन्य ऑपरेशन तय समय से आगे चल रहा है

- **वहीं इज़रायली वायुसेना का कहना है कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर पिछले 24 घंटों में 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं।**
- **ईरान के खिलाफ ऑपरेशन में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत और पांच अन्य की गंभीर रुप से घायल होने की पुष्टि भी की गई है।**
- **इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने मीडिया को बताया कि वह आने वाले दिनों में ईरान पर हमले तेज करेंगे।**
- **अमेरिका के साथ मिलकर ईरान में चल रहे सैन्य अभियान पर नेतन्याहू ने कहा, ''मैं वो कर पा रहा हूँ जो मैं 40 सालों से करना चाहता था।''**

तेल अवीव/तेहरान, 01 मार्च। इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर लगातार दूसरे दिन हमला किया है। हमले में ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया गया। हमले के पहले दिन शनिवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि इन हमलों में 48 ईरानी 'नेता' मारे गए हैं।

इजराइली वायुसेना ने बताया कि उसने अमेरिका के साथ मिलकर पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर 30 मिसाइलों से हमला किया गया। इसमें उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती सहित कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं।

खामेनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं, ईरानी सेना ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइल में एक हमले में 9 लोगों की मौत हो गई है। तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत भी हो गई है।

ईरान में सत्ता संभालने के लिए फिलहाल तीन लोगों की एक अस्थायी समिति बनाई गई है। इस समिति में देश के राष्ट्रपति मसूद पजश्किआन, न्यायपालिका के प्रमुख मोहसेनी एजेही और धर्मगुरु अली रजा अराफी शामिल हैं। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में डॉनल्ड ट्रंप ने कहा, एक ही झटके में 48 नेता खत्म हो गए और ऑपरेशन तेजी से आगे बढ़ रहा है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ऑपरेशन तय समय से आगे चल रहा है।

नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि इजरायल आने वाले दिनों में ईरान पर हमले तेज करेगा। उन्होंने कहा, हमारी सेनाएँ अब तेहरान के दिल पर तेजी से हमला कर रही हैं और आने वाले दिनों में यह और तेज होगा। हम एक ऐसे अभियान में हैं जिसमें हम अपने अस्तित्व और अपने भविष्य को पक्का करने के लिए इज़रायल डिफेंस फोर्सेज़ (आई.डी.एफ.) की पूरी ताकत का इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं हुआ। अमेरिका के साथ मिलकर हम वह कर पा रहे हैं जो मैं 40 सालों से करना चाहता था।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, ''आने वाले दिनों में हम आतंकवादी शासन के हजारों ठिकानों पर हमला करेंगे। हम ईरान के बहादुर लोगों के लिए ज़ुल्म की जंजीरों से आजाद होने के लिए हालात तैयार करेंगे। और इसी वजह से मैं आपसे एक बार फिर कहता हूं,'' हे ईरान के नागरिकों, इस मौके को हाथ से जाने मत देना। यह एक ऐसा मौका है जो हर पीढ़ी में सिर्फ एक बार आता है। हाथ पर हाथ धरे मत बैठो, क्योंकि तुम्हारा पल जल्द ही आएगा।''

इजरायली डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि उसने ईरान के दो फाइटर जेट को मार गिराया है, जो हमले की तैयारी कर रहे थे।

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई है। पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने रविवार को इसकी पुष्टि की। सेंट्रल कमांड ने कहा कि शहीद सैनिकों के परिजनों को सूचित किए जाने के 24 घंटे बाद ही उनकी पहचान सार्वजनिक की जाएगी।

कमांड के मुताबिक, कुछ अन्य

(शेष पृष्ठ 7 पर)

ईरान के हमले में दुबई एयरपोर्ट को भारी नुकसान

दुबई/दोहा/तेहरान/वाशिंगटन/तेल अवीव, 01 मार्च। इजराइल-अमेरिका के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के मारे जाने के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने आज सुबह संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई पर हवाई हमला किया। इस हमले में जेबेल अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में एयरपोर्ट के अंदर धुआं नजर आ रहा है। कतर के दोहा में भी धमाके हुए हैं।

- **रविवार को सुबह दुबई व दोहा में कई बड़े धमाके हुए।**

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई में सुबह लगातार शक्तिशाली विस्फोट हुए। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एयरपोर्ट

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अवकाश की सूचना

होली के पावन पर्व पर राष्ट्रदूत कार्यालय में 2 व 3 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 5 मार्च को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

खामेनेई की मौत पर रुस और चीन ने बहुत तीखी प्रतिक्रिया दी

दोनों देशों ने इसे अनैतिक तरीके से की गई हत्या व अंतर्राष्ट्रीय कानून का शर्मनाक उल्लंघन बताया

- **पुतिन ने कहा कि खामेनेई ने रुस और ईरान के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में अहम् भूमिका निभाई।**
- **चीन ने कहा कि किसी संप्रभु नेता की सरेआम हत्या व सत्ता परिवर्तन की कोशिशों को किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।**

नई दिल्ली, 01 मार्च। अमेरिका-इजरायल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो चुकी है, लेकिन जंग की आग ठंडी होने के बजाय और भड़कती नजर आ रही है। इस हमले ने न सिर्फ मिडिल ईस्ट को युद्ध की आग में झोंक दिया है बल्कि अब दुनिया की दो बड़ी महाशक्तियां, रूस और चीन भी अमेरिकी कार्रवाई के खुलकर विरोध में उतर आई हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कहा कि खामेनेई की अनैतिक तरीके हत्या की गई है और ये अंतरराष्ट्रीय कानून का शर्मनाक उल्लंघन है। चीन ने भी बेहद तीखा बयान दिया है।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध में खामेनेई की मौत के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को शोक संदेश भेजकर हमले की तीखी निंदा की है। पुतिन ने खामेनेई और उनके परिवार की हत्या को मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का शर्मनाक उल्लंघन करार दिया।

पुतिन ने आगे कहा कि खामेनेई को रूस में एक असाधारण राजनेता के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने रूस और ईरान के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई और संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया।

चीन सरकार ने भी खामेनेई पर हमले पर कड़े शब्दों में निंदा की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का गंभीर ? उल्लंघन है।

चीन ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का अपमान बताते हुए कहा कि इसने यूएन चार्टर के सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बेसिक नियमों को ध्वस्त कर दिया है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने तो खामेनेई पर हमले के लिए अमेरिका-इजरायल की आलोचना करते हुए यहां तक कह दिया कि किसी संप्रभु नेता की सरेआम हत्या और सत्ता परिवर्तन की कोशिशों को किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। चीन सरकार ने सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने की मांग करते हुए कहा कि मिडिल ईस्ट और दुनिया में शांति कायम रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए और तनाव बढ़ाने से बचना चाहिए।

इससे पहले, चीन और रूस दोनों ने संकेत दिए थे कि वो ईरान पर हमले के मुद्दे को अंतराष्ट्रीय मंचों पर उठाएंगे। उनका कहना है कि अगर किसी देश के सर्वोच्च नेता को इस तरह निशाना बनाया जाता है तो इससे दुनिया में अराजकता ही पैदा होगी। रूस और चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अर्जेंट मीटिंग बुलाने की भी मांग की है ताकि ईरान के हालत पर चर्चा करके कोई रास्ता निकाला जा सके।

'पाकिस्तान सरकार ईरान की जनता के दुख और शोक की घड़ी में उनके साथ है'

खामेनेई की मौत पर शहबाज़ शरीफ का रिएक्शन

- **उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन पर भी चिंता व्यक्त की।**

इस्लामाबाद, 01 मार्च। इज़रायल और अमेरिका के हमलेमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई है, जिसके बाद अमेरिका-इजरायल के खिलाफ दुनिया भर में प्रदर्शन हो रहे हैं।

पाकिस्तान में सबसे ज्यादा बवाल देखने को मिला है, जहां प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के वाणिज्यिक दूतावास में घुसने की कोशिश भी की। इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खामेनेई की मौत पर दुख जताया है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सरकार ईरान की जनता के दुख और शोक की घड़ी में उनके साथ है। शहबाज ने खामेनेई की मौत को शहादत बताया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा, ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई की शहादत पर हम शोक जताते हैं।

उन्होने अपने पोस्ट में लिखा, पाकिस्तान सरकार और ईरान की जनता, ईरान के लोगों के दुख और शोक की इस घड़ी में उनके साथ हैं और आदरणीय आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई की शहादत पर हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन पर भी चिंता व्यक्त करता है। यह एक सदियों पुरानी परंपरा है कि राष्ट्राध्यक्षों/सरकार प्रमुखों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। अल्लाह ईरानी जनता को इस अपूरणीय क्षित को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने होली-धुलंडी की शुभकामनायें दीं

जयपुर, 1 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने होली एवं धुलंडी के पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने कहा कि होली के रंग आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के प्रतीक हैं।

- **उन्होंने प्रदेशवासियों से सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल होली मनाने का आव्हान किया।**

हर्षोल्लास का यह त्योहार सभी भेदभाव भुलाकर समाज में एकता को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आव्हान किया कि वे सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल होली मनाएं और समाज में एक दूसरे के प्रति स्नेह और अपनत्व को बढ़ावा दें।

मौलवी अयातुल्ला अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बने

स्थायी उत्तराधिकारी चुने जाने तक वे राष्ट्रपति तथा मुख्य न्यायाधीश के साथ ईरान का नेतृत्व करेंगे

- **मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के इस्लामिक मदरसों के नेशनल नेटवर्क के प्रमुख हैं। वे गार्डियन काउन्सिल के सदस्य हैं तथा असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स में भाग लेते हैं।**

तेहरान, 01 मार्च। अमेरिका-इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीनियर मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता के तौर पर काम करेंगे।

सरकार से जुड़ी ईरानी छात्र समाचार एजेंसी (आईएसएनए) के अनुसार खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने अपने संविधान के आर्टिकल 111 को लागू कर दिया था, जिससे एक आपातकालीन नेतृत्व व्यवस्था शुरू हो गई थी। तीन सदस्यों वाली काउंसिल सर्वोच्च नेता की शक्तियां तब तक संभालेगी, जब तक कि कोई स्थाई उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता। शनिवार को तेहरान पर अमेरिका-इजराइली के हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद सीनियर मौलवी अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के अंतरिम सर्वोच्च नेता बनाया गया है।

साल 1959 में जन्मे अयातुल्ला अलीरेज़ा अराफी (67) ईरान के मौलवी ग्रुप में एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं। अपनी अंतरिम सर्वोच्च नेताकी भूमिका से पहले उन्होंने एक साथ कई अहम पदों पर काम किया। वह ईरान के इस्लामिक मदरसों के नेशनल नेटवर्क के प्रमुख हैं। मौलवी गार्डियन काउंसिल के सदस्य के तौर पर काम करते हैं और असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स में बैठते हैं। उनकी नियुक्ति से सर्वोच्च नेता के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ज़िम्मेदार तीन लोगों का कोरम पूरा हो गया है।

इस व्यवस्था के तहत वह राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और मुख्य न्यायाधीश गुलाम-होसैन मोहसेनी-एजेई के साथ मिलकर देश का नेतृत्व करेंगे। तीनों के पास अब वह सर्वोच्च प्राधिकरण है, जो पहले सिर्फ़ खामेनेई के पास था, क्योंकि ईरान एक ऐसे लीडरशिप संकट से गुजर रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के भी नेतृत्व में बदलाव का ऐलान किया है, क्योंकि शनिवार को हुए हमलों में उसके कमांडर-इन-चीफ जनरल मोहम्मद पाकपुर की मौत हो गई थी। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक अहमद वहीदी को नया आईआरजीसी प्रमुख बनाया गया है। आईआरजीसी ईरान के सबसे ताकतवर इंस्टीट्यूशन में से एक है और यह देश की रेगुलर आर्म्ड फोर्स से अलग काम करता है।

खामेनेई के मारे जाने पर शिया समुदाय ने देश भर में प्रदर्शन किये

नई दिल्ली, 01 मार्च। ईरान के सर्वोच्च नेता सैयद अली खामेनेई के अमेरिका और इज़राइल के हमले में मारे जाने पर देशभर के शिया समुदाय में काफी गुस्सा और गम देखा जा रहा है। देश के शिया बहुल क्षेत्रों कारगिल, लद्दाख, लखनऊ, बिजनौर आदि में इस घटना का विरोध करने के लिए शिया मुसलमान सड़कों पर उतरे और राजधानी दिल्ली में भी प्रदर्शन किया।

- **कारगिल, लद्दाख, लखनऊ, बिजनौर व दिल्ली में शिया समुदाय के लोग सड़क पर उतरे।**

जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन में भारत सरकार से मजलूम का साथ देने और सैयद अली खामेनेई के निधन पर शोक संदेश जारी करने की मांग की गई। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शिया धर्म गुरुओं ने कहा कि भारत ने हमेशा मजलूमों का साथ दिया है और इस बार भी भारत सरकार को मजलूमों का साथ देना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में खामेनेई के मारे जाने पर दुख और गम का इजहार किया गया।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित कई जिलों में शिया समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन

(शेष पृष्ठ 7 पर)

जोधपुर श्रद्धालु दुबई में फंसे

जोधपुर,1मार्च (कासं)। ईरान और इज़रायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण जोधपुर के एक सौ से अधिक श्रद्धालु दुबई में फंस गए हैं। ये सभी लोग बड़ा रामद्वारा सूरसागर के संत अमृतराम महाराज की कथा सुनने के लिए दुबई गए थे। दुबई में 24 से 28 फरवरी तक महाराज की कथा सैवन सीज़ नामक होटल में थी। सभी लोग 23 फरवरी को दुबई गए थे और 28 फरवरी को कथा खत्म होने पर वापस रवाना होने वाले थे। जोधपुर के मंडोर और सूरसागर के माली समाज के करीब 100 लोग इस कथा में शामिल होने गए थे। शनिवार को कथा समाप्त होने के बाद सभी वापसी के लिए आबुधाबी एयरपोर्ट पहुंचे, वहां उन्हें उड़ान रद्द होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने उन लोगों को वापस होटल भेज दिया। दुबई में फंसे लोगों ने केंद्रीय सरकार से तत्काल मदद की मांग की है।

- **करीब सौ लोग संत अमृतराम महाराज की कथा सुनने दुबई गए थे।**

कराची में अमेरिकी दूतावास के बाहर गोलीबारी में 12 प्रदर्शनकारियों की मौत

पाकिस्तान के कई इलाकों से आये प्रदर्शनकारी दूतावास के बाहर, ईरान पर अमेरिकी -इज़रायली हमले का विरोध कर रहे थे

- **अमेरिकी दूतावास ने कहा कि वे कराची, लाहौर, इस्लामाबाद व पेशावर में दूतावासों के बाहर प्रदर्शनों के आव्हान पर नजर रख रहे हैं। अमेरिकी नागरिकों को भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने की सलाह दी गई है।**

इस्लामाबाद, 01 मार्च। ईरान पर रविवार सुबह इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले में वहां के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खमेनेई की मौत की खबर से पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में लोग भड़क गए हैं। हजारों प्रदर्शनकारियों ने आज कराची स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर जमा होकर नारेबाजी की। इस दौरान हुई झड़प के बाद अमेरिकी सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां चला दीं, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सिंध के गृह मंत्री ने पुलिस से घटना की रिपोर्ट तलब की है।

जियो टीवी ने सरकारी अस्पताल के अधिकारियों के हवाले से बताया है कि कराची में आज दोपहर अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर अमेरिका और इज़राइली हमलों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प के दौरान कम-से-कम 12 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। अस्पताल के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

घटना को लेकर इस्लामाबाद स्थित यूएस दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बयान जारी कर अपने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। इसमें कहा गया है कि, हम कराची और लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों के समक्ष चल रहे प्रदर्शनों की खबरों पर नजर रख रहे हैं। साथ ही इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास और पेशावर में वाणिज्य दूतावास के समक्ष प्रदर्शनों के आ ान पर भी हमारी नजर है। पाकिस्तान में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों को स्थानीय समाचारों पर नजर रखने और व्यक्तिगत सुरक्षा के अच्छे उपाय के साथ सतर्कता, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने की सलाह दी जाती है।

इससे पहले उग्र प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजराइल पर मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए बैरिकेड तोड़े दिए। भीड़ ने अमेरिकी प्रतीकों को निशाना बनाया और दूतावास परिसर के एक हिस्सों में आग लगा दी।

जानकारी के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर जमा होकर पत्थर फेंके और आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग के बाद गोलीबारी शुरू कर दी।

सिंध के होम मिनिस्टर ज़ियाउल हसन लंजर ने एडिशनल आईजी कराची से घटना की रिपोर्ट मांगी है। एक बयान में उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। लंजर ने पूरे प्रांत में संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया।

मध्य पूर्व देशों में सीबीएसई की सोमवार की परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली, 01 मार्च। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मध्य पूर्व के कई देशों में सोमवार को होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए स्थगित करने का निर्णय लिया है।

- **तीन मार्च को स्थिति की समीक्षा के बाद बाकी परीक्षाओं पर निर्णय लिया जायेगा।**

सीबीएसई का यह आदेश बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

बॉलीवुड: कल, आज और कल

भारत दुनिया का सबसे बड़ा फ़िल्म उत्पादक देश है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, सभी भारतीय भाषाओं में कुल 1769 फ़ीचर फ़िल्में बनीं, और अगर इनमें से केवल हिंदी फ़िल्मों की बात की जाए तो सन् 2023 में उनकी संख्या भी 248 थी। मुम्बई में निर्मित हिंदी फिल्मों के आधार पर ही वहां के फ़िल्म उद्योग को बॉलीवुड कहा जाता है। यह शब्द दो शब्दों का मिश्रण है:– बॉम्बे और हॉलीवुड। इस अभिव्यक्ति का प्रयोग 1970 के दशक में अंग्रेज़ी पत्रकारों ने अपने गॉसिप कॉलमों में करना शुरु किया था और अब तो इसका चलन इतना ज़्यादा हो गया है कि इसके अनुकरण पर देश के अन्य क्षेत्रीय फिल्म निर्माण केंद्रों को भी टॉलीवुड, कॉलीवुड, संडलवुड और पॉलीवुड जैसे नामों से जाना जाने लगा है। यह कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा कि आज बॉलीवुड केवल फ़िल्मों का उद्योग न रहकर एक समग्र सांस्कृतिक तंत्र का आकार ले चुका है। इसमें हमारी आशाएं, आकांक्षाएं, पूर्वाग्रह, राष्ट्रवाद, उपभोक्तावाद, नैतिकता सब सिमट आए हैं। इसकी विकास यात्रा भी कम रोचक नहीं है। जो हिंदी फ़िल्में कभी देश की स्वाधीनता की आवाज़ बनीं, फिर उन्होंने आदर्शों के सपने दिखाए, सपनों के पूरा न होने पर विद्रोह को वाणी दी, वे ही फ़िल्में नव उदारवाद की राह से गुज़रते हुए आज बाज़ार की चकाचौंध में जा फंसी हैं।

आज़ादी के तुरंत बाद के दो दशकों में जैसी फ़िल्में बनीं उनके आधार पर उस काल खण्ड को हिंदी सिनेमा का नैतिक स्वर्ण काल कहा जा सकता है। बस आप राज कपूर, गुरुदत्त और बिमल रॉय के नाम याद कर लें, आपको याद आ जाएगा कि इनकी फ़िल्मों में क्रमश: समाजवादी स्वप्न, कलाकार की पीड़ा और विडम्बना, तथा ग्रामीण भारत का प्रामाणिक यथार्थ कैसे चित्रित हुए थे। उस काल में सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं था, वह आत्मालोचन भी था। तब शैलेंद्र और साहिर जैसे गीतकार थे जिनके शब्द शास्त्रीय और लोक संगीत का साथ पाकर ऐसे अमर हुए कि हम आज भी उन्हें गुनगुनाते हैं। असल में उस काल का सिनेमा एक सांस्कृतिक विद्यालय था।

लेकिन आज़ादी के दो दशक बीतते न बीतते हमारे सपने टूटने लगे। हिंदी कहानी में नई कहानी के नाम से मोहभंग के स्वर गूंजे तो हिंदी सिनेमा में सामाजिक असंतोष ने व्यवस्था से टकराने वाले एंग्रीयंगमैन के रूप में अभिव्यक्ति पाई। अमिताभ बच्चन का उभार जैसे उस समय की राजनीतिक निराशा और बेरोज़गारी का सिनेमाई अनुवाद था। असल में सिनेमा का यह बदला हुआ रूप उस भारत का प्रतिबिम्ब था जो अपने सपनों के टूटने और आदर्शवाद के पराजित होने से हताश होकर प्रतिरोध की नई भाषा सीखना शुरु कर रहा था।

और इसके बाद आया सन् 1990 के बाद का आर्थिक उदारीकरण। इसने तो जैसे बॉलीवुड के पूरे व्यक्तित्व को ही बदल कर रख दिया। भारत की मध्यमवर्गीय आकांक्षाएं स्विटज़रलैण्ड की हसीन वादियों में जा पहुंची। शाहरुख ख़ान के रोमांस और करण जौहर की पारिवारिक भव्यता ने एक ऐसे भारत को रचा जो आर्थिक रूप से उभर रहा था और भावनात्मक रूप से ग्लोबल हो जाना चाह रहा था।

और यही वह समय भी था जब बॉलीवुड पूरीतरह बाज़ार की गिरफ़्त में आ गया। अब फ़िल्में एक कलात्मक निर्मिति या सांस्कृतिक वक्तव्य न रहकर प्रोडक्ट बन गईं। इसके बाद जैसे–जैसे तकनीकी बदलाव आते गए, बॉलीवुड और अधिक बदलता गया। सिंगल स्क्रीन थिएटर मल्टीप्लेक्सों द्वारा विस्थापित कर दिए गए, और इसने हमारे दर्शक समूह को भी सीधे–सीधे दो वर्गों में बांट दिया। महानगरों के समृद्ध दर्शकों के लिए अलग तरह की फ़िल्में बनने लगीं तो कस्बों के अपेक्षाकृत छोटी जेब वाले दर्शकों के लिए अलग फ़िल्में बनने लगीं। फिर आई डिजिटल तकनीक और वीएफएक्स की चमत्कारी दुनिया। इन्होंने फ़िल्मों के दृश्य वैभव को तो खूब बढ़ाया लेकिन इसकी क्षति पूर्ति करने के लिए कथा की गहराई की बलि दे दी गई। इसके बाद आए ओटीटी के दौर ने एक हद तक मल्टीप्लेसों को भी निस्तेज किया। फ़िल्मों पर से बॉक्स ऑफिस का दबाव कम हुआ, लोग अपने कमरों में बैठ कर ही फ़िल्मों का आनंद लेना पसंद करने लगे। परिणामत: छोटे शहरों का कहानियों और नए अभिनेताओं को भी मंच मिला। लेकिन इस नए आए माध्यम ने सेंसर को भी चुनौती दी। फ़िल्मों में नग्नता, अश्लीलता, हिंसा और अभद्र भाषा का खुलकर प्रयोग होने लगा।

बायोपिक की बाढ़ बताती है कि हम मिथकों और महापुरुषों की पुनर्स्थापना के दौर में हैं, और इधर इस सोच में राष्ट्रवाद का जो ज़ोरदार तड़का लगा है उसने जैसे पूरे बॉलीवुड को दो भागों में बांट दिया है। भारतीय राजनीति का चालू विमर्श जैसे बॉलीवुड पर भी हावी हो गया है। राहत की बात यह है कि ऐसी प्रचारात्मक फ़िल्मों को दर्शकों ने सिरे से नकार कर अपनी परिपक्वता का परिचय दिया है।

नए आए ओटीटी ने जहां छोटे बजट वाले निर्माताओं के लिए नए दरवाज़े खोले हैं वहीं इन्होंने पारंपरिक निर्माताओं के सामने भी बाज़ार में टिके रहने की चुनती पेश की है। परिणामत: वे भी कथा और चित्रण में नए प्रयोग करने को प्रेरित हुए हैं। इधर बहुत सारी ऐसी फ़िल्में आई हैं जिन्होंने विचार और दृश्य भाषा में नई ज़मीन तोड़ी है।

इधर हमारी फ़िल्मों में बायोपिक और राष्ट्रवाद का एक नया दौर आया है। बायोपिक की बाढ़ बताती है कि हम मिथकों और महापुरुषों की पुनर्स्थापना के दौर में हैं, और इधर इस सोच में राष्ट्रवाद का जो ज़ोरदार तड़का लगा है उसने जैसे पूरे बॉलीवुड को दो भागों में बांट दिया है। भारतीय राजनीति का चालू विमर्श जैसे बॉलीवुड पर भी हावी हो गया है। राहत की बात यह है कि ऐसी प्रचारात्मक फ़िल्मों को दर्शकों ने सिरे से नकार कर अपनी परिपक्वता का परिचय दिया है। यह एक नई चीज़ है कि इधर हमारी फ़िल्में केवल कलात्मक अभिव्यक्ति न रहकर वैचारिक संघर्ष का मैदान भी बनने लगी हैं। बाकायदा फ़िल्में के बहिष्कार के आंदोलन चलाए जाने लगे हैं। इस तरह के आंदोलनों के मूल में प्राय: सत्ता का समर्थन या उसके विरोध के मुद्दे होते हैं। न केवल फ़िल्मों के, उनसे जुड़े लोगों, विशेष रूप से अभिनेताओं के बहिष्कार के आंदोलन भी चलाए जाने लगे हैं, और इन आंदोलनों के मूल में बहुत बार फ़िल्में न होकर उन कलाकारों की वैचारिकता भी होती है।फ़िल्मों की छोटी–छोटी बातों पर उपद्रव और तोड़ फोड़ भी होने लगी है, जो चिंता की बात है।

गीत–संगीत हिंदी फिल्मों का अभिन्न अंग है। ऐसी अनगिनत फ़िल्में याद की जा सकती हैं जिनका प्राण उनका संगीत ही था। फ़िल्म भले ही पिट गई हो, संगीत अमर हुआ। हमारे बहुत सारे कलाकार और उन्हें वाणी देने वाले गायक एक दूसरे के पर्याय ही बन गए थे। जैसे राजकपूर–मुकेश, राजेश खन्ना–किशोर कुमार। अब स्थिति बदल गई है। एक ही अभिनेता के लिए अनेक पार्श्व गायकों की आवाज़ काम में लिया जाना अपवाद नहीं रह गया है। असल में अब संगीत फ़िल्म की आत्मा न रहकर केवल प्रोमोशनल उपकरण बना कर रख दिया गया है। एक गाना आता है चार दिन चलता है फिर उसका कोई अता–पता नहीं रह जाता। कालजयी गीत–संगीत का युग जैसे बीत चुका है। संगीत अब सुकून नहीं देता। भारी–भरकम ऑर्केस्ट्रा और धूम धड़ाका – जैसे यही संगीत की नई परिभाषा है। और गीत? उसकी तो बात न ही की जाए तो बेहतर है। वैसे भी शोर में गीत सुनाई किसे देता है?

इधर दक्षिण भारत की हिंदी में डब की हुई अनेक फ़िल्मों ने बाज़ार पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। इनकी वजह से एक नया शब्द पैन इण्डियन चलन में आया है। इस बात का सकारात्मक पक्ष तो यह है कि भाषाओं की सीमाएं टूट रही हैं और नकारात्मक पक्ष यह है कि हिंदी सिनेमा अपनी मौलिकता खोता जा रहा है।

बॉलीवुड का बदलता रूप भारतीय समाज की बदलती चेतना का ही प्रतिबिंब है। यह उद्योग अब तकनीकी रूप से सक्षम, आर्थिक रूप से सशक्त और वैश्विक रूप से महत्वाकांक्षी है। परंतु कुछ सांस्कृतिक प्रश्न अनुत्तिरत हैं। हमें उनके उत्तर तलाश करने हैं। ये प्रश्न हैं: क्या सिनेमा बाजार से ऊपर उठकर अपने समाज की आत्मालोचना करेगा? क्या वह विविधता, असहमति और मानवीय संवेदना को बचाए रख पाएगा? क्या वह इतिहास को उसकी समग्र जटिलता सहित ईमानदारी से प्रस्तुत करेगा, या उसे सरल और सत्ता–समर्थक नारों में बदल देगा? ऐसे और भी अनेक प्रश्न हैं।

इस बात को समझा जाना ज़रूरी है कि बॉलीवुड का भविष्य केवल तकनीक या बजट से तय नहीं होगा; वह इस बात से तय होगा कि वह अपने समय के नैतिक एवं अन्य आवश्यक प्रश्नों का सामना कितनी ईमानदारी से करता है। यदि सिनेमा केवल मनोरंजन रहेगा, तो वह क्षणिक होगा। यदि वह संस्कृति का संवाद बनेगा, तो स्थायी होगा। याद कीजिए अतीत की किन फ़िल्मों को हम याद करते हैं, और क्यों उन्हीं को याद करते हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

अजमेर जिले ने रचा इतिहास, "गीर गाय" ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई

अजमेर जिले की श्री हरि डेयरी फॉर्म की "गीर गाय" ने देशभर में आयोजित विभिन्न पशु मेलों में दूध श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर अजमेर का नाम रोशन किया

अजमेर, (निसं)। अजमेर जिले की श्री हरि डेयरी फॉर्म की गीर गाय ने देशभर में आयोजित विभिन्न पशु मेलों में दूध श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर अजमेर का नाम रोशन किया है। पुष्कर, गंगानगर, आईसीएस राजकोट और जोबनेर में आयोजित प्रतियोगिताओं में इस गाय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

डेयरी के संचालक गणपत सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान पशुपालन विभाग के सहयोग से मूलत: गुजरात की गीर नस्ल का संवर्धन किया गया है। सुनियोजित प्रजनन और वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से तैयार की गई इस उच्च गुणवत्ता वाली ब्रीड ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि कृषि और डेयरी क्षेत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाया जा रहा है। बेहतर नस्ल की गायों के संवर्धन से दूध उत्पादन और गुणवत्ता में उल्लेखनीय

■ पुष्कर, गंगानगर, आईसीएस राजकोट और जोबनेर में आयोजित प्रतियोगिताओं में इस गाय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान हासिल किया

सुधार हुआ है। आज भारत में तैयार की जा रही उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों के बछड़ों को ब्राजील सहित कई देशों में भेजा जा रहा है, जिससे भारतीय डेयरी क्षेत्र की वैश्विक पहचान मजबूत हो रही है।

शेखावत ने बताया कि अजमेर में विकसित की गई यह उत्कृष्ट नस्ल लगातार दूध प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर रही है। डेयरी संचालकों का मानना है कि मजबूत डेयरी तंत्र के माध्यम से आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सकेगा।

अजमेर जिले की श्री हरि डेयरी फॉर्म की गीर गाय ने कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

अलवर में होली पर दो दशक से निकाला जा रहा है 'सेठ–सेठानी' का स्वांग

अलवर, (निसं)। पहल सेवा संस्थान द्वारा पिछले दो दशक से अलवर शहर में निकाला जाने वाला नानक शाही स्वांग परंपरा पर आधारित सेठ–सेठानी का स्वांग रविवार सुबह ग्यारह बजे काशीराम चौराहा से निकाला गया। वहीं ऊंट पर निकली सेठानी का नागौरी परंपरा का अनोखा स्वांग दिखा। सेठ संग फकीर–मुनीम बही खाते लेकर बाजारों में निकले।

संस्थान सचिव लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने बताया कि स्वांग को राजस्थान सरकार के वन में पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, डॉ. अनुभव शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष जितेंद्र गोयल ने की। इससे पूर्व सेठ–सेठानी ने शिव–पार्वती मंदिर में गौरी पूजन किया एवं मुरली मनोहरजी मंदिर में अतिथियों द्वारा आरती कार्यक्रम के उपरांत यह स्वांग निकाला गया।

इस अवसर पर वन में पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने होली की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि पहल सेवा संस्थान द्वारा पिछले दो दशक से लोक कला को जीवित रखने के अंतर्गत यह नानक शाही स्वांग अलवर शहर में निकाला जा रहा है जो अपने आप में एक अनूठी मिसाल है। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि एक और जहां आज सभी आयु वर्ग के लोग टीवी और मोबाइल में व्यस्त हैं, वही लोक कला को जीवित रखते हुए इस तरह के स्वांग का निकाला जाना एक अनूठी परंपरा के साथ–साथ बेहतरीन प्रयास है।

अलवर में नानक शाही स्वांग परंपरा पर आधारित सेठ–सेठानी का स्वांग निकाला गया।

■ सेठ संग फकीर-मुनीम बही-खाते लेकर बाजारों में निकले, ऊंट पर निकली सेठानी, अलवर में दिखा नागौरी परंपरा का अनोखा स्वांग

जानकारी के अनुसार यह स्वांग काशीराम चौराहे से प्रारंभ होकर घंटाघर, नगर निगम कार्यालय, होप सर्कस, त्रिपोलिया, जगन्नाथ जी मंदिर, विवेकानंद चौराहा, बस स्टैंड होते हुए शाम चार बजे कंपनी बाग पहुंचा, जहां पर कलाकारों द्वारा फाग उत्सव कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। स्वांग उत्सव कार्यक्रम का संचालन कवि साद राम ने किया। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

स्वांग में संयोजक सुनील चौधरी, अध्यक्ष जितेंद्र गोयल, सचिव लक्ष्मी नारायण गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज चौहान, भाजपा नेता पंडित जलेसिंह, मंडल अध्यक्ष सतीश यादव, जितेंद्र सैनी, पार्षद सुमन चौधरी, हेतराम यादव, रवि यादव, हरीश अरोड़ा, ललित पवार, चतरसिंह गुर्जर, कुशालसिंह, अमित जोगी, भाविक जोशी, गर्व चौधरी, चेतन, मोहन चौहान, आर्यन यादव, सोनित यादव, धीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में रंगीलो श्याम फागोत्सव में एक क्विंटल फूलों से होली खेली

झुंझुनूं, (निसं)। फाल्गुन शुक्ल बारस के अवसर पर झुंझुनूं शहर के श्याम मंदिरों में भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। राणी सती रोड स्थित श्याम मंदिर में रंगीलो श्याम फागोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया।

श्री श्याम चेरिटेबल ट्रस्ट के विनोद कुमार सिंघानिया ने बताया कि फागोत्सव में फतेहपुर की महादेव ढप मंडली ने पारंपरिक राजस्थानी लोक वाद्य ढप, चंग और बांसुरी की मधुर थाप पर धमालों की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं जयपुर से आए कलाकारों ने कृष्ण–राधा नृत्य नाटिका से श्रद्धालुओं को भाव–विभोर कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण करीब एक क्विंटल फूलों की होली रही। जैसे ही फूलों की वर्षा हुई, मंदिर परिसर भक्तिरस और फाल्गुनी रंगों से सराबोर हो उठा। उपस्थित श्रद्धालु भी फाल्गुनी गीतों और राधा–कृष्ण भजनों पर झूमते नजर आए। इस अवसर पर श्रीश्याम मंदिर का भव्य शृंगार किया गया।

कार्यक्रम में श्री श्याम चेरिटेबल ट्रस्ट के विनोद कुमार सिंघानिया, अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष गणेश हलवाई, स्टेट जीएसटी के जॉइंट कमिश्नर उमेश जालान, श्री गोपाल गौशाला के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलिया, मंत्री प्रदीप पाटोदिया, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष नवल खंडेलिया, वरिष्ठ अधिवक्ता संजय शर्मा और रितेश सिंघानिया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। देर रात तक चले इस आयोजन ने होली के मौसम की रौनक को और बढ़ा दिया। पिछले दो दिनों से शहर में लगातार फाल्गुनी कार्यक्रमों का दौर जारी है और हर ओर ढप, चंग व धमाल की सुरीली गूंज सुनाई दे रही है। इस मौके पर सीए पवन केडिया, अशोक केडिया नीटू, अनूप गाडिया, श्रीकांत पंसारी, पूर्व पार्षद प्रमोद जानूं, अंकुर टीबड़ेवाला, सीए लोकेश अग्रवाल, रघुनाथ प्रसाद पोद्दार, कैलाशचंद्र सिंघानिया, संजय नांगलिया, राजकुमार सिंघानिया, पवन कुमार केजड़ीवाल, रमाकांत मोदी, रोमी रमन पंसारी, सहित महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित थे।

कलाकारों ने कृष्ण–राधा नृत्य नाटिका से श्रद्धालुओं को भाव–विभोर कर दिया।

■ फागोत्सव में फतेहपुर की महादेव ढप मंडली ने पारंपरिक राजस्थानी लोक वाद्य ढप, चंग और बांसुरी की मधुर थाप पर धमालों की शानदार प्रस्तुति दी

डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

अलवर, (निसं)। मालाखेड़ा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कलसाड़ा गांव में रविवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। अंबेडकर स्मार्ट समिति द्वारा आयोजित इस समारोह में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाजबंधुओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जयराम जाटव थे। ग्रामीणों और जाटव समाज के लोगों ने ढोल–नगाड़ों, पुष्प वर्षा और साफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

पूर्व विधायक जयराम जाटव ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत के सामाजिक न्याय का शिल्पकार बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने देश को संविधान देकर हर वर्ग को समान अधिकार दिलाए। उन्होंने शिक्षा, समानता और अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए समाज के वंचित वर्गों को नई दिशा प्रदान की। जाटव ने डॉ. आंबेडकर के जीवन संघर्ष पर भी प्रकाश डाला। समारोह में भाजपा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस दौरान समाज को शिक्षा और संगठन के माध्यम से आगे बढ़ने का आव्हान किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष मूल चंद डीगवाल मालाखेड़ा प्रधान वीरवती जाटव, उमरैण प्रधान दौलतराम जाटव सहित कई भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि और अन्य नागरिक उपस्थित थे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 2 मार्च, 2026

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र प्रात: 7:52 तक, अतिगंड योग दिन 12:19 तक, वणिज करण सायं 5:56 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 7:52 से सिंह राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग प्रात: 7:52 तक है। भद्रा सायं 5:56 से आरम्भ होगी। आज चान्द पूर्णिमा व्रत है। होलिका दहन रात्रि 2:38 से 4:38 के मध्य करना श्रेष्ठ रहेगा। आज छुताशिनी पूर्णिमा, माघी मासम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:20 तक, शुभ 9:47 से 11:13 तक, चर 2:05 से 3:32 तक, लाभ–अमृत 3:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 6:15

मेष
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कर्क
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। यात्रा में सावधानी रखना अच्छा रहेगा।

सिंह
मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

आज मुबारक, कल मुबारक
होली का हर पल मुबारक
रंग बिरंगी होली में
हमारा भी एक रंग मुबारक

रंगों की बहार आई, होली की मस्ती छाई

उपाधियों की बौछार, ये है होली का त्योहार

हास्य व्यंग्य के साथ राष्ट्रदूत ने खोला उपाधियों का पिटारा

रंगों की वर्षा, गुलाल की फुहार
सूरज की किरणें, खुशियों की बौछार
चन्दन की खुशबू, अपनों का प्यार
मुबारक हो आपको होली का त्योहार

राष्ट्रदूत आज भी अपनी इस अनूठी और बांकी परम्परा का हंसी खुशी से निर्वहन कर रहा है। होली मौजमस्ती का त्योंहार है। इसे बावला त्योंहार भी कहा जाता है। ये सिर्फ एक होली का विनोद मात्र है इसे दिल पर न ले। यह हंसी मज़ाक के साथ सम्मानित करने का एक शानदार तरीका है। यह यादों को और अधिक जीवंत बना देता है। बुरा न मानो होली है की करतल ध्वनि होली की लंबी परंपरा का अभिन्न अंग है। इन उपाधियों को सहज ढंग से स्वीकार करना चाहिए और फिर अगली होली का इंतजार करना चाहिए। आपके अपने राष्ट्रदूत को सदा की तरह होली-विशेषांक के लिए काफी तैयारी करनी पड़ी। दिल में धुकुर-धुकुर मची रही कि सही वक्त पर निकाल पाएंगे या नहीं ! उपाधियाँ सही ढंग से दी गई या नहीं। बाकी सामठाी भी पाठकों की रूचि के अनुरूप है या नहीं। पर अंततः हम इसमें कामयाब हुए। लीजिए, अब यह आपके हाथों में है। पढ़िए, मजा लीजिए और टीपें छोड़िए कि यह आपको कैसा लगा । आप सभी को राष्ट्रदूत परिवार की ओर से होली की शुभकामनाएं।

होली के खूबसूरत रंगों की तरह आप सभी को राष्ट्रदूत परिवार की ओर से बहुत-बहुत रंगों भरी, उमंगों भरी शुभकामनाएं

होली 2026

2 मार्च, 2026 : होलिका दहन
3 मार्च, 2026 : रंगवाली होली

होली का नाम लेते ही रंगों की बौछार, हंसी-ठिठोली और मस्ती भरी महफिल का ख्याल आता है। यह त्योहार न सिर्फ रंगों का, बल्कि दिलों को जोड़ने, गुदगुदाने और रिश्तों में मिठास घोलने का भी पर्व है। इस दिन हर कोई पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को रंग लगाता है और प्रेम का इजहार करता है। कहते हैं कि होली पर दुश्मन भी दोस्त बन जाते हैं, और हर चेहरा मुस्कान से खिल उठता है। रंगों से सराबोर यह त्योहार खुशियों की सौगात लेकर आता है। गुलाल की महक, पकवानों की मिठास और चारों ओर मस्तीभरे रंग त्योहार के माहौल को और भी खास बना देते हैं। गली-मोहल्लों में गूंजते होली के गीत, पिचकारियों से उड़ते रंग और हंसी-मजाक की धूम इसे और भी यादगार बना देती है। हँसो, हंसाओं और हँसी उड़ाओ यह दिन है हँसी ठ्टठे के, ठिठोली के, बोलीठोली के, मखौल के, उपहास के, व्यंग्य के अल्मस्ती के, अनुराग, राग और रागरंग के। होली पर जी भर के भड़ास निकाली जाती हैं, बोलियों की गोलियां चलाई जाती हैं, पिचकारी से बम फोड़ देते हैं, फिर कहते हैं- बुरा न मानो होली है। जो बुरा मानें उन से कह दीजिए - बुरा ना मानो होली है। होली रंग, व्यंग्य और हंसी-मजाक से भरा पावन पर्व है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। बुरा न मानो होली है के व्यंग्य के साथ, यह त्योहार रिश्तों की कड़वाहट मिटाकर नए रंग भरने का संदेश देता है। रंग-बिरंगे संदेशों, फाग गीतों और मस्ती भरे कटाक्षों के माध्यम से होली का उत्साह और सामूहिकता व्यक्त की जाती है।होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह जीवन की विविधता, उल्लास और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक भी है। होली का उत्सव लोगों के बीच प्रेम, भाईचारे और सामाजिक मेल-जोल का प्रतीक है। होली का त्योहार हमें सिखाता है कि जीवन में हर भावना, हर परिस्थिति का स्वागत खुले मन से करें। यह पर्व प्रेम, सद्भाव, आनंद औरसांस्कृतिक जागरण का एक दिव्य अवसर है, जो हमें जीवन को संपूर्णता से जीने की प्रेरणा देता है।चारो तरफ होली का खुमार छाया हुआ है। रंग बिरंगे रंगों से वातावरण सराबोर है। होली का नाम सुनते ही हमारा तन मन रंगों, उत्साह और स्वादिष्ट व्यंजनों की सुगंध से भर जाता है। मिठाइयों और पकवानों की खुशबू मन को बेकाबू कर रही है, होली के गीतों से हृदय में उमंग की लहर दौड़ रही है।यह रंगों का पर्व खुशी, मेल-जोल और भाईचारे का प्रतीक रहा है, लेकिन समय के साथ इसमें कई बदलाव आए हैं। पुराने समय की होली और आज की होली में काफी अंतर देखने को मिलता है. जहां पहले होली पूरे गली मोहल्ले और गांव के लोगों के साथ मिलकर खेली जाती थी, वहीं अब यह एक सीमित दायरे में सिमट गई है। पहले होली सिर्फ रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक उत्सव हुआ करता था। लोग एक-दूसरे के घर जाकर रंग लगाते, गुलाल उड़ाते और बड़ों से आशीर्वाद लेते थे। हल्दी, मुल्तानी मिट्टी, टेसू के फूल और अन्य प्राकृतिक रंगों से होली खेली जाती थी, जिससे न त्वचा को नुकसान होता था और न ही आंखों में जलन। वक्त के साथ होली का स्वरूप भी बदल गया है. अब पहले जैसी आत्मीयता और भाईचारा कम दिखाई देता है। जहां पहले गुलाल और हल्दी से होली खेली जाती थी, अब वहां चमकीले, पक्के और केमिकल युक्त रंगों का उपयोग किया जाने लगा है, जिससे त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ गई हैं। कई लोग पानी बचाने के नाम पर सूखी होली खेलने लगे हैं, लेकिन इस दौरान हानिकारक रंगों का अधिक इस्तेमाल होता है। पहले होली शालीनता से खेली जाती थी, लेकिन अब शराब और भांग का अत्यधिक सेवन बढ़ गया है, जिससे झगड़े और अप्रिय घटनाएं बढ़ गई हैं। समय के साथ परंपराओं में बदलाव आना स्वाभाविक है, लेकिन त्योहारों की मूल भावना को बनाए रखना भी जरूरी है। हमें कोशिश करनी चाहिए कि होली को फिर से भाईचारे और प्रेम के रंगों से सराबोर किया जाए। प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जाए और अनावश्यक नशे से बचा जाए ताकि होली का असली आनंद बना रहे। होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्यार, अपनापन और भाईचारे का प्रतीक है।होली की शुरुआत होलिका दहन से होती है। इस दिन छोटी होली मनाई जाती है और इसके अगले दिन रंग वाली होली खेली जाती है।होली भारत का बहुत ही लोकप्रिय और हर्षोल्लास से परिपूर्ण त्यौहार है। लोग चन्दन और गुलाल से होली खेलते हैं। प्रत्येक वर्ष मार्च माह के आरंभ में यह त्योहारमनाया जाता है। लोगों का विश्वास है कि होली के चटक रंग ऊर्जा, जीवंतता और आनंद के सूचक हैं। होली की पूर्व संध्या पर बड़ी मात्रा में होलिका दहन किया जाता है और लोग अग्नि की पूजा करते हैं।होली का नाम सुनते ही मन में उत्साह की लहर दौड़ पड़ती है। हवा में अबीर-गुलाल की महक घुल जाती है और चारों ओर खुशियों के रंग बिखर जाते हैं। गली-मोहल्लों में गूंजते होली के गीत, पिचकारियों से उड़ते रंग और हंसी-मजाक की धूम इसे और भी यादगार बना देती है। ये सिर्फ रंगों का खेल नहीं, बल्कि प्यार, अपनापन और उमंग का पर्व है, जहां दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है और गिले-शिकवे मिट जाते हैं। लेकिन होली का महत्व सिर्फ मस्ती तक सीमित नहीं है। इसके पीछे पौराणिक कथाएँ, ऐतिहासिक परंपराएं और सामाजिक संदेश छुपे हैं। ये बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, तो कहीं भगवान कृष्ण और राधा के प्रेम का रंगीन उत्सव। एक जमाना था जब पत्र पत्रिकाओं में होली पर जाने माने लोगों को व्यंग्य भरी उपाधियाँ बाँटी जाती थीं। गली और कॉलोनियों में होली के हुल्लड़बाज़ छापेखाने में छपवा कर या हाथ से लिख कर उपाधियों के नाम पर कटाक्ष के परचे बाँटते थे। सवेरे जाग होने पर बड़ा हंगामा होता था। समय के साथ समाचार पत्रों में होली की उपाधियाँ आने लगी। पाठक होली का बेसब्री से इंतजार करते है ताकि अपने मनपसंद व्यक्ति की उपाधि चाव के साथ देख सके। होली आये और राष्ट्रदूत का होली विशेषांक नहीं आये यह तो हो ही नहीं सकता।

होली परिशिष्ट के अतिथि संपादक वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार बाल मुकुंद ओझा

होली गीत

सदभावों के रंग चलो हम, मिलकर भर ले झोली में।
नव पल्लव सा प्यार करे सब, रंगों की इस होली में।
ढोल बजा के भंग चढ़ा के, सबके रंग लगायेंगे।
धूम मचा के संग नचा के, होली पर्व मनायेंगे।
प्रेम मिलन के यार तराने, सच्चाई इस होली की,
अपनेपन के रंग लगाकर, सबका मन बहलाएंगे।
आओ हम नफरत को त्यागे, मिश्री घोलें बोली में।
नव पल्लव सा प्यार करे हम, रंगों की इस होली में।
डालेंगे हम रंग प्रेम का, हँसते-हँसते तन मन पर।
सजनी का वह प्यार भरा मन, हम उसका पाये जी भर।
फिर ये स्वप्न सजायें हर दिन, नवगानों की खुशियों के,
लेकिन गोरी आकर मुझको, एक बार तो कर दो तर।
भर जाता है बस मन मेरा, तेरी हँसी ठिठोली में।
नव पल्लव सा प्यार करें हम, इस रंगों की होली में।
कहें भारती व्यास हृदय से, बंधन कभी नहीं छूटे।
जिस रंगों में अपनी खुशियां, बनी रहे यह ना टूटे।
भक्ति हो प्रहलाद भक्त सी, अमर जिंदगी कर देती,
फागुन में यूँ चढ़ी तरंगे, सब कुछ अपना ना लूटे।
संग तुम्हारे सदा जियेंगे, हम सब बनकर हमजोली।
नव पल्लव सा प्यार करे हम, इस रंगो की होली में।

- मंगल व्यास भारती

सियासत के सूरमा

हरिभाऊ बागड़े	- कुछ अलग बात है हममें
वासुदेव देवनानी	- बड़ी पाठशाला के गुरूजी
भजनलाल शर्मा	- मन चंगा तो कठौती में गंगा
ओम बिरला	- संकट मोचक
दीया कुमारी	- बजटाधिपति
प्रेमचंद बैरवा	- मन मन भाये मूंड हिलाये
डॉ. किरोड़ीलाल मीणा	- संघर्ष ही जीवन है
गजेंद्र सिंह खींवसर	- अंधेरे में उजाला
राज्यवर्धन सिंह राठौर	- महा प्रबधक
बाबू लाल खराडी	- मन लागा मेरा यार फकीरी में
मदन दिलावर	- बड़ा कबूतर
जोगाराम पटेल	- मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं
सुरेश सिंह रावत	- पढ़े फारसी बेचे तेल
अविनाश गहलोत	- उड़न बछेड़ा
ज़ोराराम कुमावत	- ऊंची दूकान, फीका पकवान
हेमंत मीणा	- बाबाजी का चिमटा
कन्हैया लाल चौधरी	- काजल की कोठरी
सुमित गोदारा	- कांटा लगे ना कंकर
ओटा राम देवासी	- अलीबाबा
डॉ. मंजु वाघमार	- फुलौरी बिना चटनी कैसे बनी
विजय सिंह चौधरी	- छुपा रुस्तम
के के बिश्नोई	- नाम बड़े और दर्शन छोटे
जवाहर सिंह बैडम	- रमता जोगी
संजय शर्मा	- सबका साथ, सबका विश्वास
गौतम कुमार	- अजगर करे ना चाकरी
झाबर सिंह खर्रा	- हम चौड़ा और गली सांकड़ी
हीरा लाल नागर	- कोई मेरी भी तो सुनो
ओम बिरला	- महत्वाकांशी
गजेंद्र सिंह शेखावत	- मोदी की मेहरबानी
भूपेंद्र यादव	- जीवंत जीवटता
अर्जुन मेघवाल	- यथा नाम तथा गुण

शासन के तीरदांज

वी. श्रीनिवास	- भला आदमी
अभय कुमार	- स्वच्छ छवि
अखिल अरोड़ा	- खिलाड़ियों का खिलाड़ी
अपर्णा अरोड़ा	- पंचों की राय
शिखर अग्रवाल	- आगाज तो अच्छा है
संदीप वर्मा	- कौशल निर्माण
कुलदीप रांका	- तकनिकी पर जोर
श्रेया गुहा	- गांव का विकास
आनंद कुमार	- जंगलराज
प्रवीण गुप्ता	- सड़कों का जाल
भास्कर आत्माराम सावंत	- स्वच्छ प्रशासन
अश्विनी भगत	- अकलियत का विकास
कुंजी लाल मीना	- हरफनमौला
अजिताभ शर्मा	- अंधरे से उजाले की ओर
आलोक गुप्ता	- प्रदूषण ही प्रदूषण
दिनेश कुमार	- हम करेंगे सुधार
राजेश कुमार यादव	- लाइन हाजिर
नवीन महाजन	- चुनाव की जिम्मेदारी
गायत्री ए. राठौर	- स्वस्थ राजस्थान
वैभव गलरिया	- विकास का बजट
टी. रविकांत	- खानों की कमाई
सुबीर कुमार	- सेहत का सवाल
भवानी सिंह देथा	- हम भी कम नहीं
डॉ जितेंद्र सोनी	- ये रहें या वो रहें, हम तो रहेंगे
विकास सीतारामजी भाले	- अब कोई डर नहीं
मंजू राजपाल	- अपने बूते पर
देबाशीष पृष्टि	- क्या कहें
नवीन जैन	- अपनी डफली
डॉ. पृथ्वीराज	- सही जगह पर
कृष्ण कुणाल	- उम्मीद की किरण
डॉ. नीरज कु. पवन	- ब्यूरोक्रेसी का चॉकलेटी बॉय
रवि जैन	- कोई चाहत नहीं
डॉ. समित शर्मा	- अपने दम पर
डॉ. रवि कुमार सुरपुर	- गाड़ी पटरी पर
अंबरीश कुमार	- दम तो है
डॉ. आरुषि अजय मलिक	- काम से काम
डॉ. जोगा राम	- पूरी मेहनत
पी रमेश	- चारों तरफ नज़र
पूनम	- कब फिरेंगे दिन
आरती डोगरा	- देख दिनन का फेर
डॉ. रोहित गुप्ता	- अब कोई डर नहीं
पुरुषोत्तम शर्मा	- राजस्थान रोडवेज का कुशल ड्राइवर
वी. सरवण कुमार	- अपनी डफली अपना राग
आनंदी	- हम किसी से कम नहीं
डॉ. टीना सोनी	- न किसी से लेना न देना
शुचि त्यागी	- किसी दवाब में नहीं
राजन विशाल	- काम से काम
अर्चना सिंह	- दबेंगे नहीं
कुमार पाल गौतम	- काम से संतुष्ट
डॉ. डैनियल सोनी	- कहाँ से कहाँ
नेहा गिरी	- राज सखी सरस सखी
विश्व मोहन शर्मा	- कोई नहीं
संदेश नायक	- दोस्तों के दोस्त, दुश्मनों के भी दोस्त
राकेश शर्मा	- फन्स गई जान झमेले में
शिवांगी स्वर्णकार	- सही जगह पर
अनुपमा जोरवाल	- पूरी मेहनत
हरि मोहन सिन्हा	- कोई जवाब नहीं
रुक्मणी रियार	- हम भी है मैदान में
ओम प्रकाश कसेरा	- न काहु से
सिद्धार्थ सिहाग	- समय के साथ चलो
हिमांशु गुप्ता	- हमारा काम भी देखो
हरजी लाल अटल	- होशियार
नथमल डिडेल	- तमाशा
एनजीक्या गोहेन	- कोई जब राह न आये
अरविंद कुमार पोसवाल	- पारदर्शी
महावीर प्रसाद मीना	- चंहुओर
डॉ. रश्मि शर्मा	- मेहनती
आश्रित खान	- किसी के फेर में नहीं
डॉ. मनीषा अरोड़ा	- दबाना इतना आसान नहीं
पुष्पा सत्यानी	- महानरेगा नहीं, वीबी रामजी कहो
पुखराज सेन	- जाने भी दो
श्रुति भारद्वाज	- फिर बहारे आएगी
चिन्मयी गोपाल	- डरना नहीं
शुभम चौधरी	- अब शकुन है
डॉ. भारती दीक्षित	- गुपचुप
सुरेश कुमार ओला	- गाड़ी चल रही है

बीजेपी

मदन राठौड़	- कंफ्यूज पालिटिशियन
वसुंधरा राजे	- जलवा बरकरार है
श्रवण बगड़ी	- देसी ब्वाय
मुकेश दाधिच	- कृष्ण का सुदामा
राजेन्द्र राठौड़	- कहां गये वो दिन
हमीद खां	- दुख भरे दिन बीते रे भैय्या
प्रमोद वशिष्ठ	- अंगद का पांव
अशोक परनामी	- बुझी अगरबत्ती
अरूण चतुर्वेदी	- झुनझुना
कैलाश चौधरी	- किसान केसरी
शंकर गोरा	- धुरंधर
सतीश पूनियां	- परफेक्ट मैन
भूपेंद्र सैनी	- हूं लाडे री बुआ
अजयपाल सिंह	- राजनीति का कुबेर
मिथलेश गौतम	- अनसुलझा सवाल
मदन प्रजापत	- डीबेट किंग
ज्योति मिर्धा	- बुझता दिया
बिहारी लाल विश्नोई	- जोशीला सिपाही
मुकेश पारीक	- कार्यालय मानिटर
अजीत मांडण	- अधूरी उम्मीद
रामलाल शर्मा	- वजूद की तलाश
सुरेंद्र पाल टीटी	- बूढ़ा घोड़ा
बिहारीलाल	- वक्त का मारा
कुलदीप धनखड़	- वजूद की तलाश
विजेंद्र पूनिया	- क्या हुकम है मेरे आका
एकता अग्रवाल	- पोस्टर पसंद नेत्री
अपूर्वा सिंह	- साइलेंट मोड
	पालिटिशियन
नाहर सिंह जोधा	- सजावटी फूल
श्याम अग्रवाल	- ऊंचे अरमान
अल्का मूंदड़ा	- अफरिपक्व राजनेता
अमित गोयल	- पंप एंड शो

कांग्रेस

सचिन पायलट	- मेहनत करते रहो
गोविंद सिंह डोटासरा	- अभी तो वक्त सुपर-डुपर है
टीकाराम जूली	- कर्म पथ
अशोक गहलोत	- दिल्ली जयपुर के मौसम से परेशानी
हरीश चौधरी	- दिल्ली का चहेता
भंवर जितेन्द्र सिंह	- असम कैसे जीते
सी.पी.जोशी	- अवसर की प्रतीक्षा
शांति धारीवाल	- मीठे वचन निकल ही जाते है
विश्वेन्द्र सिंह	- झंडा फहरा दिया
राजेन्द्र पारीक	- चाणक्य
प्रमोद जैन भाया	- किस्मत का धनी
हेमाराम चौधरी	- जिले बदलने का बदला लूंगा
रामलाल जाट	- संगठन से निकलेगी राह
अर्जुन सिंह बामणिया	- मेरे पास आना पड़ा
महेन्द्रजीत सिंह मालवीय	- चौबे बन गए दुबे
अशोक चांदना	- राजदों से परेशान
मुरारीलाल मीणा	- पकड़ मज़बूत

मेवाराम जैन - अब सब ठीक है
रामकेश मीणा - किरोड़ी मुख्यमंत्री बने
अमीन कागजी - बाबा का विवाद
रफीक खान - कोई हमें भी तो पूछे
प्रशांत शर्मा - अबके पार पड़ गई
रोहित बोहरा - आंकड़ों का मायाजाल
मनीष यादव - छात्र राजनीति
शिखा मील बराला - पहली जीत
सुरेश मोदी - जिला बनाके दम लूंगा
सुशीला रामेश्वर डूडी - समर्थन बरकरार है
हरिमोहन शर्मा - बातों में जान है
हरेन्द्र मिर्धा - पुराना चावल
मुकेश भाकर - जोशीला नौजवान
गणेश घोघरा - आदिवासी राजनीति
चेतन पटेल - हैंडसम बॉय
अभिमन्यु सिंह - युवा जोश
रूपिन्दर सिंह कुन्नर - बड़ी जंग जीते
रघु शर्मा - अदृश्य
महेश जोशी - सिर्फ मैं ही क्यों
प्रताप सिंह खाचरियावास - बछड़े का सहारा
दिनेश खोडनिया - किसको कहाँ सेट करना है
परसादी लाल मीणा - काम बोलता है
सुखराम विश्नोई - धरना जारी रहेगा

तीसरी शक्ति

अमराराम - लाल झंडा
प.रामकिशन - शतायू
राजकुमार रौत - बागड़ नरेश
हनुमान बेनीवाल - संघर्ष चालू आहे
राजेंद्र सिंह गुढ़ा - मरना मारना
नरेश मीणा - सब चोर है
रविन्द्र भाटी - मारवाड़ री गूंज

खाकी

राजीव कुमार शर्मा - फुल कंट्रोल
संजय अग्रवाल - सादगी और सौम्यता
गोविन्द गुप्ता - सबकी चोरी पर मेरी नजर
अनिल पालीवाल - आज कुछ सिखाता हूँ
आनंद के. श्रीवास्तव - मेरा काम थोड़ा अलग
अशोक राठौड़ - मजबूत सलाखों की जरुरत
मालिनी अग्रवाल - अपनी अलग पहचान
वी. के. सिंह - कानून का इकबाल
बिपिन पांडेय - अपराध पर शिकंजा
हवा सिंह घुमरिया - बड़ी जिम्मेदारी
सुष्मित बिस्वास - पटरी पर गाडी
एस. सेंगथिर - अंदर की खबर
प्रशाखा माथुर - एडवांस तकनीक
भूपेंद्र साहू - बुनियादी ढांचा
रुपिंदर सिंह - आपदा में सेवा
बीजू जॉर्ज जोसेफ - गलत बर्दाश्त नहीं
दिनेश एम.एन. - वन मैन आर्मी
स्मिता श्रीवास्तव - चोर बच नहीं सकता
विशाल बंसल - पेपर लीक का खुलासा
प्रफुल्ल कुमार - कहाँ क्या चल रहा है
अजय पाल लाम्बा - अपराधी बचना नहीं चाहिए
विकास कुमार - नशे पर ताबड़तोड़ एक्शन
ओम प्रकाश प्रथम - जोधपुर से जयपुर का सफर
राहुल प्रकाश - जिले की कमान
सचिन मित्तल - राजधानी का राउंड
मनीष अग्रवाल द्वितीय - लोडेड गन
राजीव पचार - कानून का इकबाल
योगेश दाधीच - ट्रैफिक से परेशान

चीरफाड़

डॉ. दीपक माहेश्वरी - दिल की बात
डॉ. विनय मल्होत्रा - सेहत का राज
डॉ. संदीप माथुर - अनुभव बोलता है
डॉ. राजीव बगरहट्टा - इलाज दिल तक
डॉ. दीपक माथुर - चर्म से रोग तक
डॉ. सुनील समधानी - त्रिवेदम्
डॉ. एम.एल.स्वर्णकार - इलाज जेब पर भारी
डॉ. बी.एस.तोमर - विदेश तक डंका
डॉ. समीन शर्मा - दिल आपका हमारे हाथ
डॉ. विजय पाठक - अंदर की बात मालूम है
डॉ. अजीत बाना - माहिर खिलाड़ी
डॉ. राजीव गुप्ता - फिटनेस जरूरी है
डॉ. टी.सी.सदसुखी - काम से पहचान
डॉ. भावना शर्मा - नस नस की बात
डॉ. अंजनी कुमार शर्मा - नसों का जाल
डॉ. जे एस मक्कड़ - मृदुभाषी
डॉ. अंजू टाली - खुशियों की किलकारी
डॉ. एस.डी. शर्मा - बच्चे मन के सच्चे
डॉ. आलोक पुरोहित - नन्ही जान का ख्याल
डॉ. पूर्णिमा पाटनी - घुटनों का मर्ज
डॉ. संदीप जसूजा - मरीज की तो सुनो
डॉ. रमेश रूप राय - पेट में कुछ न छिपा सकोगे
डॉ. शिव गौत्तम - मरीज सेवा से समाज सेवा तक
डॉ. दिलीप मेहता - टूटी हड्डी का सटीक जोड़
डॉ. मनीष मित्तल - मिलावट पर वार
डॉ. रवि शेखावत - खाद्य सुरक्षा

शब्दों के सूरमा

डीएन पांडेय - बेहतर जिंदगी के लिए/ जंगल-जीव की बातें
राजेंद्र भाणावत - अपना मोर्चा
राजेंद्र बोड़ा - तेरी-मेरी और उसकी बात
बालमुकुंद ओझा - आल राउंडर
राजेन्द्र शर्मा - कम
दुर्गाप्रसाद अग्रवाल - मीठी सी चुभन
महावीर सिंह - बेबाक
जे.के.गर्ग - दिन रात लिखता हूँ
आई.सी. श्रीवास्तव - साफ़ साफ़ कहना
डॉ. राजेश कुमार व्यास - साहित्य की सीढ़ी
राजेंद्र मोहन शर्मा - धारधार मीठी छुरी
हेतु भारद्वाज - हम एक उम्र से वाकिफ है
नन्द भारद्वाज - कहाँ से बैर नहीं
लोकेश कुमार साहिल - दिल एक सादा कागज़
राजेश्वर सिंह - शब्दों में मिलावट नहीं
मनमोहन हर्ष - चलती का नाम जिंदगी
डॉ. कैलाश सोडानी - सामाजिक रूचि
आलोक कुलश्रेष्ठ - अपनी बस्ती की बातें
प्रो. नीरज शर्मा - चिंतन से लेखन
सुरेंद्र सिंह शेखावत - जमीनी बात
प्रो. अशोक शर्मा - विद्वमान
डॉ. पंकज राजवंशी - दिल है हिंदुस्तानी
दुलीचंद मीणा - समाज के मुद्दे
डॉ. अनुभा जैन - कर्मभूमि की कलम
डॉ. लीलाधर गोयल - नई पारी
विनोद भारद्वाज - यारों के यार
हरिराम मीणा - जंगल के दावेदार
मनीषा कुलश्रेष्ठ - खुली आँखों का सपना
प्रबोध कुमार गोविल - सकमाल साक्षी
राघवेंद्र रावत - सूत्रधार
सत्यनारायण - मामूली चीज़ों का देवता
कैलाश मनहर - बैचेनपत्तो का कोरस
जीतेन्द्र भाटिया - समर शेष है
राजा राम भादू - विमर्श विभूति
रजनी मोरवाल - बादलों के घेरे
सम्पत सरल - व्यंग्य बाण
श्रीगोपाल काबरा - शब्द साधना

अशोक राही - पर्दा उठाओ पर्दा गिरा
रामनिवास बैरवा - खरी बात
कैलाश सैनी - विशेषज्ञ
सुनील दत्त गोयल - अर्थशास्त्री
मीनाक्षी धारीवाल - साहित्य नैत्री
सूर्य प्रताप सिंह राजावत - संविधान
विकास आसावत - पेटेंट विशेषज्ञ

बुलडोजर

सिद्धार्थ महाजन - यहाँ मन नहीं लगता
निशांत जैन - कोई नहीं सुनता
डॉ. प्रिय बलराम शर्मा - दाई माई
राहुल कोटोकी - आते ही प्रमोशन
सुरेश कुमार वर्मा - खजाने की चाबी
नवल किशोर मीणा - पुराने दिन लौटे
कुणाल वशिष्ठ - एकछत्र राज
शिल्पा चौधरी - बुलडोजर की सवारी
मो. इस्लाम खान - यारो का यार
डॉ. भागचंद बधाल - बेईमानी बर्दाश्त नहीं
मोहन लाल मीणा - वाददाश्त लौटी
देवेंद्र गुप्ता - चारो तरफ अपना ही राज
अजय गर्ग - छुपा रुस्तम
रामप्रसाद - भोला पंछी
स्वपन मिश्रा - पुराने दिन ही भले थे
संजीव जैन - कुर्सी का इंतजार
संदीप गुप्ता - अमन चैन
पूजा सोनी - पीछा छूटा
अमृत सिंह - साहब की मेहरबानी
तरुण संखला - मोहमाया का फेर
निशांत खंडेलवाल - बाल-बाल बचे
नरेंद्र अग्रवाल - पौ बारह पच्चीस
हेमराज मीणा - चमाचम कर दूंगा
मनोज वर्मा - बीमारी से परेशान
पवन कुमार सुमन - मोह बरकरार
सुरेंद्र पंवार - सेक्टर रोड का खेला
नीरज पिपलोदा - जंगबाज
दिलीप लाम्बा - बिल्ली के भाग का छीका टूटा
ऋचा गुप्ता - फेविकोल का जोड़

कालाकोट

राजेन्द्र प्रसाद - मुसाफिर हूं यारों
सुधांशु कासलीवाल - दमदार-श्रमदार
कमलाकर शर्मा - जजों की पसन्द
एम.एम. रंजन - 'अरे! कहना क्या चाहते हो'
आर.के. अग्रवाल - फिर भी मैं ही हूं
भरत व्यास - यहां नहीं तो वहां सही
अनंत कासलीवाल - छोटे मियां
आर.पी. सिंह - यदा-कदा
वीरेन्द्र लोढा - आठवां अजूबा
जी.एस. गिल - 'हवन करेंगे-हवन करेंगे'
विज्ञान शाह - अपना टाईम आ गया
माही यादव - 'जी! हुकुम'
बी.एस. छाबा - पैसे कब बढ़ाओगे
अनुराग कलावटिया - भाई साहब ये किस लाईन में आ गये है आप
दीपेश शर्मा - सबको केक खिलाऊंगा
संदीप पाठक - 'फ्यूचर जज'
भुवनेश शर्मा - आज का अर्जुन
प्रतीक कासलीवाल - तुम कानून पढ़ो, मैं जज पढ़ता हूं
स्वदीप सिंह भूरा - सीनियर अधिवक्ताओं से सीनियर
सुरूचि कासलीवाल - महिलाओं की चैम्पियन
संदीप सिंह शेखावत - 'माईनिंग किंग'
घनश्याम सिंह राठौड़ - 'डोकरा को ध्यान रख्यो'
अशोक यादव - मैं सबका चाचा
अतुल सिंह चौहान - कोई मुझे हिलाकर दिखाए
आशिष शर्मा - अभी तो मैं जवान हूं
जतिन अग्रवाल - 'आब्रिट्रेशन किंग'
गौरव सिंह तंवर - 'हम है तो क्या गम है'
महेन्द्र शांडिल्य - 'वन्स मोर! सिर्फ'
कपिल गुप्ता - लम्बी दौड़ के लिए तैयार
सूर्य प्रताप सिंह राजावत - कड़क सिंह
राजीव सौगरवाल - सीधा सादा जाट
हरेन्द्र नील - मीडिया मैन

नरक निगम

पूनम - शहरी सरकार की बागडोर
डॉ . गौरव सैनी - हमसे आगे कौन?
नरेंद्र कुमार बंसल - कर्तमधर्ता
संजय माथुर - कानूनी पोथी
अजय कुमार शर्मा - तोड़फोड़
पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ - सिरदर्दी से पीछा छूटा
ओम प्रकाश बैरवा - खजांची
ओम प्रकाश थानवी - सफाई की सिरदर्दी
प्रवीण कुमार - माथापच्ची नहीं
डॉ. नीलम मीणा - बागबान
मनोज कुमार वर्मा - कमाऊ पूत
अशोक शर्मा - सुकून शांति
अपर्णा शर्मा - सबकी गाडी अपने हाथ
सीमा शर्मा - काम से परेशान
मुकुट सिंह - कहाँ आ गए
डॉ रवि गोयल - बड़े घर के नजदीक
लक्ष्मीकांत कटारा - बिल्डिंग-बिल्डिंग क्या है
राजेंद्र कुमार - शांतिप्रिय
बिजेंद्र सिंह - तेवर की बात
पवन कुमार शर्मा - पुराने चावल
करनी सिंह - व्यवहारकुशल
ममता नगर - वही कुर्सी वही पावर
मनीषा यादव - चर्चाओं से दूर
देवानंद शर्मा - हरफनमौला
कविता चौधरी - वही पुराना अंदाज
अनीता मित्तल - सादगी की मूरत
श्यामलाल जांगिड़ - ठन्डे बस्ते में
डॉ. रश्मि कांकरिया - वही पुराना अंदाज
सोनिया अग्रवाल - अपने काम से काम
रविंद्र सिंह - जंगबाज
गौतम लाल - फायर विग्रेड
धर्मिता चौधरी - व्यवहार ही पहचान
नितिन शर्मा - गुपचुप
अतुल शर्मा - कोऊ नृप होही, हमें का हानि
बलराम मीणा - बड़े काम की तैयारी
चरण सिंह मीणा - काम से काम
दिनेश चंद गुप्ता - हमारा कोई जवाब नहीं
रूपाराम - बिजली है... करंट नहीं
प्रदीप शर्मा - सादा जीवन उच्च विचार
गोपालराम मूंड - अक्खड़
विक्रम सिंह - यमराज

कारोबारी डांक

प्रहलाद जी - श्याम बाबा का सहारा
मनीष - विदेश यात्रा का योग
अशोक - अच्छे दिन गये
चंद्र प्रकाश - पुराने चावल
दर्शन अरोरा - नौ दिन चले अढ ही कोस
दीपक - समाज सेवा साथ में मेवा
गोपाल - चर्चा से दूर
जीव राज सिंह - कभी हम भी शहंशाह थे
के.एम. अग्रवाल - एक हाथ दो और दूसरे हाथ लो
महावीर - जाही विधि राखे राम ताहि विधि रहीये
महेन्द्र जी - टालम टोल की बातें
मुकेश सिंह - माकेटिंग के बादशाह
निशित - ये तो हमारा बडप्पन है
परम शर्मा - अवसर का इन्तजार
प्रकाश - अब वो बात नहीं रही
पुष्पेन्द्र - किसी की टोपी किसी को
राजीव - मेहमान नवाजी तो कोई हम से सिखे
एस.एन. चतुर्वेदी - मस्त मोला
संजय मालपाणी - दूसरों की थाली में घी दिखता है
संजीव - करें कुछ कहे कुछ
सुशांत - छोटा वच्चा जानके हमको
अमित परनामी - नो दिन चले ढाई कोस
शंभू - हम तो फिर हम ही है
नरेंद्र - अपनी तो जैसे तेसे कट जायेगी
कानाराम - ये दुनियां ये महफिल मेरे काम की नहीं
अमित गुप्ता - बैंक के सरताज
विमल शिवस्तव - घर गृहस्थी से समय नहीं मिलता
नरेश कुमावत - हम किसी से कम नहीं ...
हरि शंकर शर्मा - सारा काम बाइक पर ही
श्याम नरूका - भोले बाबा भला करेंगे
विकास ओझा - साला मैं तो साहब बन गया

हाड़ौती के हड़किये

राजनीतिज्ञ

कल्पना देवी - दरबार लग रहा
प्रहलाद गुंजल - हाथ आया मुंह न लगा
भवानीसिंह राजावत - चलते रहो
चन्द्रकांता मेघवाल - एकला चलो
हीरालाल नागर - बिजली का झटका
विद्याशंकर नन्दवाना - भला मानुश
संदीप शर्मा - लोकप्रिय
महेश विजय - कोशिश जारी है
सुनीता व्यास - निभाना आता है
राखी गौतम - बाजी मारी
राम गोपाल बैरवा - गायब
गोविन्द शर्मा - दिल दुखा होठ मुस्कराए
हेमन्त विजयवर्गीय - वकील साहब
जयवीर सिंह - काट रहे है
पंकज मेहता - यहां भी प्रवक्ता
रविन्द्र त्यागी - वफा ना रास आई
नईमुद्दीन गुड्डू - अकड़ बरकरार
क्रान्ति तिवारी - कद बढ़ा
शिवकान्त नन्दवाना - अपनो ने लूटा
देवेन्द्र चौधरी - लायब्रेरी
गोपाल राम मंडा - यारों का यार
विवेक राजवंशी - काबिल
योगेन्द्र खींची - गुमनाम
दिलीप पाठक - मौके की तलाश
डॉ. रत्ना जैन - वापस लौट आये
ब्रजेश शर्मा नीटू - जो हुकुम
अशोक माहेश्वरी - खामोश व्यापार
इज्यराज सिंह - शांत स्वभाव
पूनम गोयल - फिर सक्रिय
डॉ. जफर मोहम्मद - वफादार
राजेन्द्र सांखला - लाईफ सेट है
सरोज मीणा - खाली हाथ
गिरिराज न्याती - एग्रीमेन

शासन के तीरदांज

अनिल अग्रवाल - परफेक्ट स्कोर
पीयूष सामरिया - चुनौतियों का ताज
ममता तिवारी - हमेशा मुस्तैद
ओमप्रकाश मेहरा - यहां के हम सिकन्दर
मुकेश चौधरी - देखते रह जाओगे
मालविका त्यागी - अपडेट
नीतू सिंह - खजांची
सविता कृष्णया - समाजसेवी
राजपाल सिंह - कोटा बरकरार
अराधना चौहान - हार्ड ट्रेनिंग
राजेश डागा - सबका प्यारा
भूपेश मालव - शहर का नक्शा
परमानन्द गोयल - नये नवेले
ओ.पी. वर्मा - गजब इंजीनियरिंग
दयावंती सैनी - उसूल की पक्की
धीरज सोनी - जमीन से जुड़ा
महावीर सिसोदिया - मेहनती
राकेश व्यास - आतिश
के.के. खण्डेलवाल - नया दौर
शमिता जैन - सर्वहारा का सहारा
राजवीर सिंह - कड़क मिजाज

चीरफाड़

डा. विजय सरदाना - संगीत प्रेमी
डा. आर.के. तंवर - बड़ा आदमी
डा. चन्द्रशेखर सुशील - अधूरी ख्वाईश
डा. मनोज सलूजा - मुस्कान से इलाज
डा. शिवकुमार - पूरा ना मिला
डा. राकेश जिन्दल - दिल का डाक्टर
डा. विनीत जैन - बढती लोकप्रियता
डा. एच.एल. परिहार - नया अस्पताल
डा. एम.एल. अग्रवाल - दिमाग टिकाने लगा दिया
डा. आशुतोष - लम्बी रेस का खिलाड़ी
डा. निलेश जैन - समय बड़ा बलवान
डा. संगीता सक्सेना - जिंदगी जीना एक आर्ट है
डा. गौरव भार्गव - उभरता सितारा
डा. सुरेश पाण्डेय - शहर की आंख

बूंदी

राजनीतिज्ञ

अशोक डोगरा - बेचारा
अशोक चांदना - युवा दिलों की धड़कन
चन्द्रकान्ता मेघवाल - तेज तर्रार
हरिमोहन शर्मा - चाणक्य
ममता शर्मा - अब मैं कहां जाऊँ
सी.एल. प्रेमी - किस्मत का धनी
राकेश बोयत - चतुर राजनीतिज्ञ
सत्येश शर्मा - राजनीतिक पारी खेलने को तैयार
भरत शर्मा - मिस्टर जेंटलमैन
सतीश गुर्जर - किस्मत वाला
महिपाल सिंह हाड़ा - लुटिया डूब गई
चर्मेश शर्मा - हर एक का सहारा
महावीर मोदी - रंग रसिया
सत्येन्द्र मीणा - विवादों से पुराना नाता
टीकम जैन - उभरता हुआ सितारा
अक्षय गोदारा - अभी मैं सिख रहा हूं
रामकिशोर मीणा - घाघ
राजेन्द्र कुमार मीणा - अल्लाह की गाय
उमा शर्मा - कांटो भरा ताज
भंवर सिंह - रोबिन हुड
रमेश आर्य - रमता जोगी
राजेश टेलर - सिंघम
चंद्रशेखर शर्मा - टाइगर
चन्द्रावती कंवर - किस्मत की धनी
रामेश्वर मीणा - लाटरी लग गई
संजय शर्मा - हम है तो क्या गम है
राजकुमार शृंगी - हम तो ऐसे ही है
रुपेश शर्मा - अब कहां जाऊ मैं

बारां

राजनीतिज्ञ

राधेश्याम बैरवा - जमकर कमाई हो रही है
प्रमोद जैन भाया - जय हो मोरपाल की
ललित मीणा - अब तो मंत्री बना दो
प्रताप सिंह सिंघवी - बंजर में खूब पाया
नरेश सिकरवार - जिले पर कब्जा
उर्मिला जैन भाया - 24 घंटे सेवा में
हंसराज मीणा - भाया ने बनाया

शासन के तीरदांज

अभिषेक अडांसु - खाऊंगा नहीं चुप रहूंगा
राजेश चौधरी - खूब कमाया
संजीव सक्सैना - भोला पाडा
योगेश चौहान - गो भक्तों का मारा
नरेन्द्र मेघवाल - डबल कमाई भलाइ

अजमेर तारागढ के तबलची

राजनीतिज्ञ

अनिता भदेल - लम्बा इंतजार
ओमप्रकाश भडाणा - देवनारायण जी की जय
बृजलता हाडा - घर वापसी
नीरज जैन - घुमने में व्यस्त
रमेश सोनी - अगला बडा नेता
जीतमल प्रजापत - सीधा-साधा
अरविंद गिरधर शर्मा - प्रेस विज्ञप्ति
विक्रम सिंह - पता नही
अनिश मोयल - भैया आना है
रचित कच्छावा - योद्धा
धमेन्द्र सिंह राठौड - किंग मेकर
राजकुमार जयपाल - सुर्खियों
विकास चौधरी - डांसिंग स्टार
विजय जैन - पुराने दिन
महेन्द्र सिंह रलावता - संकट में
डॉ गोपाल बाहेती - भूले बिसरे गीत
नसीम अख्तर इंसाफ - तेरा क्या होगा---
द्रौपती कोली - तेज तर्रार
गजेन्द्र सिंह रलावता - कानून के जानकार
अशोक बिदंल - मार्केट उपर नीचे
शैलेन्द्र अग्रवाल - नया सहारा, राठौड बाबा
अंकुर त्यागी - अब मेहनत ज्यादा

शासन के तीरदांज

शक्ति सिंह राठौड - अतिरिक्त जिम्मा
लोकबंधु - सुरक्षित
नरेन्द्र मीणा - सीधा-साधा
ज्योति ककवानी - जय झूलेलाल
गरीमा नरूका - होशियार
तेजा सिंह रावत - तैयारियां में
नीरज जैन - मिलावट की तो खैर नहीं
भानुप्रताप सिंह - काम का बोझ
संतोष प्रजापति - वन मैन आर्मी
मंयक गुर्जर - मिलनसार

खाकी

राजेन्द्र सिंह - मीडिया से दूरी
वंदिता राणा - बाइट में देरी
हिमांशु जांगिड - सिर्फ बात
दीपक कुमार - काम का बोझ
रामचन्द्र चौधरी - यारबाज
संजय बोथरा - ट्राफिक व्यवस्था
शिवम - स्मार्ट अधिकारी
अरविंद चारण - मीडिया भाई

डेयरी

रामचन्द्र चौधरी - गहलोत साहब
रामलाल चौधरी - नियमों का सहारा
लादूराम - साहब बुला रहे
अतुल सक्सेना - फंड की दुकान
श्वेता शर्मा - काम का बोझ

काला कोट

योगेन्द्र ओझा - आंदोलन
रूपेन्द्र परिहार - मीडिया की जिम्मेदारी
राजेश टंडन - टेंशन में
प्रियदर्शी भटनागर - ओर इंतजार
संजय गुर्जर - नया नेता
के सी जोनवाल - चाणक्य
विवेक पाराशर - रामसेतु
प्रशांत यादव - दिन ढल गए
राजीव भारद्वाज - अब अपनी बारी
शशि प्रकाश इंदौरिया - सनातनी
जितेन्द्र सिंह खेतावत - बचके रहना
अजय त्रिपाठी - किस्मत
राहुल भारद्वाज - भाई
संदीप धाबाई - क्रिकेटर
रमेश धाबाई - दुर्घटना बीमा

अंधेरगर्दी

केपी वर्मा - पक्की नौकरी
एम सी बाल्दी - हरफनमौला
एम एल मीना - इंतजार में
जी एस मीना - लॉटरी
सीमा शर्मा - मिलनसार
नेहा शर्मा - महिला मंडल
विनित कुमार जैन - मजदूर एकता जिंदाबाद

चीरफाड़

डॉ अनिल सामरिया - जिम्मेदार
डॉ अरविंद खरे - प्रेस कॉन्फ्रेंस
डॉ अमित यादव - मीडिया स्पोन्सर
डॉ ज्योत्सना रंगा - कार्रवाई में व्यस्त
डॉ महेन्द्र जैन - मैं नहीं जानता
डॉ संजीव माहेश्वरी - अगली लॉटरी
डॉ रोहित अजमेरा - गुमनाम
डॉ दिग्विजय सिंह - वरिष्ठ
डॉ रेखा माहेश्वरी - मदद के चार हाथ
डॉ श्याम भूतड़ा - सुर्खियों में
डॉ एम पी शर्मा - राजनिति की राह
डॉ एस के भास्कर - पुराने जोड तोड
डॉ हमेश्वर हर्षवर्धन - अपनी मस्ती में
डॉ नरेन्द्र शाह - सबका ईलाज
डॉ धीरज डागा - काम से काम
डॉ गोगराज गढवाल - सज्जन
डॉ अनिल शर्मा - नया कोर्टिमान

रेलवे

राजू भूतडा - काम का बोझ
मीहिर देव - एक्टिव
अशोक चौहान - तत्काल
मोहन चैलानी - नेता जी

राजस्व मंडल

हेमंत गैरा - सत्यमेव जयते
महावीर प्रसाद - सिस्टम हम बनाते है
शंकर लाल जाट - लम्बी रेस का घोडा
हेमंत स्वरूप माथुर - आई लव अजमेर
किशोर कुमार - मिलनसार
मनीष - हमारी तो हैट्रिक हो गई जी
केसरलाल मीणा - ऑल इज वेल
टीकम चंद बोहरा - न्याय प्रक्रिया बेहतर
राजेन्द्र सिंह कविया - लौट आए हम
सानुज कुलश्रेष्ठ - आई एम द बेस्ट
राजेश कुमार दडिया - सिस्टम सुधारना है
गौरव बजाड - किस्मत का मारे
भवानी सिंह पालावत - काई करणो है
महेंद्र लोढा - क्या किया जाए
कमला अलारिया - जीना यहां मरना यहां

समाज के ठेकेदार

कालीचरण खंडेलवाल - समाजसेवी
प्रकाश जैन - धर्म के ठेकेदार
विष्णु गर्ग - राधे-राधे
बाबू लाल साहू - अब कोई सुनता नही
राजेन्द्र गांधी - जगत पी आर ओ
रमेश लालवाणी - सबको समर्थन
महेन्द्र जैन मित्तल - गुमनाम
एस एन बाहेती - ट्रांसपोर्ट नगर
विनोद ढाबरिया - समाज का चिंतन
संजय चपलोत - अब काम करने का--
उम्मेदमल चौपडा - नई जिम्मेदारी
रमेश सिंघवी - दूसरों के सहारे
अतुल पाटनी - ऑल इज वेल
पदम चंद खटोड - समाज सेवा
डॉ लाल थदानी - मिले सुर मेरा तुम्हारा
कमल गंगवाल - काला चश्मा

राजस्थान लोक सेवा आयोग

यू आर साहू - परीक्षा व्यस्त
रामनिवास मेहता - कुछ दिन ओर
आशुतोष गुप्ता - कानूनी कार्यवाही
रश्मि बिस्सा - कभी इधर-कभी उधर
नवीन आंनदकर - जी भैया

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

गजेन्द्र सिंह राठौड - बोर्ड का सिंघम
के पी सिंह - बोर्ड का खजाना
नीतू यादव - पैनी नजर

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय

प्रो सुरेश अग्रवाल - कॉलेजों का सताया
कैलाश चंद शर्मा - स्कूल से कॉलेज
सुनील टेलर - परीक्षा की जिम्मेदारी
प्रो शिवप्रसाद - मस्त मौला
राजू शर्मा - दोहरी जिम्मेदारी

एडीए

नित्या के - नई योजना
अनिल कुमार पुनिया - राइजिंग स्टार
अनिल चौधरी - अड़ंगा
निशा सारण - नौ टेंशन, लोकेशन मेन्शन
राजपाल सिंह राठौड - अभी नया हूं
प्रतिभा चूण्डावत - खजाना हम भरेगें
ओपी वर्मा - ना राई में ना दूहाई में
हरीश कुमार - समझदार
अमित शर्मा - काम से काम
यश जोरम - मेहरबानी का भोगी
मनमोहन मीणा - अपनी धून में मस्त
सागर शर्मा - घर वापसी
राजेन्द कुडी - दाईमां

नरक निगम

देशलदान सिंह - बाढ का खतरा....
अनिता चौधरी - विवादित
कीर्ति कुमावत - मैं दिखवाती हूं
रमेश चौधरी - सफाई का ठेका
नृसिंह चौधरी - मददगार

बांदनवाडा

ब्रह्मदेव कुमावत - गुमनाम है कोई
एडवोकेट मनीष - खेल खिलाडियो का
देवेन्द्र चौधरी - फिर से उड चला
विक्रम सिंह राठौड - अपने बाप की भी नही सुनते
दाऊ राम शर्मा - साला झुकेगा नही
जयमल रेहलानी - मेला कैसा रहा
प्रवीण घोघावत - एक दिन आएगा

बीकानेर बीकाणा के भंगेड़ी

राजनीतिज्ञ

देवीसिंह भाटी - शेर का काम गरजना है
डॉ.बी.डी. कल्ला - शास्त्रार्थ की चुनौती
जेठानंद व्यास - सब बदल दूंगा
गोविन्द राम मेघवाल - अबकी बार दिखा दूंगा
मोडाराम मेघवाल - सादा जीवन उच्च विचार
भंवर सिंह भाटी - फिर पलटेगा पासा
सुशीला डूडी - अभी सीख रही हूं
जर्नादन कल्ला - रणनीति काम नही आई
लक्ष्मण कडवासरा - दौड़ में बराबर हूं
बिशनाराम सियाग - परिसीमन कब होगा
मदन गोपाल मेघवाल - राजनीति रास आई
यशपाल गहलोत - मैदान नही छोड़ूगा
राजकुमार किराडू - भाजपा में भी परेशान
हीरालाल हर्ष - चौराहे पर
नूर मोहम्मद गौरी - समीक्षक
डॉ.विठ्ठल बिस्सा - नो टेंशन
शशि शर्मा - सदा बहार
नितिन वत्सस - नारद
हाजी मकसूद - अधरझूल में
हारूण राठोड - जिताऊ टिकाऊ
बल्लभ कोचर - अब तो टिकट दे दो
वीरेन्द्र बेनीवाल - रिचार्ज कूपन
बिहारीलाल बिश्नोई - वन्य जीव प्रेमी
लालचंद भादू - इंकलाब जिन्दाबाद
गिरधारी महिया - लाल सलाम
श्रीमती सुमन छाजेड - मंजिल कुछ और है
विजय आचार्य - छुपा रुस्तम
जालम सिंह भाटी - टाईम पास
महावीर रांका - अभी तो ली अगड़ाई है
मंगलाराम गोदारा - ये तो सोचा ही नही था
नंद किशोर सोलंकी - राजनीति से परहेज
सत्यप्रकाश आचार्य - जय श्रीराम
ताराचंद सारस्वत - मंजिल मिली
रामगोपाल सुथार - हर दिल अजीज
श्याम पंचारिया - सबसे बना कर रखता हूं
रविशेखर मेघवाल - पर्ची चाले है
अशुमान सिह भाटी - अन्दर ट्रेनिंग
डॉ. विश्वनाथ - मंत्री कब बनुगा
सुश्री सिद्धि कुमारी - सब समझ गई ने
सलीम भाटी - चौराहे पर
श्याम तंवर - डगर कठिन
सुरेन्द्र सिंह शेखावत - बुद्धिजीवी
अशोक भाटी - ताबे लागी
सुनील बांठिया - काम पहले राजनीति बाद में
युधिष्ठर सिंह भाटी - रेल नही रील बनाऊगा
रेवंतराम पंवार - मन नही लगता
मोहन सुराणा - धंधा मंदा है।
अशोक शर्मा - अब बारी मेरी है
कन्हैयालाल झंवर - मै तैयार हूं
नारायण झंवर - कांग्रेस या विकास मंच
ओमप्रकाश मूण्डा - भंवर सा जिन्दाबाद

शासन के तीरदांज

विश्राम मीणा - ना ऊधो का लेना ना माधो का देना
नम्रता वृष्णि - कोई चिंता नही
अर्पणा गुप्ता - बुलडोजर को बढावा
सीताराम जाट - मीडिया से दूर
रमेश देव - शहर मेरी मुट्ठी में
सुरेश कुमार यादव - घर की याद सताए
महिमा कसाना - अभी नई हूं
शैलेन्द्र देवड़ा - मीठी मिश्री
उम्मेद सिंह रतनू - मां का आर्शीवाद
कुलराज मीणा - मस्ती की पाठशाला
अशोक आसीजा - शहर चमका दूंगा
देवाराम सैनी - मे देख लूगा
पंकज शर्मा - मुश्किल से आया हूं
ए.एच.गौरी - हरदिल अजीज
राजीव श्रीवास्तव - विकली स्पेशल
जितेन्द्र मीणा - राईट टाईम
डॉ.सुमत व्यास - चरवाहा
प्रो.राजेन्द्र बाबु दुबे - कृषि पंडित
आचार्य मनोज दीक्षित - भाई साहब
प्रो.अखिल रंजन गर्ग - आत्मनिर्भर
हरिशंकर आचार्य - पगे लागणा

खाकी

ओमप्रकाश - समझने तो दो
कावेन्द्र सिह सागर - ऐसे नही चलेगा
चक्रवर्ती सिंह राठौड - खैरियत है
कैलाश सिह सादू - भलाई ही भलाई
बनवारी लाल मीणा - नाका बंदी

ट्रेड यूनियन

पृथ्वीराज लेघा - बाजी जीती
हेमन्त किराडू - एकला चलो
सत्यनारायण पंवार - हार नही मानी
रवि आचार्य - अब राज आ गया
बनवारी शर्मा - कर्मकांडी
अविनाश व्यास - क्रान्ति वीर
राजेश व्यास - नेता बनने का सपना
दिलीप जोशी - छपास
रामेश्वर शर्मा - टेंशन ही टेंशन
वाई के शर्मा - नेतागिरी
प्रसन्न कुमार - सबके लिए हाजिर
जावेद सिद्धीकी - अब नौकरी नही
कमल सिंह गोहिल - इन्कलाब जिन्दाबाद
जय किशन पारीक - सदा सुखी
मुलचंद खत्री - लाल ही लाल
अजनी शर्मा - इन्कलाबी
मोहर सिह पूनिया - संयुक्त मोर्चा जिन्दाबाद

चलती मशीनें

शिवरतन अग्रवाल - मंदी का मारा
पवन राठी - एक नम्बर खिलाडी
द्वारका पच्चीसीया - ऊची दुकान फीके पकवान
पन्नालाल सांखला - चलता पुर्जा
सुभाष मित्तल - बदली बदली सी रंगत
कन्हैयालाल बोथरा - थोथा चना बाजे घणा
कमल कल्ला - विरासत काम आई
मोतीलाल सेठिया - आदमी ठीक है

कालाकोट

अजय पुरोहित - मिलनसार
आर के दास गुप्ता - कानून बाज
सतपाल साहूं - शांतिप्रिय
कमलनारायण पुरोहित - मनमौजी
गणेश चौधरी - साइड इफेक्ट
मुमताज अली भाटी - शांति प्रेमी
रघुवीर सिंह राठौड - आखिर जंग जीत ही ली
किशोर सिंह शेखावत - शरीफ इंसान
सुरेन्द्र पाल शर्मा - दमदार
सुरेन्द्र कुमार शर्मा - अब चेले नहीं रहे
महावीर सांखला - महागुरु
राजेश गुप्ता - वकालात रास नहीं आई
धर्मेन्द्र वर्मा - धंधे से मतलब
कुलदीप शर्मा - काम की गारन्टी
शिवचंद भोजक - मंदिर मार्गी
आनन्द गौड़ - वकालात में क्या रखा है
सुरेश शर्मा - लाल बादशाह
सतपाल सिंह शेखावत - अच्छा आदमी
बजरंग छींपा - कानून बाज
चतुर्भुज सारस्वत - प्रतिबद्ध व्यक्तित्व
चर्तुभूज ओझा - नेक इंसान
आजाद मेहरा - पैसे का गुलाम
सुन्दरलाल बेनीवाल - मुझे सब पता है

चीरफाड़

डॉ. देवेन्द्र चौधरी - हरदिल अजीज
डॉ. पुखराज साध - मन नही लगता
डॉ. सुरेन्द्र वर्मा - कांटो के ताज पर
डॉ. बी.सी.घीया - पनाधाय एजेसी
डॉ गुजन सोनी - मेरा कार्यकाल बेहतर था
डॉ. आर पी अग्रवाल - पहला सुख निरोगी काया
डॉ. एच एच कुमार - सीधा सादा
डॉ. परमेन्द्र सिरोही - तेज तर्रार
डॉ. पिन्टू नाहटा - दूसरा सुख घर में हो माया
डॉ. आर डी मेहता - कोढ में खाज
डॉ. रजन माथुर - बत्तीसी लगा लो
डॉ. जे पी स्वामी - सेवा भावी
डॉ. अकरार अहमद - सेवा प्रेमी
डॉ. कुलदीप बिठ्ठू - यारों का यार
डॉ. सुरेन्द्र कुमार - भला मानुस
डॉ. आर पी तोमर - प्रोपेगंडा से परहेज
डॉ. जे पी कुकणा - यारबाज
डॉ. एन.पी.खत्री - जेनरिक से परहेज
डॉ. पवन चौधरी - डाक्टरो का डाक्टर
डॉ. माणक गुजरानी जैन - सांस ठीक से लो

हिण्डौन हिण्डौन के हिंडौले

करौली

डॉ. गोविन्द गुप्ता - ऊँची दुकान....
डॉ. सुशील मीना - जोड-तोड में माहिर

डॉ. महेन्द्र मीना – बिच्छु लग्गू
डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता – अकड में अमचूर
डॉ. कैलाश मीना – काम में माहिर
डॉ. जीतेन्द्र मीना – मानमोजी
डॉ. प्रेमराज मीना – पागलों का सरदार
डॉ. ओ.पी. मीना – पिट गई दुकान
डॉ. शिभुपाल मीना – चल गई दुकान
डॉ. अनीता गुप्ता – दूसरे के सहारे
डॉ. शिवलेहरी गुप्ता – बेसहारा
डॉ. गणेश मीना – दौड में पीछे रहे
डॉ. लखनलाल मीना – कोई सुनने वाला नही
डॉ. नमो मीना – फेसबुकिया
डॉ. मनीष शर्मा – चमकता सितारा
नगेन्द्र व्यास एडवोकेट – बूढा शेर
महेन्द्र पाल – रियासती ख्याब
प्रकाश चन्द जैन – पुराना चावल
रमेशचन्द पारासर – सतरंग की चाल
रामजीलाल गुप्ता – समय हमारा
जयेन्द्र सिंह – सीट का चिपकू
उमेश पाल – लटका-झटका खत्म
धीरेन्द्र बैंसला – ख्याब अधूरे
देवेन्द्र शर्मा – कोई आता नही है
सुनील शर्मा – देख लेगें
गोविन्द चतुर्वेदी – बहस अधूरी
इकरामुद्दीन – नगरपरिषद का दलाली आफत बनी
नवल किशोर शर्मा – चल गई दुकान
ऊदोसिंह – तेलबाजी
सन्तोष सिंह – कैलादेवी की जय हो
दर्शनसिंह गुर्जर – चुप छिडार
रोहणी देवी – मैं भी हूं
पूनम पचौरी – दिल के अरमा आंसू में बह गये
डॉ. राजरानी शर्मा – अपनों ने लूटा
नितू गुप्ता – हम सबको ले डूबे
लाखन मीना – डूब गई लुटिया
इन्दू देवी – अनुभव की कमी
भजनलाल जाटव – हम किसी को नही छोडेगे नहीं
डॉ. मनोज राजोरिया – मीठी गोली
रमेश मीना सपोटरा – रस्सी जल गई पर बल मनी गई
शिमला बैरवा – पति के सहारे
हुकम बाई – डूब गई नईयां
नीलाभ सक्सैना – हम सबके है सनम
हेमराम परेडवाल – भोला-भाला
प्रेमराज मीना – रामनाम की लूट है

भरतपुर

डॉ. सुभाष गर्ग – चतुर खिलाड़ी
विजय बंसल – उम्मीद बरकरार
डॉ. शैलेष सिंह – कुर्सी का इंतजार
नौक्षम चौधरी – चल गई चवन्नी
जगत सिंह – कुर्सी का मलाल
बहादुर सिंह कोली – बेलगाम
रितु बनावत – बुरे फंसे
रतन सिंह – क्लोज शॉप
रंजीता कोली – अच्छे दिन का इंतजार
रामस्वरूप कोली – हसरत पूरी होने का इंतजार
डॉ. सुरेश यादव – भटकता पंछी
गिरीश चौधरी – अगली डाली का इंतजार
अभिजीत कुमार – हार मान बैठे
शिवानी दायमा – सत्ता के सहारे
भगवान दास शर्मा – माया मिली न राम
शैलेष कौशिक – करते रहो भजन
रूपेन्द्र जघीना – आये दिन बहार के
गिरधारी तिवाड़ी – चेला बना सीएम
चुन्नी कप्तान – कांग्रेस का हनुमान
राजेन्द्र सारस्वत – लगे हैं लाइन में
नत्थी सिंह – पुराने दिग्गज
कृष्णेन्द्र कौर दीपा – उत्तराधिकारी की तैयारी
दिनेश सूपा – विरासत से बनी पहचान
योगेश सिंघल – वफादार
इन्द्रजीत भारद्वाज – परकोटे से विधानसभा की ओर
मोहन रारह – खिलता कमल
नलिनी कठौतिया – अनुभवों की खान
कमर चौधरी – गहरा घुन्ना
मृदुल सिंह – एक से भले दो
कनिष्क कटारिया – नाम बड़े दर्शन छोटे
घनश्याम शर्मा – मस्ती में मस्त
राहुल सैनी – मीठी छुरी
भारती भारद्वाज – सदाबहार
भारती गुप्ता – खुद में मगन
रेखा रानी व्यास – सीधी गाय
सुरेश कुमार नवल – ब्रेकर
नीलिमा तक्षक – लेडी सिंघम
श्रवण कुमार विश्नोई – सब पर भारी
अभय मुद्गल – पांचों घी में
इन्दु मीणा – मैं भी पीछे नहीं
विनय मित्र – साईकिल वाले साहब
वी चेतन – समझ से परे
डॉ. लोकेन्द्र सिंह – काम में माहिर
डॉ. गौरव कपूर – कैसे संभालूं
डॉ. नगेन्द्र भदौरिया – कमाऊ पूत
डॉ. जिज्ञासा साहनी – ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर
डॉ. विवेक भारद्वाज – नाम बरकरार

खाकी

कैलाश चंद विश्नोई – सज्जनता की छड़ी
दिगंत आनंद – दबंग टाईगर
पंकज यादव – काम का जोश
भारत नागा – चल रही है ट्रेनिंग
धर्मेन्द्र यादव – कर गुजरने का जुनून
कन्हैया लाल – अनुभव के सहारे
नरेन्द्र सिंह – पी रहे हैं घी
रामनाथ गुर्जर – मिला प्रमोशन

गंगापुर सिटी

हरीश मीना – गंगापुर क्षेत्र गायब
मानसिंह गुर्जर – फुल पावर में
शिवरतन अग्रवाल – फिर किस्मत अजमायेंगे
मंजू गुर्जर प्रधान – पहचान अलग
हरिप्रसाद बोहरा – अब बुढापा आ गया
संगीता बोहरा – एक चांद और
एसडीएम विजेन्द्र मीना – सबकी सुनना मौन रहना
गीता देवी नरूका – समय का इन्तजार हो सकता है चमत्कार
राकेश राजौरा – अधिकारियों के आदेश की पालना
करणसिंह राठा – नाकाहू से दोस्ती नाकाहू से बैर
डॉ. दिनेश गुप्ता – थोडा से समय ओर बचा है
डॉ. बत्तीलाल मीना – न स्टेपर हूं
रामकेश मीना – गंदे पानी की समस्या
सुशील दीक्षित – पद से बढ़ता है कद
नवीन शर्मा पीपी – दमदार पैरवी के पक्ष पर
घनश्याम सिंह – मिलनसा

हिण्डौन

राजनीतिज्ञ

अनीता जाटव – समय का इंतजार
भरोसी लाल जाटव – मर्यादा के धनी
घनश्याम महर – दोहरा ताज
शिवराज मीणा – पंचायत में बिजी
विनोद जाटव – सब ठीक है
बृजेश जाटव – समय लौटेगा ?
हेमेन्द्र वशिष्ठ – नेताजी नदारद
कृपाल मीणा – शिक्षा से सरोकार
राजकुमारी जाटव – अच्छी पकड़
लज्जारानी – चमक बरकरार
दिनेश सैनी – सब की शिकायत
नरेश गुर्जर – मैं तैयार हूं
अशोक पाठक – आरटीआई
मंजू खैरवाल – कहां हो
बबली चतुर्वेदी – कोई कसर नही
लेखेन्द्र चौधरी – राजनीति का जोड़ा
नफीस अहमद – नेताजी की जय
डॉ हेमलता – काम पर ध्यान
गीता देवी चौधरी – रुतबा बढ़ रहा
शरदो गुर्जर – सीधी-साधी
योगेंद्र मावई – नेताजी के चेला
भूपेन्द्र सोलंकी – सहकारिता जिंदाबाद
अजय मित्तल – व्यापारियों के हिमायती
अनिल गोयल – दुकान में बिजी
चरण सिंह सोलंकी – अनोखी चमक
सतपाल डागुर – अंगद का पैर
धर्मा डागुर – धंधे पर ध्यान
शीला चंदन – कब मिलेगा टिकट
हट्टी राम ठेकेदार – समाज की सेवा में
बृजकिशोर शर्मा – संस्कारी नेता
भगवान सहाय शर्मा – जय गिरिराज जी की
एजाज अहमद – नेतागिरी चमकी
रविन्द्र बेनीवाल – फिर सक्रिय
दिलीप गुप्ता – कद बढ़ा
इंद्रा चौधरी – बहुत कुछ करना है
मनोज कुमारी – हर जगह हाजिर
गोवर्धन सिंह जादौन – नई जिम्मेदारी
राजेश कुमारी – घर परिवार में बिजी
करतार सिंह – सबके साथ
अशोक शर्मा – विप्र बंधु
सतेंद्र आर्य खरेटा – महाजनों के महाराज
वासुदेव शर्मा – समाज सर्वोपरि
रिंकू जाटव – पीड़ितों के साथ हूं
लखन सिंह लहकोडिया – नया नेता
राकेश करसोलिया – टिकट की दौड़ में
सत्य प्रकाश शर्मा – हम है कमाल के
भूपेंद्र गुर्जर – कतार में
गोपाल गुर्जर – शिक्षा से सरकार की ओर
छैलेश्वर – कोशिश शुरू
ताराचंद – लग रहो
अमर सिंह – कोई हमारी भी सुनो
सुरेश – फिर वापसी
रवीना प्रेमराज – राजनीति रास आई

शासन के मुस्टंडे

हेमराज गुर्जर – रास आया हिंडौन
सत्येंद्र पा ल सिंह – कुछ करते हैं
सीमा बघेल – नसीब अपना-अपना
मुनेश मीणा – चोरों और छोरों पर अंकुश
महेंद्र सिंह चौधरी – साहब खास
नरेश पोषवाल – बड़े कोतवाल
पुरुषोत्तम चौधरी – ग्रामीण प्रहरी
रामनिवास गुर्जर – जाम में फसे
सोहन सिंह गुर्जर – सुबह से ही बिजी
गिर्राज प्रसाद – मंदिर की गस्त
रीना खंडेलवाल – चमकी किस्मत
सोहन सिंह जाट – कमाई पर ध्यान
जयनारायण चेतीवाल – व्यवस्था लीकेज
सुगर सिंह – दूषित पानी
ललित कुमार मीना – पेचवर्क
ज्ञान सिंह – सत्ता का विश्वास
मुकेश कुमार – हैवी करंट
अरविन्द गुप्ता – बड़ा ट्रांसफार्मर
प्रेम राज मीना – फिर बाहर आएगी
राजीव धाकड़ – टेंडर का इंतजार
पीयूष दत्ता – पंचायत समिति मुट्ठी में
संजीव शर्मा – काम के जानकार
अशोक शर्मा – खटारा गाड़ी
दयाल सिंह सोलंकी – हर जगह फिट
हरिओम शर्मा – भला मानुष
विकाश गुप्ता – नेताजी से नजदीक
सीमा जादौन – जिम्मेदारी बढी
प्रकाश बैनीवाल – अपना काम पहले
गजेंद्र सिंह – व्यवस्था पर ध्या

चीरफाड़

डॉ. नमोनारायण मीणा – टाईम पास
डॉ. पुष्पेन्द्र गुप्ता – निर्माण पर ध्यान
डॉ. रामराज मीणा – अस्पताल पर ध्यान
डॉ. रामहरि मीणा – बीमारी का दुश्मन
डॉ. आशीष शर्मा – आस्था की ओर
डॉ. सुनील गुप्ता – शिशुपालक
डॉ जेपी मीणा – चीरफाड
डॉ रामनरेश कुंभकार – सीधा-साधा
डॉ आर पी शर्मा – सदाबहार
डॉ. बृजेश चौधरी – विरासती अनुभव
डॉ. जयवीर बैनीवाल – बच्चों की मुस्कान
डॉ. रंजना खोखर – अपना काम अपने हाथ
डॉ. ओपी मीणा – चोखा अनुभव
डां. अंकुश – जम रही दुकान
डां. रेखा – मोबाईल पर व्यस्त
डॉ. अतरसिंह मीणा – बीमार चिकित्सक
डॉ. जलसिंह खटाना – ना किसी से दोस्ती ना किसी से बैर
डॉ. रेवती कोली – राजनीति की राह पर
डॉ. आनन्द – स्पष्टवादी
डां. विजय मीना – हड्डी जोड़
डॉ मनमोहन शर्मा – मनमौजी
डॉ भगवान सिंह – जबड़े की चमक
डॉ पूजा – सब ठीक है
डॉ अजय गुप्ता – सदासुखी
डॉ. अवधेश सोलंकी – हम भी तो है
डॉ. नवाब सिंह – गो गेट वेल
डॉ राजकुमार गुप्ता – बडी जिम्मेदारी मिली
डॉ मनीषा मीना – एक्सरसाइज
डॉ प्रेम सिंह गोगा – बीमारी से बचाव
डॉ नन्द मोहन सुमन – नेत्र ज्योति
डॉ ईश्वरी प्रसाद – बढ़ने लगी भीड़
डॉ लक्ष्मी अग्रवाल – बेहोशी की दवा
डॉ दिनेश गुर्जर – प्रसव पीड़ा
वैद्य सतीश शुक्ला – जड़ी बूटी के जानकार
वैद्य प्रमोद शर्मा – पुराना अनुभव
अरुण शर्मा – अस्पताल मुट्ठी में

राकेश मंगल – भंडार के मालिक
रीना चौधरी – सेवा भावी
जीतेन्द्र शर्मा – लाइन से आओ
भगवान सहाय मीणा – टोपीबाज

कालाकोट

हरिशंकर वशिष्ठ – आतिशी कप्तानी
नगेंद्र मोहन शर्मा – पुराने खिलाड़ी
मोहम्मद असलम – काम के दाम
मदन मोहन शर्मा – शांतिप्रिय
दिनेश शर्मा – मुझे कानून पसंद है
राधा रमन शर्मा – नहीं किसी से होड़
शांतिलाल करसोलिया – क्लेम की गारंटी
महेश गोयल – छोटा पैकेट बड़ा धमाल
रिद्धि चंद्र जैन – समाज को समर्पित
गोपेंद्र पावटा – राजनीति पर ध्यान
कर्मेंद्र लहकोडिया – नया खिलाड़ी
केके शर्मा – नो कन्फ्यूजन
विक्रम पाल सिंह – सरकारी पक्षकार
जितेंद्र खेमरिया – सबके हिमायती
अता-उल-हक नूरी – कानूनबाज
श्रीभान गुर्जर – समझदार
नरेंद्र सिंह जादौन – हम किसी से कम नहीं
राधेश्याम शर्मा – राजस्व की वकालत
भगवान सहाय – हर दिल अजीज
प्रेम सिंह – मिलनसार

जालोर
मरूभूमि के भोमिये

राजनीतिज्ञ

लुम्बाराम चौधरी – देशी ठाठ
छगनसिंह राजपुरोहित – हवा हवाई बाते
डॉ.समरजीतसिंह – अपनो से हारे
रतन देवासी – जलवा बरकरार
जीवाराम चौधरी – सब पर भारी
पुराराम चौधरी – मस्त मौला
नारायणसिंह देवल – अपना भी टाईम आयेगा
पुखराज पाराशर – जाने कहा गये वो दिन
वैभव गहलोत – विरासत नही संभाली
जसराज राजपुरोहित – मीठी गोली
रमिला मेघवाल – लाटरी लग गई
भंवरलाल मेघवाल – बीता कल
देवजी पटेल – रब भी रुठा, राज भी रुठा
रविन्द्रसिंह बालावत – सदाबहार
श्रवणसिंह राव बोरली – गुमनाम
राजेश कुमार – टाईम निकल गया
सवाराम पटेल – ना हरि की ना भरी की
रुपराज पुरोहत – समस्या समाधान हैल्पलाईन
सरोज चौधरी – चलती का नाम गाडी
जुल्फिकार अली भुटटो – ऑल टाईम परफेक्ट
उमसिंह चांदराई – धन नायक
अमृता मेघवाल – हमे तो अपनो ने लुटा गैरो मे कहा दम था
नरेश सेठ – एक बार और बनाओ

समाज के ठेकेदार

डॉ.प्रदीप के.गावंडे – मस्त मौला
राजेश मेवाडा – मिलनसार
दौलतराम चौधरी – सबकी सुनो करो मन की
नंदकिशोर राजौरा – मामला फिट
मनोज कुमार चौधरी – जेन्टलमैन
सूरजभान विश्नोई – मनमौजी
रोहित चौहान – अपनी धुन में मस्त
प्रमोद कुमार – जिला जाने के बाद बादशाह
शंकरलाल सुथार – क्षतिग्रस्त सडको से परेशान
संजय शर्मा – पानी रे पानी
रणवीरसिंह – कडक स्वभाव
भंवरलाल परमार – काम में माहिर
आलोक झरवाल – प्लीज गिव अप
डॉ.गिरधरसिंह सोढा – माता की मेहर
डॉ.भैराराम जाणी – सिफारिश भारी
अमित शर्मा – टाईम पास
निमेन्द्रसिंह – हवा देख रहा हूँ
जयदेवसिंह चारण – वन रक्षक
भूपेन्द मकवाना – हम चौडे गली संकरी
दिलीप माथुर – जांउ तो जांउ कहा
राकेश दवे – अपने हाल में मस्त
त्रिकमदान चारण – सांचोर में किसकी मानू
वेदप्रकाश आशिया – हरफनमौला
लधाराम पंवार – आरोप लगा लो नौकरी पक्की है
बाबूसिंह राजपुरोहित – विधायक की मेहरबानी
डॉ.वेद प्रकाश मीणा – सबका इलाज
डॉ.रमेश चोधरी – गरीबो का मसीहा
डॉ.प्रकाश विश्नोई – यारो का यार
डॉ.मुकेश चौधरी – नौनिहालो का पालनहार
मोहन पाराशर – अनुभवी
डॉ.पवन ओझा – मिलनसार
बंशीलाल सोनी – जय सनातन
अश्विन राजपुरोहित – भारत सरकार
नितेश भटनागर – रक्तदाता
शंकरसिंह बगेडिया – जय जालोर
जालामसिंह नारावत – अब वो बात नही
खसाराम परिहार – आप लोगो की मेहरबानी

खाकी

शैलेन्द्रसिंह इन्दोलिया – दबंग
मोटाराम गोदारा – अपनी मस्ती में मस्त
आवडदान रतनू – होली का रंग ऑफिस के संग
गौतम जैन – सिंघम
रामेश्वरलाल भाटी – हम से बढकर कौन
मांगीलाल राठौड – कुछ कर दिखाना
सरिता – नेक दिल
अनराजसिंह राजपुरोहित – मिलनसार

बालोतरा

सुनील कुमार यादव – अंदर के खिलाडी
रमेश – अभी नए खिलाडी है
भुवनेश्वर सिंह – सुर्खियो के शौकीन
हरफूलसिंह – अभी तक देख रहा हूँ
अशोक कुमार विश्नोई – यूआईटी मे मजा रहा है
सुरेन्द्रसिंह – जोडी जम गई
केशव मीणा – प्रधान से परेशान

जैसलमेर

छोटूसिंह भाटी – जन जन के चहेते राजनीतिक व्यक्तित्व
सुनिता भाटी – विकास की सारथी
पवन कुमारसिंह – सत्यनिष्ठा के प्रतिक
रुपराम मेघवाल – जैसलमेर के चमकते सितारे
अंजना मेघवाल – राजनीति की चतुर खिलाडी
नखतसिंह भाटी – युवाओ के प्रेरणा पुंज
सांगसिंह भाटी – अन्नदाता के रक्षक
अमरदीन – परिवर्तन का चेहरा

उम्मेदसिंह तंवर – अजेय योद्धा
चन्द्रप्रकाश शारदा – समावेशी विकास के नायक
सुशील व्यास – भरोसा का दुसरा नाम
जगदीश बिसानी – धैर्यवान रणनीतिकार
रावत मल सावल – समर्पण की मूरत
माणक गोलकिया – संगठानात्मक स्तंभ
लक्ष्मी नारायण झंवर – सामूहिकता के ध्वज वाहक
जितेन्द्र केला – कर्मठ व्यक्तित्व
रमन बिसानी – कर्मयोगी नेता
गोमती दलाल – ममतामयी जन सेवक
हरिवल्लभ कल्ला – नगर गौरव
खीमसिंह – स्वाभिमानी जन नायक
पवन सुदा – सकारात्मकता के दुत
निर्मल रेयानी – सादगी की मिसाल
प्रतापसिंह – अनुशासन के पर्याय
अभिषेक शिवहरे – फील्ड के रियल टाईगर
प्रतापपुरी – जन सेवा

बाड़मेर

टीना डाबी – रील या रियल
नरेन्द्रसिंह मीणा – हम तो जम गये रे भाया
नितेश आर्य – अपनो की पंचायती
राजेन्द्र सिंह चांदावत – रास आगई सीट

थार के भोमिये

उम्मेदाराम बेनीवाल – सरकार नही है, चल रहे है
अरुण चौधरी – पचपदरा का एमएलए कौन
रविन्द्र सिंह भाटी – अकेला हूँ, थे लाठा रहजो
आदूराम मेघवाल – बार-बार मंत्री बनने की चर्चा
डॉ. प्रियंका चौधरी – लोग मायरा याद कर रहे है
मदन प्रजापत – जिला बंटा तो चुप्पी साधी
मेवाराम जैन – चर्चा में रहने वाले
अमराराम चौधरी – भाई समय बदल गयो
बालाराम मूढ – हमके लाज राख जो
सुनील परिहार – दूसरी बार कोशिश करंगे
पदमाराम मेघवाल – कमी कहा रह गई
स्वरुपसिंह खारा – पांवर सेंटर
अमीन खान – मुंह फट
मानवेन्द्रसिंह जसोल – यह दिल माने ना
थानसिंह डोली – आधी रात को भी लडेगे
गोपाराम मेघवाल – चमचो से परेशान
भरत मोदी – ऐसे कैसे पार पडेगी
प्रियंका मेघवाल – सहारे की खिलाडी
अन्नताराम विश्नोई – मंत्री से उपर है
लक्ष्मण गोदारा – बोस का सहारा
निर्मलदास – राजनीति से फिर सन्यासी बने
एल एन मंत्री – मस्त मौला
आदर्श सिद्व – ईमानदार
बजरंग सिंह – अनुभवी
नवीन भारद्वाज – ऑल राउंडर
राहुल राजपुरोहित – सीधा इंसान
विमतेन्द्रसिंह – काम की जानकारी
विकास माखात – सबका इलाज
ज्ञानचन्द पारख – समाजसेवी
पी.पी. चौधरी – केंद्र में पकड, मोदी को खास
सुनील भंडारी – नया जोश
महेन्द्र बोहरा – बेबाक वक्त
पुष्प जैन – ठंडी राजनीति
राकेश भाटी – नई उडान की तैयारी
शिशुपाल सिंह – हौसला बुलंद
भीमराज भाटी – बीतने में माहिर
अजीज दर्द – मै शायर बदनाम
प्रदीप हिंगड – सिंघम
नीलम बिडला – एमएलए का सपना
हकीम भाई – जाबांज
महावीर सिंह – चौराई मे पकडा
केवलचंद गुलेच्छा – सपना अधुरा

सिरोही

नीरज डांगी – आमजन से दूरी
मोतीराम कोली – कोई सुनता नही
समाराम गरासिया – अपने हुए बेगाने
जगसीराम कोली – जाजम जमाने मेंलगा
लालाराम गरासिया – संठगन का भरोसा
रक्षा भण्डारी – विरासत संभाली
अल्पा चौधरी – काम ही पूजा
डॉ.शिवरान प्यारेलाल – खाकी की शान
नरेन्द्रसिंह जांगिड – जनता का सेवक
मुकेश चौधरी – मन मौजी
भंवर चौधरी – तुफानी चाल
शंकरलाल परिहार – जनता का सेवक

उदयपुर

राजनीतिज्ञ

मन्नालाल रावत – पकड बनाली
के के गुप्ता – स्वच्छ राजस्थान की मकान फिर से
ताराचंद जैन – आयड को धो दूंगा
फूलसिंह मीणा – पढा लिखा हूं
दयाराम परमार – वन मेन आर्मी
गजपालसिंह – राजनीति का आशिक
पुष्कर तेली – युवा तुर्क
फतहसिंह राठौड़ – सीधा-साधा
रघुवीर मीणा – डीमोशन से भी खुश
प्रताप भील – चुप्पी साधली
शांता मीणा – अंगूठा भी काम का
राजकुमार रोत – ऑपरेशन जारी है
उदयलाल डांगी – कच्चे रास्तों का पक्का खिलाड़ी
प्रमोद सामर – तिजोरी
चंचल अग्रवाल – सभी की सुननी है
अजय पोरवाल – तेज निगाहें
धर्मनारायण जोशी – पार्टी का भक्त
पंकज शर्मा – वो दिन गए
मनोहर चौधरी – समय आएगा

शासन के तीरदांज

प्रज्ञा केवल रमानी – साम्राज्य की महारानी
नमित मेहता – रास आई झीलों की नगरी
दीपेन्द्रसिंह राठौड़ – किलेदार
जितेन्द्र ओझा – शहर कोतवाल
मनीष भटनागर – खान पान मजे से
महेश शर्मा – पधारो म्हारे देस
ममता कुंवर – गांवों की रानी
खुशबू शर्मा – अब तो बदलो विभाग
रिया डाबी – जमे रहों

नरक निगम

अभिषेक खन्ना – बुल डोजर
सोनिका कुमारी – लेकसिटी महारानी
दिनेश मण्डोवरा – कोतवाल साहब
विनोद कुमार – छंटनी का कारीगर
सिराज अहमद – लौट के बुद्धु
मुकेश पुजरी – सीमेंट रेत का डाक्टर
बाबुलाल चौधरी – आग का दुश्मन

सत्यनारायणा – जाड-पौछ का कारीगर
नितेश भटनागर – तिजोरी का रखवाला

कालाकोट

जितेन्द्र जैन – कानून बाज
महेन्द्र मैनारिया – मिलनसार
लोकेश गुर्जर – मन मौजी
आशीष कुमार – शांति प्रेमी
धर्मेन्द्र सोनी – क्राईम मेरे पीछे
विनोद औदीच्य – प्राब्लम कीलर
अरूण व्यास – नेक इंसान
भरत वैष्णव – कानून की किताब
मनीष शर्मा – दमदार
महेन्द्र नागदा – अब चेले नहीं रहे
राकेश मोगरा – नीण का निर्माण फिर
रामकृपा शर्मा – बगुला भगत
दिनेश गुप्ता – महागुरू
अशोक सिंघवी – हिम्मतवाला
शंकर प्रजापत – दौड़ जारी है
विशाल अग्रवाल – पाला बदला
हरिश पालीवाल – छाप लगवा लो

चीरफाड़

डॉ. विपिन माथुर – गैस प्राब्लम
डॉ. आर एल सुमन – हेडमास्टर
डॉ. मुकेश शर्मा – दिलवाला
डॉ. तरूण रहलोत – मरा का ज्ञाता
डॉ. अशोक आदित्य – चिपके रहो
डॉ. गौरव जायसवाल – खोपड़ीबाज
डॉ. हेमंत माहुर – बुखार उतार दूंगा
डॉ. गौतम बुनकर – हर मर्ज की दवा
डॉ. एक के ओझा – स्वस्थ्य रहो
डॉ. नवनीत माथुर – नाक कान गले का ध्यान रखो
डॉ. महेश दवे – अब तुम्हारे हवाले हॉस्पीटल
डॉ. ओ पी मीणा – एक एक को जानता हूं
डॉ. शौभालाल औदीच्य – जड़ीबूटी वाला
डॉ. राजेश राठौड़ – उल्टा लटका दूंगा
डॉ. मुकेश बडजात्या – गुर्दे निकाल दूगा
डॉ. ललित गुप्ता – चमडी का कारीगर
डॉ. संदीप कंसारा – मीठी शक्कर
डॉ. सुरेश गोचर – सब पागल हैं

एवीवीएनएल

इन्द्रराज मीणा – हाजिर सरकार
के आर मीणा – काट दो कनेक्शन
अर्चना जैन – काम से काम
वृंदा व्यास – मेरी बात भी समझो
अनिल धींग – स्वीच ऑफ
राकेश करण – कोई सुनता नही
एसएल डामोर – चार दिन की चांदनी
कंवरलाल बंजारा – चमक बरकरार

देवस्थान

कन्हैयालाल स्वामी – विरासतों का रखवाला
गीतेश मालवीय – समझ से बाहर
जतिन गांधी – देव कृपा
दीपीका मेघवाल – जमे रहो

जंगल

एस आर यादव – जंगल का राजा
सुनील सेनी – पहाड़ों का भार
मुकेश सैनी – हरियाली और रास्ता
अजय चित्तोड़ा – मंगल ही मंगल
शैतानसिंह – हरियालाल बन्ना
यादवेन्द्र सिंह – सम्राट से परेशान

शिक्षा

प्रो. एसएस सारंगदेवोत – दोनो तरफ ध्यान
प्रो. कैलाश सोडानी – शिक्षा के चाणक्य
डॉ. प्रतापसिंह – किसान हितेषी
प्रो. बी पी सारस्वत – मेवाड़ राज आया
डॉ. वीसी गर्ग – हरफन मोला
डॉ. मुकेश बारबर – जमे रहो
राहुल अग्रवाल – मारवाड़ में प्रवेश
आशीष अग्रवाल – मददगार
अंकित अग्रवाल – काम से काम

खान

एमपी मीणा – खुस-मिजाज
महेश माथुर – मददगार
भीमसिंह – ठीक-ठाक
कमलेश्वर बारेगामा – सारेगामा
धमेन्द्र लौहार – नो टैंशन लोकेशन मेन्सन
सतीश आर्य – जेसा दिया वैसा बोया
सुरेश कुमार जैन – हिसाब किताब

खाकी

गौरव श्रीवास्तव – अपराधियों की खैर नहीं
प्रहलाद सिंह कृष्णिया – भ्रष्ट होगा नष्ट
योगेश गोयल – सरकार जिंदाबाद
उमेश ओझा – काम बोलता है
गोपाल स्वरूप मेवाडा – काम ही पूजा है
लखमन राय राठौड़ – कमाण्ड कट्रोल मे है
माधुरी वर्मा – सब पर निगाहें
रामेश्वर परिहार – त्वरित जॉच होगी
हर्ष रत्नू – सतर्कता से अपराधी सकते में
राजीव जोशी – महादेव का आसरा
बृजेश सोनी – पहचान कौन
अनिल कुमार मीणा – क्राईम ब्यूरो चीफ
विक्रमसिंह – जय भवानी जय शिवाजी
स्वाति शर्मा – ऑपरेशन जारी है
अनन्त कुमार – ड्रोन कार्यवाही जरी है
छगन पुरोहित – शहर हो या गांव
चेतना भाटी – जय ज्वाला देवी
अशोक आंजना – नौ एन्ट्री जारी रहेगी
सुनिल चारण – ऑन लाईन चालान
टीना सोलंकी – ट्राफिक कंट्रोल मे है
मदन गहलोत – वाहनो की तलाशी जारी है
नीतू – टीएसपी दिया दूर है
अब्दुल रहमान – वन्दे भारत एक्सप्रेस शुरू
सुनिल टेलर – खान है तो खनन होगा
विनय – समय की मांग
राम निवास – साईबर ठगी रूकेंगी
सूर्यवीरसिंह – हिन्दुआ सूरज
राजेश यादव – शहर बडा मशहूर है
गोपाल चंदेल – हाईवे पर नाकाबंदी जारी है
विवेकसिंह राव – पश्चिम का सूरज
राजीव राहर – हार नहीं मानूंगा
राजेन्द्रसिंह जैन – कम किसी से कम नहीं
आशिमा वासवानी – जय माता वैष्णों देवी
डूंगरसिंह – मौताणा बंद है
रतनसिंह – सब को जानता हूं
पूरणसिंह राजपुरोहित – वंदे मातरम
आदर्श कुमार – कलेक्ट्री अपनी है
गजवीरसिंह – जय माता दी
राजुदेवी – हम से बढकर कौन

दलपतसिंह – सिन्सेटिव जोन मे हूं
कर्मवीरसिंह – लपता गिरी नहीं चलेगी
भंवरलाल – मिर्च मसाला तेज है
दयालाल – डालर दूर की कोड़ी है
किताब देवी – कानून की ज्ञाता
भरत योगी – चरैवेती चरैवेती
अनिता वर्मा – लेडिज फस्ट
राजेन्द्रसिंह चारण – हाईवे टू हाईवे
मुकेश सोनी – समय खराब है

शेखावाटी के हुड़दंगी

चूरू रा रसिया

हरलाल सहारण – कोकाकोला ल्या रै, ला पड़
रेहाना रियाज – म्हारी होड कोनी हुवै
ओम सारस्वत – न लाठी न भाटा, जंग जारी
बनवारी लाल शर्मा – के बोल्या ब, बता तो सरी
हनुमान कोठारी – के कां अर के सुणा
गोविंद महनसरिया – म्हारो पायलट, म्ह पायलट का
पायल सैनी – पाछी आउंगी, देखते रहियो
मो. हुसैन निर्वाण – ठा है के थानै, के होरी है
डॉ वासुदेव चावला – चक देवांगा, थमो थे
बसंत शर्मा – के काम की बात है आ
अभिषेक चोटिया – बोल भोले बोल, बजाऊं ढोल
रियाजत खान – कोई कोनी भाया, सा ऊपरलै री माया
मुस्ताक खान – आपां तो ज़ोर लगा दियो और के करां
सुरेश सारस्वत – ढूंढ़ा हां, के बेरो कद के हो ज्यावै
मदन गोपाल बालान – अब चालो, जचग्यो ढांचो
दीपचंद राहड़ – सागी को सागी हूं मं
हेम सिंह शेखावत – साचा बोलो यारो, भलो होसी थारो
रतनलाल जांगिड़ – और न तो भजन ई कर ल्यो
सीताराम लुगरिया – अक्कड़-बक्कड़ बम्बे बोल
डॉ. आनंद सैनी – कोर्ट मं मिलस्यां, आ
महेंद्र न्यौल – ठीक-ठाक ई मानो जी
विक्रम कोटवाद – के फरक पड़सी म्हारै, जाओ बारै
विमला गढ़वाल – हाराँ तो कोनी, ईं बात की गांठ बांध ल्यो
भास्कर शर्मा – कोई लोढ़ कोनी, जा जाके क दे
किशन आसेरी – नेता म्हारो एक, करै काम नेक
गिरधारी लाल तंवर – ले दे के मोटो टंटो
मोहन लाल गढ़वाल – मनाणा तो आवै, मनाऊं के
विकास मील – फूल ई म्हारा, कांटा ई म्हारा
हेमंत सिहाग – थारी थे जाणो, म्हारै तो मंडग्यो पाणो
रमेश शर्मा – कर भलो, हो भलो
जितेंद्र कुमार शर्मा – आ लड़ले जोर है तो
सुशील लाटा – आपणी जीत पक्की है सा
जमील चौहान – आज नीं तो कल, चल चला चल
रामेश्वर प्रजापति – मं के करूं, मानै ई कोनी कोई
आरिफ खान पीथीसर – जाग न आवै तो न आवै
शेर खान मलकान – शेर हां शेर, डरो ना
रामनिवास सहारण – टेम-टेम की बात हुवा ओ

जागते रहो

बनवारी खामोश – पैनी नजर
डॉ सुरेंद्र शर्मा – खरा व्यक्तित्व
प्रो कमल कोठरी – सबसे हिलमिल चालिये
चंद्र प्रकाश ढंढ – हरफन मौला
नारायण सिंह दिलचस्प – एकान्तवास
देवेंद्र जोशी – आगे पीछे देखकर चलते है
राधे श्याम चोटिया – किस्मत का खेला
काशीराम पारीक बीकानेर – वो दिन थे बेहद खास
बनवारी पांडेय लक्ष्मणगढ़ – नेताओं के नेता
नोरंग वर्मा – बूढ़ा शेर
प. उमेश व्यास – अलख निरन्जन
मंगल व्यास भारती – अपनी-अपनी पढ़ना
गणेश लाटा – पुराने खिलाड़ी
राकेश शर्मा – मीठी-मीठी बाते
ब्रजेन्द्र दाधीच – फिर बिछेगी जाजम
राजकुमार सारस्वत पार्षद – ईट का जवाब पत्थर
दलीप सरावग – काम से काम
गणेश प्रसाद गोयनका – खरी खरी
आकाश ओझा – बदले बदले से
संतोष मासूम – जिंदादिल
शिव गोयनका – मंडी की शान
संगमानन्द – गुमनाम है कोई
सुनील भाउवाला – उड़ता तीर
डॉ. दुलाराम सहारण – जागती जोत

झुंझुनूं

बृजेंद्र ओला – होवै या ना होवै, बोलूं तो खूब हूं
राजेंद्र भांबू – यमुना क पाणी की पूरी आस
विक्रम सिंह जाखल – कुणबो बढ रह्यो है, घट रह्यो है?, सर्च जारी है
इंजी. धर्मपाल गुर्जर – प्रधानी घर में लाने की तैयारी
श्रवण कुमार – बोलतो रहूंगा, तभी दिखूंगा
रीटा चौधरी – गुटबाजी खत्म, सब साथ-साथ है
पितराम सिंह काला – खादीवाला गुरूजी
भगवानाराम सैनी – पढकर ही सही, पर बोलूं जरूर हूं
संतोष अहलावत – आस्तीन के सांपों से घिरी
शुभकरण चौधरी – किनारा पर आकर अटक जाऊं
एमडी चोपदार – बडोड़ी नेतागिरी को अलग ही मजो है
डॉ. अरूण गर्ग – सांची कहना, सुखी रहना
बृजेश ज्योति उपाध्याय – बदमाशों को पैक करेंगे
विप्लव न्यौला – नवाचार का पुराना जानकार
प्यारेलाल ढूकिया – राजनीति का सबसे संतोषी नेता
डॉ. राजेश बाबल – आस छोड़ दी, जो होगा, देखेंगे
शिवकरण जानूं – सोना कितना सोणा है
डॉ. दिलीप मोदी – कोचिंगों के विरूद्ध, जारी है युद्ध
राजेश अग्रवाल – बंटी सरेंडर होगो, बबली भी हो जागी
रवि बिरमीवाला – राजनीति के दांवपेंच धीरे-धीरे समझ आ रहे है
दीपेंद्र बुडानिया – मस्तमौला
डॉ. जितेंद्र भांबू – या तो मैं नहीं, या प्रिंसिपल नहीं
डॉ. छोटेलाल गुर्जर – शुद्ध मिठाई
डॉ. डीएन तुलस्यान – तमाशा देखकर ज्यादा मजो आवै है

National Egg McMuffin Day: Celebrating a Breakfast Icon

Observed annually on March 2, National Egg McMuffin Day celebrates one of the world's most iconic breakfast sandwiches. Introduced by McDonald's in the early 1970s, the Egg McMuffin revolutionised fast-food breakfasts with its simple yet satisfying combination of a freshly cracked egg, Canadian bacon, melted cheese and a toasted English muffin. The day is marked by special offers, nostalgia-driven campaigns and breakfast lovers indulging in the classic favourite. Beyond being a quick meal, the Egg McMuffin symbolises how convenience food evolved to fit busy modern lifestyles, making it a lasting staple of global breakfast culture.

#DRUNK

Patiala Peg as narrated by Capt Amarinder Singh

And then, he told the other sardars, in Punjabi, to have lots of drinks with the Australians, and that is why they were given lot of booze to drink till 10 PM

Question: On a lighter note, you come from Patiala. So, where does *Patiala Peg* comes from? What is Patiala Peg? What are its origins?

Answer: Well, that is an interesting story. My grandfather, the one in the middle, was the chairman of the cricket board. The term has been coined by my family. After that, my father was also in the cricket board. He captained India from 32 to 35. Then, my grandfather got ill and had to leave cricket. My grandfather had the Australians come here. They came to Patiala and Amarnath was the young boy. He told me this story. He said we were called and asked to have dinner and drink and want to be seen in bed by 8 o' clock. And then, he told the other sardars, in Punjabi to have lots of drinks, and that is why they were given lot of booze to drink till 10 PM. So, next day, when the match started, they were seeing 2 balls coming and 3 balls… They were given whiskey like this. So, that was Patiala peg, a appropriate mixture of whiskey and water.

Question: Is Patiala Peg more than 60 ml?

Answer: I don't know that. I don't drink. It is about a little bit of water and more of Whiskey. So only, Australians had to suffer and that's where the Patiala Peg started. The match was in Patiala.

Vibart later recounted hiding in ravines and foraging under cover of night to avoid detection, crediting endurance and opportunistic timing for his evasion. These tactics underscored raw human resilience in disorganized flight, with Vibart sustaining himself on scant rations while pressing towards British-held positions.The personal toll deepened when Vibart learned of the Cawnpore massacre on July 15, 1857, where his mother, Emily Vibart, and at least four siblings, including brothers John (aged 8) and others, were among approximately 200 British women and children hacked to death by Nana Sahib's forces in the Bibighar house after the failed boat escape on June 27. This sepoy-orchestrated slaughter, involving prolonged mutilation of non-combatants, exemplified the rebellion's brutality, with victims' remains dumped in a well; Vibart's father, Major Edward Vibart, had perished earlier in the boat attack from gunshot wounds. En route to Lucknow, Vibart witnessed further sepoy depredations, including reports of mass killings in Delhi where thousands of Indian rebels bayoneted or shot British residents, contributing to an overall toll of roughly 1,000 European deaths there alone by summer 1857.

A Mutiny And A Massacre

A coloured lithograph by Bequet Freres showing the British recapture of Delhi in September 1857 during the Sepoy Mutiny (1857-8). (National Army Museum, England).

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

This is the worst thing British ever did to Indians. Every male over the age of 16 was killed. There were a few exceptions like Ghalib, who have got special letters or by the virtue of their positions who did not get killed. Anyone in the city over the age of 16 is massacred. Some of the British who see this are horrified. One British describes this massacre, he was all set on the night before the attack to wreak havoc and revenge but what he sees now disgusts him. He says, "The orders went out to shoot every soul. It was literally murder and I was perfectly horrified. I have seen many bloody and awful sights lately but one such, as I witnessed yesterday, I pray I never see again."

Edward Vibart was born on 15 Nov 1807 at Amberd House, Pitminster, Somerset. He reached the rank of major in the 2nd Bengal Light Cavalry and was in command of the regiment at Cawnpore, at the time of the Mutiny in 1857. At the beginning of June, the mutiny broke out and Major Vibart, his wife, Emily, and four of his children took refuge in Wheeler's entrenchment. The British and their supporters were offered safe passage down the Ganges to Allahabad. He was the last person to leave the defences,

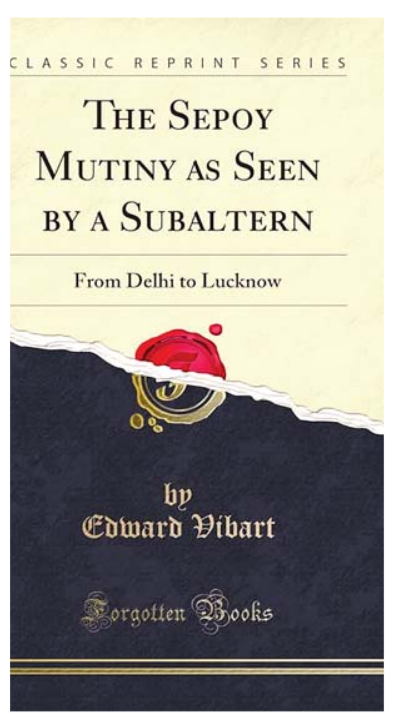

CLASSIC REPRINT SERIES

THE SEPOY MUTINY AS SEEN BY A SUBALTERN

From Delhi to Lucknow

by Edward Vibart

Forgotten Books

Edward Vibart.

and joined his wife and two surviving children in one of the boats.

When the boats were attacked on embarkation, Vibart organised the defence of his vessel, which managed to float downstream over two days, under frequent attack. Finally, they were forced to surrender. He had been shot in both arms and is thought to have bled to death on 27 June 1857. His family was taken back to Cawnpore. Emily was killed, as was John, aged 8, William, aged 4, and their baby daughter, Emily. Four of their children avoided the carnage at Cawnpore, three daughters; Louisa (1845-1932), Georgina (1844-1926), and Henrietta (1838-1926). Their eldest child, Edward Daniel Hamilton Vibart (1837-1923), also served as an officer in India and wrote *The Sepoy Mutiny as Seen by a Subaltern: from Delhi to Lucknow (Smith, Elder & Co 1898)*. He was 20 years old at the time of the Mutiny.

Initial Outbreak and Response at Delhi

The revolt reached Delhi on May 11, 1857, when approximately 300 mutinous sepoys from the 3rd Bengal Native Cavalry, who had risen in Meerut the previous day over rumors that new Enfield rifle cartridges were greased with cow and pig fat, taboo for Hindus and Muslims respectively, marched into the city and incited the local garrison to join them. These rumors, though unproven in distribution at scale, ignited religious grievances that propelled indisciplined sepoys to proclaim Bahadur Shah II as emperor and unleash indiscriminate violence against British officers, civilians, missionaries, and Eurasian residents, killing an estimated 200 individuals in the initial days through shootings, stabbings, and burnings. The massacres, targeting non-combatants including

#MUTINY

The battle of Cawnpore - the entire British garrison died at Cawnpore (now Kanpur), either in the battle or later massacred with women and children. Their deaths became a war cry for the British.

women and children, reflected a surge of communal fanaticism rather than strategic warfare, as evidenced by the sepoys' failure to consolidate defenses and their prioritization of plunder and slaughter over military objectives.

Lieutenant Edward Vibart observed the outbreak firsthand as the Meerut cavalry rampaged through streets, triggering local sepoy defections and overwhelming isolated British positions. His unit, part of the mutinying garrison, saw officers like Vibart scramble for survival amid the chaos, with sepoys firing on Europeans without quarter; Vibart later recounted the pandemonium: "The horrible truth now flashed on me, we were being massacred right and left, without any means of escape! I made for the ramp which leads from the courtyard to the bastion above… the bullets whistled past us like hail. To this day, it is a perfect marvel to me how any one of us escaped being hit." This subaltern perspective highlights the rapid collapse of order, as loyal elements disintegrated under sepoy indiscipline fueled by cries of jihad and caste purity.

British response centered on desperate improvisation, with surviving officers and civilians fleeing to the Kashmiri Gate or the Ridge north of the city to evade encirclement; Vibart joined this exodus, reaching relative safety amid heavy fire while the rebels looted the palace and arsenal. By May 16, sepoys executed at least 52 captured or hiding British prisoners within the palace grounds, further evidencing the mutiny's vengeful character unbound by military convention. Regrouped on the Ridge under ad hoc command, roughly 4,000 British and loyal Indian troops, including scattered artillery, fortified positions with earthworks and awaited reinforcements from Punjab, staving off immediate rebel assaults through skirmishes that exposed the sepoys' lack of unified leadership and tactical coherence. These early measures preserved a foothold, preventing total annihilation despite numerical inferiority, and underscored causal drivers of sepoy fanaticism over politicized narratives, framing the events as nascent independence struggles, given the atrocities' focus on civilian extermination rather than governance reform.

March to Lucknow and Key Engagements

Following the recapture of Delhi on 20 September 1857, Vibart, serving as a subaltern formerly of the 54th Bengal Native Infantry, joined the British flying column advancing southeast towards Agra, and ultimately Lucknow, to support ongoing relief operations amid the prolonged siege there. The march involved roughly 4,000 troops confronting scattered rebel concentrations totaling over 10,000, hampered by extended supply lines stretching 200 miles and reliance on local forage amid scorched-earth tactics by fleeing insurgents. Key engagements en route included the action at Aligarh on 6 October 1857, where British forces under Brigadier Greathed dispersed a rebel garrison of about 5,000 with coordinated artillery barrages and cavalry flanks, suffering minimal casualties while capturing significant ordnance. Further south, at Etawah in late October, Vibart's unit contributed to skirmishes against guerrilla bands, employing rapid reconnaissance to outmaneuver numerically superior foes estimated at 3,000, securing river crossings vital for advancing artillery. These tactical successes underscored British advantages in discipline and firepower against disorganized rebel resistance, as corroborated by contemporary dispatches. Logistical strains peaked near the Ganges, with forces navigating monsoon-swollen rivers and ambushes, yet maintaining cohesion through fortified night camps and limited reinforcements from Agra. By early November, the column linked with Sir Colin Campbell's main relief army of 5,600 enabled the decisive push to Lucknow on 14-19 November, where integrated cavalry charges broke rebel lines despite facing 30,000 defenders. Vibart's observations highlight the resilience required to traverse hostile terrain against odds exceeding 5:1 in rebel favour at several points.

Personal Account of Atrocities and Survival

Vibart later recounted hiding in ravines and foraging under cover of night to avoid detection, crediting endurance and opportunistic timing for his evasion. These tactics underscored raw human resilience in disorganized flight, with Vibart sustaining himself on scant rations while pressing towards British-held positions. The personal toll deepened when Vibart learned of the Cawnpore massacre on July 15, 1857, where his mother, Emily Vibart, and at least four siblings, including brothers John (aged 8) and others, were among approximately 200 British women and children hacked to death by Nana Sahib's forces in the Bibighar house after the failed boat escape on June 27. This sepoy-orchestrated slaughter, involving prolonged mutilation of non-combatants, exemplified the rebellion's brutality, with victims' remains dumped in a well; Vibart's father, Major Edward Vibart, had perished earlier in the boat attack from gunshot wounds. En route to Lucknow, Vibart witnessed further sepoy depredations, including reports of mass killings in Delhi where thousands of Indian rebels bayoneted or shot British residents, contributing to an overall toll of roughly 1,000 European deaths there alone by summer 1857. His accounts emphasize the systematic targeting of families, with sepoys violating homes and sparing no ages, a pattern repeated across mutiny sites where verifiable records confirm over 500 British women and children slain in targeted atrocities. These events fueled Vibart's determination, as he integrated into relief efforts at Lucknow, surviving the siege's hardships through disciplined foraging and defensive positioning amid ongoing rebel assaults.

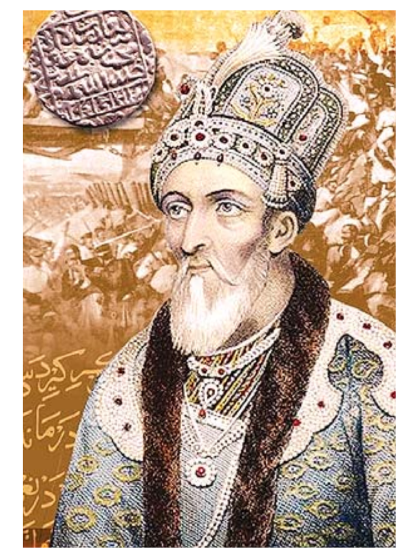

Bahadur Shah Zafar II: The Last Mughal Emperor, dethroned by the British.

British Reprisals and Their Context

Following the British recapture of Delhi on 20 September 1857, after a prolonged siege, field commanders issued orders for the summary execution of captured or suspected mutineers to swiftly reestablish control and deter further insurgency. Edward Vibart recorded that "the orders went out to shoot every soul," reflecting the immediate imperative to eliminate threats amid widespread rebel atrocities such as the earlier Cawnpore massacre where over 200 British women and children were mutilated and killed. These actions involved mass hangings, shootings, and executions by cannon, methods estimated to have claimed hundreds of lives in Delhi alone within days, as British forces prioritized rapid pacification over formal trials to prevent the rebellion from regaining momentum. Similar retributive measures followed the relief and full recapture of Lucknow in March 1858, where Vibart had endured the initial siege and subsequent engagements; here, British troops under Sir Colin Campbell enforced executions of rebel leaders and supporters, contextualized by the rebels' indiscriminate killings of British garrisons and civilians during the uprising's outset in May 1857. Vibart's role included participating in patrols and enforcement details that maintained discipline and suppressed lingering resistance, contributing to the localized collapse of organized rebellion without noted excesses beyond operational directives. While some contemporary accounts, such as those by historian William Dalrymple, describe these reprisals as "literally murder" driven by vengeance.

rajeshsharma1049@gmail.com

Nanaji.

#LAWS!

That's Unlawful!

Strange but True: Old Laws That Still Technically Exist

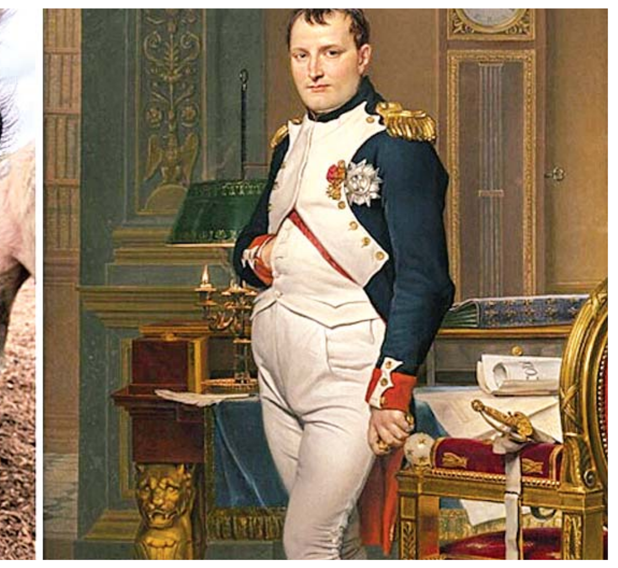

Every country has its fair share of outdated, unusual, or downright bizarre laws, remnants of a time when societies were very different from what they are today. While many of these laws are no longer enforced, they still technically exist in the legal books, offering a glimpse into the customs, politics, and priorities of the past.

Here are three such curious laws from England and France that may sound absurd today but remain part of the legal landscape.

1. It Is Illegal to Walk Down the Street with a Plank of Wood in London

The Law:

Under the Metropolitan Police Act of 1839, it is an offence to 'carry a plank of wood along a pavement' in London.

Why Was This Ever a Law?

The original purpose of this law was to prevent accidents, obstructions, and public nuisance in crowded Victorian streets. At the time, London was experiencing rapid industrialization, and narrow streets packed with people, horses, carts, and traders meant any obstruction, like someone walking with a long wooden plank, could cause real chaos or injury.

Is It Enforced Today?

While it's extremely unlikely you'll be arrested for carrying wood down Oxford Street, the law technically still exists. It's one of many Victorian-era public order laws that remain on the books, even though they're rarely applied in modern times.

2. All Royal Fish Belong to the Monarch in the UK

The Law:

According to a statute from the reign of King Edward II (14th century), all royal fish found in British waters are the property of the reigning monarch.

Royal fish include:

- Whales
- Sturgeon
- Porpoises

Why Such a Law?

In medieval England, these animals were considered rare and valuable sources of meat, oil, and ivory (in the case of sturgeon). The crown claimed ownership of them as part of its sovereign rights over the seas. The law was codified in legal texts and reaffirmed over the centuries. Even today, if a royal fish is caught or washed up on British shores, it must technically be offered to the Crown.

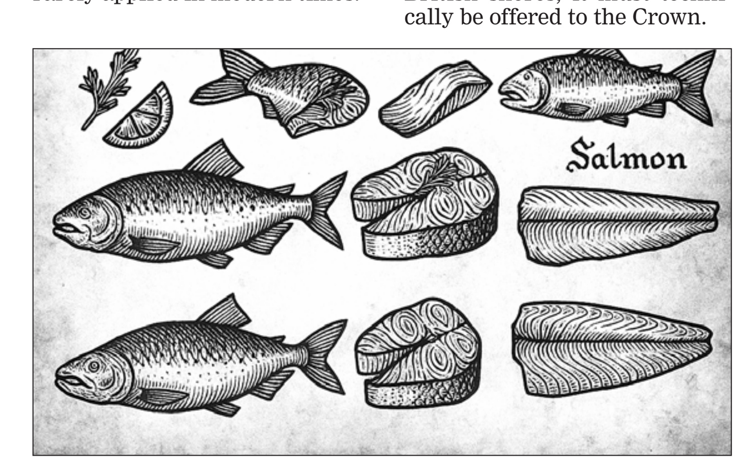

3. In France, It Is Illegal to Name a Pig 'Napoléon'

The Law:

This law dates back to the 19th century and stems from efforts to protect the dignity of the state and its historical figures, especially Napoléon Bonaparte, one of France's most iconic and controversial leaders.

It is considered an insult to the Republic and its past leaders to name a pig 'Napoléon,' especially if done mockingly.

Is It Enforced?

While the law is rarely enforced, it has never been formally repealed. It remains a quirky legal footnote, and a warning to those tempted to mix political commentary with barnyard animals.

Why Do These Laws Still Exist?

Many of these laws remain because:

- Repealing laws takes time and money.
- They're buried in older legal codes that haven't been overhauled.
- They serve as cultural relics, oddities that reflect the priorities of past societies.

While no one expects the Queen to chase after a fisherman or police to stop you for carrying plywood, these laws serve as reminders that legal systems evolve slowly, often leaving behind amusing or baffling remnants.

THE WALL

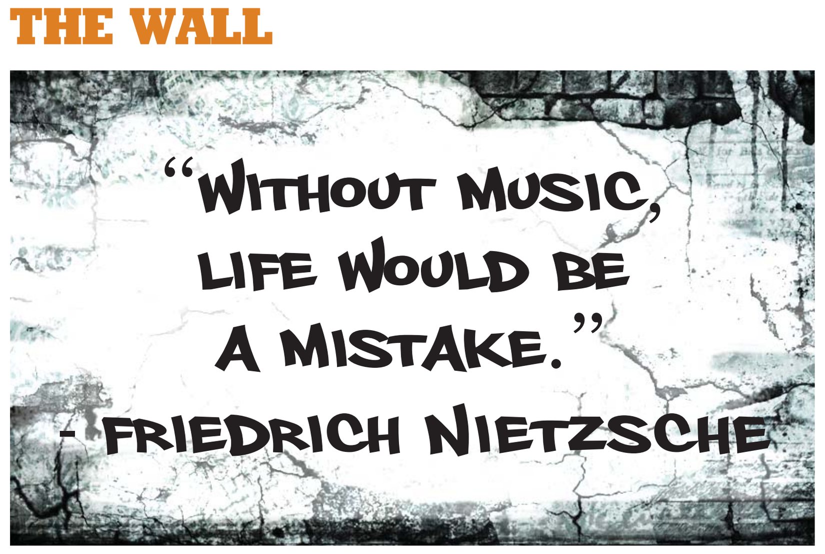

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

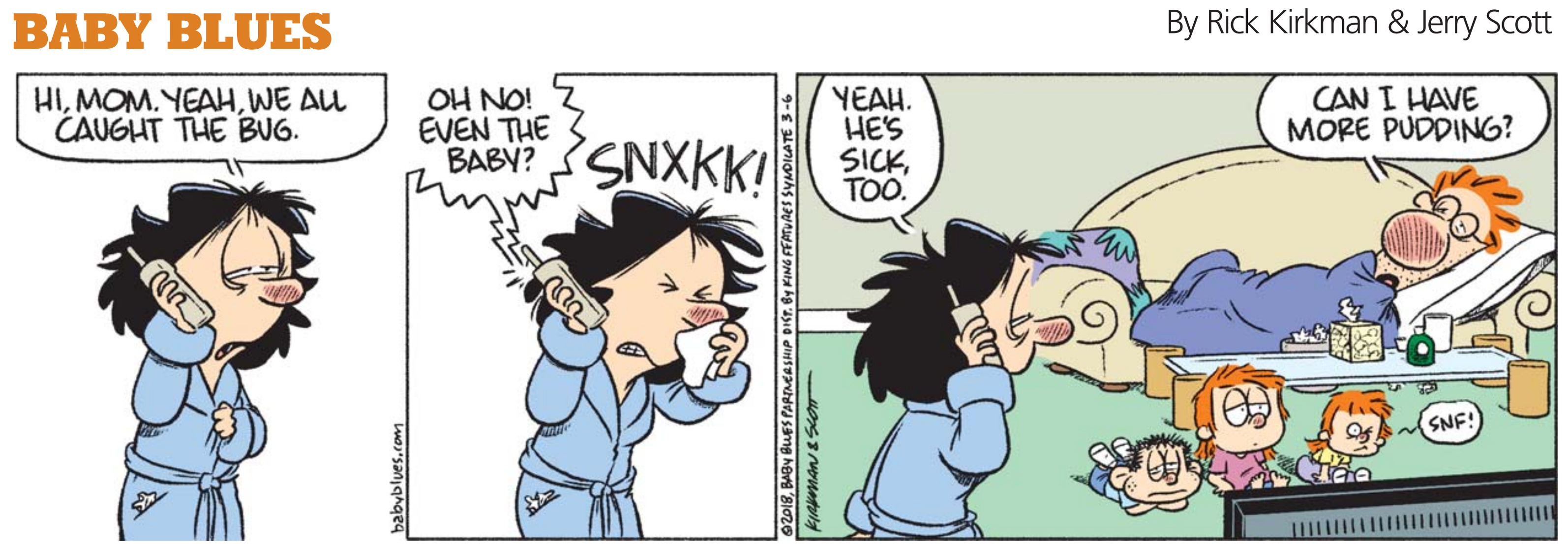

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

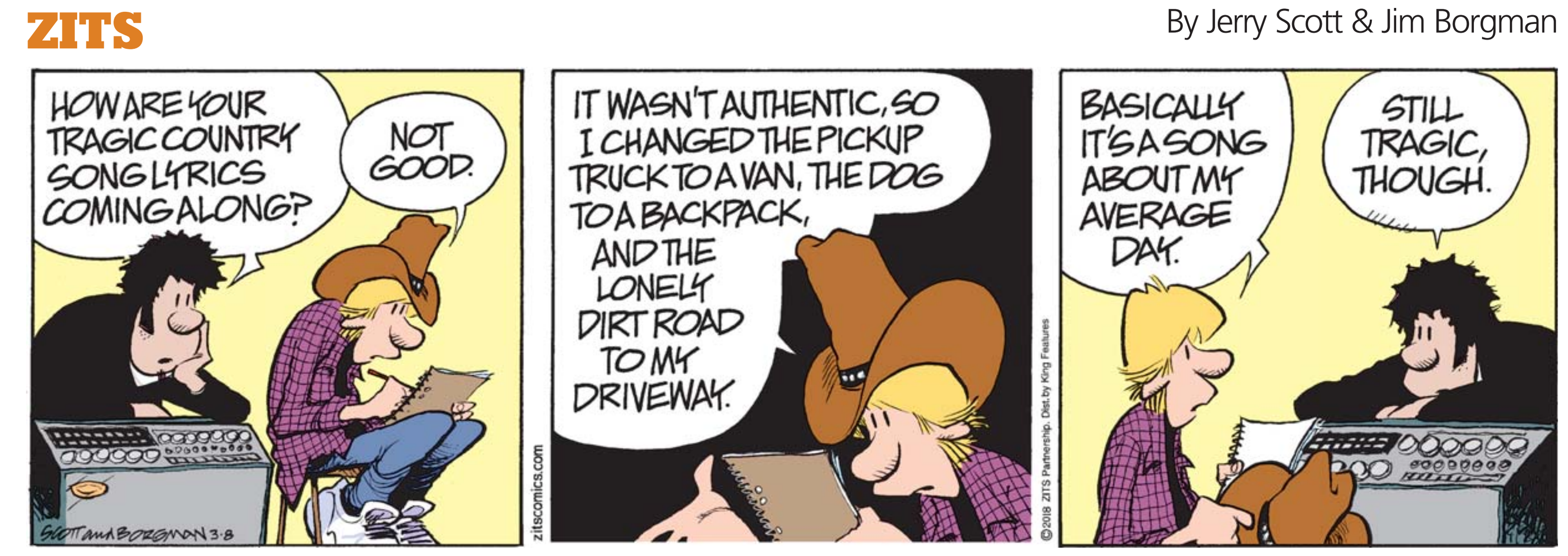

श्रीलंका क्रिकेट के दिग्गज सनथ जयसूर्या ने अपने पद से हटने का फैसला कर लिया है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन और सुपर-8 में बगैर जीत से बाहर होने के बाद जयसूर्या ने बड़ा कदम उठाया। -सनथ जयसूर्या

श्रीलंका क्रिकेट के दिग्गज और हेड कोच, इंग्लैंड सीरीज के दौरान बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **जेमिमा रोड्रिग्स**

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने महिला टी-20 मुंबई लीग की शुरुआत कर दी है। मेंस की टी-20 मुंबई लीग की तर्ज पर होने वाली इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता के लिए 3 टीमों की बिक्री से को एसोसिएशन 4 करोड़ रुपए से ज्यादा की आय हुई है। लीग का आयोजन 1 से 15 जून के बीच हो सकता है। महिला लीग में कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें तीन आइकन खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें जेमिमा रोड्रिग्स, सायमा ठाकोर और सयाली सतघरे के नाम प्रस्तावित हैं। हालांकि इनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला होगा। यह लीग सिर्फ मुंबई की महिला क्रिकेटरों के लिए होगी।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

भारत टी-20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, संजू के नाबाद 97 रन

पहला सेमीफाइनल 4 मार्च

दक्षिण अफ्रीका व न्यूजीलेंड के बीच होगा

कोलकाता, 1 मार्च। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब टीम 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर अंतिम-4 का टिकट पक्का किया। संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा नाबाद 97 रन बनाए।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। रोस्टन चेज (40) और जेसन होल्डर (नाबाद 37) ने अहम योगदान दिया, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट झटके।

196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत डगमगाई। अभिषेक शर्मा और ईशान किशन 10-10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तिलक वर्मा ने 15 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंदों में 18 रन जोड़े। लेकिन, संजू सैमसन एक छोर से टिके रहे। उन्होंने सूर्यकुमार यादव 35 बॉल पर 58 रन की साझेदारी करके भारतीय पारी को संभाला। इतना ही नहीं, उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 42, हार्दिक पंड्या के साथ 38 और शिवम दुबे के साथ नाबाद 20 की साझेदारी करके भारत को 19.2 जीत दिला दी।

वी पोलो ने जीता राजस्थान टूरिज्म पोलो कप

जयपुर, 1 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत रविवार को राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल्स) के लिए राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फाइनल मुकाबला हुआ।

यह फाइनल की टक्कर टीम वी पोलो और टीम सैंटे एमईएसएमई के बीच हुई, जिसमें टीम वी पोलो विजेता बनी। टीम वी पोलो ने टीम सैंटे एमईएसएमई को 8-6.5 के स्कोर से शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट के लिए मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का खिताब टीम वी पोलो से निमित मेहता ने जीता।

इस अवसर पर विजेता टीम को महाराज नरेंद्र सिंह, दिग्विजय सिंह और विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने ट्रॉफी प्रदान की। विजेता टीम वी पोलो से निमित मेहता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल किए। वहीं, मुकेश सिंह, विशाल सिंह राठौड़ और गोंजालो यांजों प्रत्येक खिलाड़ी ने 1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम सैंटे एमईएसएमई से युवा खिलाड़ी डीनो धनखड़ ने 3 गोल हासिल किए। एलन शॉन माइकल ने 2 गोल और लांस वाटसन ने 1 गोल किया।

टीम से हेमंत कसाना भी खेले। यहां टीम सैंटे एमईएसएमई को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। सोमवार, 2 मार्च से एसएमएस गोल्ड वास कप टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। इस कप का फ़ाइनल रविवार, 8 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान-इंग्लैंड डोमेस्टिक मैच रद्द

सुरक्षा हालात के चलते फैसला लिया गया, खिलाड़ी होटल में ही रहेंगे

कराची, 1 मार्च। अमेरिका, इजराइल और ईरान जंग के बीच पाकिस्तान शाहीन्स और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा वनडे रद्द कर दिया गया है। रविवार को यह मैच अबू धाबी में खेल जाना था। क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि आज होने वाला मुकाबला रद्द कर दिया गया है।

सभी खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को होटल के अंदर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। आज कोई अभ्यास सत्र भी नहीं होगा। अधिकारी ने बताया कि यह फैसला इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड की सलाह पर लिया गया।

बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 185 रन से हराया, सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया

नई दिल्ली, 1 मार्च। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय महिला टीम को वनडे सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। आखिरी मुकाबले में कप्तान एलिसा हीली ने अपने अंतिम वनडे में 98 गेंद पर 158 रन बनाकर टीम को 409 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में भारतीय टीम 45.1 ओवर में 224 रन ही बना सकी और 185 रन से मैच हार गई।

हीली दूसरी ही महिला क्रिकेटर हैं जिन्होंने आखिरी मुकाबले में शतक बनाया है। उनसे पहले ऐसा साउथ अफ्रीका की जोहमारी लॉटेगबर्ग ने 2007 में किया था। उन्होंने नीदरलैंड्स के सामने शतक लगाया था। हीली ने 27 चौके और 2 सिक्स लगाए होबॉर्ट के बेलरिव ओवल में खेले गए इस मुकाबले में टॉस भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीता। हीली के आखिरी वनडे की वजह से मैच की शुरुआत खास माहौल में हुई। भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शुरुआत में रेणुका सिंह ने मेडन ओवर डाला, लेकिन इसके बाद हीली ने तेजी से रन बनाना शुरू कर दिया। हीली ने 49 गेंद में फिफ्टी पूरी की और 79 गेंद में शतक जड़ा। उन्होंने अपनी पारी में 27 चौके और 2 छक्के लगाए। 100 से 150 रन तक पहुंचने में उन्हें सिर्फ 16 गेंद लगीं। वह वनडे में दो बार 150 से ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी बनीं। 13.3 ओवर बाकी रहते वह 158 रन बनाकर आउट हुईं । हीली के साथ बेथ मूनी ने भी शानदार बल्लेबाजी की। मूनी ने 84 गेंद पर नाबाद 106 रन बनाए। यह उनका छठा वनडे शतक रहा। दोनों के बीच 145 रन की साझेदारी हुई। निकोला कैरी ने अंत में 15 गेंद पर नाबाद 34 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 409 रन बनाए। भारत की स्नेह राणा ने 2 विकेट लिए, लेकिन श्री चरणी सहित तीन गेंदबाजों ने 80 से ज्यादा रन दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही।

राजीव गांधी क्लब ने जयपुर क्लब को हराया

जयपुर, 1 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी स्मृति ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में राजीव गांधी क्लब ने जयपुर क्लब को 8 रनो से हराया। आज प्रातः राजीव गांधी क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मनय कटारिया के 16 रन शिफॉन खान के 79 रन, श्याम सुंदर के 37 रन, मनन सिंह के 77 रन व विजय शर्मा के 24 रनो से 50 ओवर में 300 रन बनाकर आउट हुई। जयपुर क्लब के लिए मोंटी जायसवाल ने 55 पर 4, हर्षित शर्मा ने 48 पर 3, मोहम्मद खूबेब ने 65 पर 2 व निरंजन शर्मा ने 45 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर क्लब की टीम विवेक सैनी के 91 रन, दक्ष कासलीवाल के 27 रन, अर्णव गौतम के 39 रन, कुशाग्र ओझा के 71 रन व लोहित केवलिया के 36 रनो से 48.4 ओवर में 292 रन बनाकर आउट हो गई। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब के लिए राहुल चौधरी ने 61 पर 3, आयुष गुर्जर ने 49 पर 3, मनय कटारिया ने 63 पर 2 व विजय शर्मा ने 58 पर एक विकेट लिया।

आस-पास

'धार्मिक आयोजन केवल आस्था का विषय नहीं, एकता का भी प्रतीक हैं'

- **आमजन निर्भीक होकर अपने कार्य करें, पुलिस हर परिस्थिति में उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है - एसपी विश्नोई**

पावटा। गांव भूरी भडाज के प्राचीन रामेश्वर महादेव, हीरामल बाबा मन्दिर ढाणी मंगलदास वाली भूरी भडाज में रविवार को दसवा विशाल भंडारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन एडीजे एसओजी डायरेक्टर विशाल बंसल व जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई के मुख्य आतिथ्य व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीपधनकडकी अध्यक्षतामें किया गया। वही आयोजक बालदास स्वामी, शंकरलाल स्वामी, कैलाश स्वामी, रामकरण स्वामी, मुकेश स्वामी द्वारा आगंतुक अतिथियो को माला व साफा पहनाकर व प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आयोजक शंकरलाल स्वामी ने बताया कि इस मौके पर दूर दराज से पधारे संत शिरोमणि व औद्योगिक क्षेत्र सहित आस पास के क्षेत्र से हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के मंदिर में धोक लगाकर मन्नौतीमांगतेहुए भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। वही हरियाणा प्रसिद्ध गायक अमित चौधरी एण्ड पार्टी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति दी गई।

इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीपधनकडसहित आगंतुक अतिथियों ने ग्रामवासियों द्वारा किये गए स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। विधायक धनकड ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को सशक्त करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे, सौहार्द और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। विधायक धनकड ने कहा, धार्मिक आयोजन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक हैं। ऐसे कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ने का अवसर मिलता है। क्षेत्रवासियों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारी परंपराएं आज भी जीवंत हैं। वही उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को लेकर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार के सहयोग से विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं स्वीकृत एवं प्रगति पर हैं।

विधायक ने दावा किया कि सड़क, पेयजल, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, जिनका लाभ सीधे आमजन को मिल रहा है। विधायक ने बताया कि क्षेत्र में उच्च जलाशय निर्माण, नई पाइप लाइन बिछाने, ग्रामीण सड़कों के नवीनीकरण तथा मुख्य मार्गों के चौड़ीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नए सब-स्टेशन की स्वीकृति एवं ग्रिड विस्तार की प्रक्रिया भी जारी है। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालयों के भवनों का विस्तार, अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण और विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने किया विकास कार्यों का लोकार्पण

- **यह समारोह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप भरतपुर शहर के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से आयोजित किया**

भरतपुर, (निस)। झाबर सिंह खर्रा एक दिवसीय दौरे पर भरतपुर पहुंचे, जहां उन्होंने नगर निगम द्वारा आयोजित भव्य 'लोकार्पण एवं शिलान्यास' समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम में शहर के विकास को नई दिशा देने वाली कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। यह समारोह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप भरतपुर शहर के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहरों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भरतपुर की जनता को करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात दी गई। इनमें प्रमुख रूप से डीसेन्ट्रलाइज सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (अमृत 2.0) 40.80 करोड़ रुपये, अनाह गेट से गणेश मंदिर तक कनाल निर्माण एवं कुंडा विकास 1321.47 लाख रुपये, आर.टी.ओ. मोड़ से हीरादास चौराहा तक ओपन एवं बॉक्स ड्रेन निर्माण 811.05 लाख रुपये, मॉडर्न कचरा ट्रांसफर स्टेशन 693.39 लाख रुपये, नगर निगम कार्यालय में स्मार्ट सेवा केंद्र 2.0 30 लाख रुपये। मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से शहर की जल निकासी व्यवस्था (ड्रेनेज सिस्टम) में सुधार होगा, स्वच्छता प्रबंधन मजबूत होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। विशेष रूप से 'स्मार्ट सेवा केंद्र 2.0' के माध्यम से आमजन को नगर निगम से जुड़े कार्यों में अधिक पारदर्शिता और सुगमता प्राप्त होगी। इस दौरान कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कमर चौधरी संभागीय आयुक्त नलीनि कठौतिया सहित नगर निगम के आयुक्त श्रवण कुमार बिश्नोई सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मातृ सम्मेलन का आयोजन

गोविन्दगढ़ / अलवर । भारतीय आदर्श विद्यापीठ उच्च प्राथमिक विद्यालय गोविंदगढ़ मातृ सम्मेलन का हुआ आयोजन 1 मार्च 2026 रविवार को दोपहर 1 बजे कार्यक्रम सुरु हुआ ।दीप प्रचलित कर सरस्वती वंदना हुई उसके बाद कार्यक्रम निरन्त चलता रहा सांस्कृति कार्यक्रम किए गए नारी शक्ति के बारे में कार्यक्रम किए गए और नारी शक्ति का महत्व बताया गया कि आज की नारी पुरुषों के बराबर काम कर रही ही नोकरी भी ओर घर भी चला रही ।भारत वह देश है जहाँ नारियों का सम्मान किया जाता है।लोक नृत्य कहानी और होली के उपलक्ष में भी कार्यक्रम किए गए क्योंकि भारत देश एक रंग से भरा हुआ मुख्य अतिथि मंजू शर्मा बंता शर्मा पूर्व सरपंच ,रोशन लाल खत्री ,रोशन लाल सैनी ठेकेदार , मीनू सेमला वाले चेयरमैन पद के भावी उम्मीदवार नगर पालिका गोविन्दगढ़-रामबास , ब्रह्माकुमारी मिथिलेश दीदी आदि अतिथि गण माला और सोल पहन कर सभी अतिथि गणों का स्वागत किया गया तू कितनी अच्छी है मैं इसके ऊपर भी नन्ही नन्ही बच्चियों ने मा तू कितनी अच्छी है गीत पर नृत्य किया ।ओर जुल्म कर डालो गीत पर भी बचियो ने नृत्य किया । दानदाताओं ने स्कूल संस्था को दान राशि प्रदान की गई।

सार-समाचार

होली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

शाहपुरा । रविवार को बाल मित्र ग्राम बनीपार्क,बागावास अहिरान, ठीकरिया में होली का उत्सव केवल रंगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह करूणा, भाईचारे और सामाजिक जागरूकता का सशक्त संदेश बनकर उभरा। सत्यार्थी मूवमेंट फोर ग्लोबल कम्पैशन, बाल आश्रम के सहयोग से बाल आश्रम सह-संस्थापिका सुमेधा कैलाश के निर्देशन में आयोजित करूणामय होली स्नेह मिलन समारोह ने ग्रामीणों के दिलों को जोड़ने का कार्य किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक अंदाज में हुई, लेकिन यहां रंगों की होड़ नहीं, बल्कि सादगी और संवेदनशीलता का रंग प्रमुख रहा। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को गुलाल से तिलक लगाया, लड्डू खिलाए और गले मिलकर अपने गिले-शिकवे भुला दिए। इस अवसर पर बाल आश्रम प्रबंधक आदेश कुमार शर्मा ने कहा कि होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि जब हम त्योहारों को करूणा और जिम्मेदारी से जोड़ते हैं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव स्वतः दिखाई देने लगता है। समारोह के दौरान रासायनिक रंगों के बहिष्कार, होली पर पानी का अपव्यय रोकने और नशामुक्त होली मनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम से सामाजिक चेतना, जल संरक्षण, नशामुक्ति और आपसी सहयोग तथा गले मिल कर मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर बाल आश्रम संस्थापिका सुमेधा कैलाश ने कहा कि होली स्नेह मिलन कार्यक्रम इस बात का प्रतीक है कि सच्चे रंग वही हैं, जो दिलों को जोड़ें, समाज को मजबूत करें और एक दूसरे को साथ लेकर चलते हुए मानवता को आगे बढ़ाएं।

डीसीएए कार्यकारिणी का गठन

दौसा। दौसा जिले के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की आधिकारिक संस्था, दौसा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन चुनाव आज संपन्न हुए। चुनाव के साथ ही संस्था द्वारा आयोजित फागोत्सव एवं होली मिलन समारोह में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मीडिया प्रभारी सीए अंकित गुप्ता ने बताया कि नई कार्यकारिणी में सीए बृजेश अग्रवाल को अध्यक्ष, सीए पीयूष शर्मा को महासचिव और सीए पूर्वी खंडेलवाल को कोषाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पदों पर निर्वाचित किया गया है। संस्था की मजबूती के लिए अनुभवी टीम का गठन किया गया है, जिसमें मुख्य संरक्षक सीए एन. के. जैन, संरक्षक सीए दीपक चौधरी, मुख्य सलाहकार सीए भवानी शंकर गुप्ता, उपाध्यक्ष सीए गौरव खंडेलवाल, सीए मनोज शर्मा, सीए गोपाल लाल गुप्ता, सीए अर्पित गुप्ता, जॉइंट सचिव सीए राहुल खंडेलवाल, अतिरिक्त सचिव सीए नवीन खंडेलवाल, अन्य पदो पर सीए अनुभा खंडेलवाल और सीए चंद्रेश खंडेलवाल को विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाएँ सौंपी गई हैं। इसके साथ ही सीए अंकुर झलानी, सीए हितेश खंडेलवाल, सीए वाहिद खान, सीए दीपक पांचाल और सीए राहुल गुप्ता को कार्यकारी सदस्य के रूप में टीम में शामिल किया गया है।

देवली शहर में होली 2 मार्च को

देवली। इस वर्ष मनाए जाने वाला रंगों का त्यौहार होली और धुलण्डी मानने को लेकर कई दिनों से असजंमस की स्थिति बनी हुई थी। जो रविवार को स्पष्ट हो गई की। रंगों से खेले जाने वाला त्योहार 4 मार्च बुधवार को मनाया जाएगा। शहर के भगवान गुरु कृपा संस्थान के पंडित मुकेश गौतम ने होली की तिथियों को लेकर व्याप्त भ्रम को दूर करने के लिए घोषणा की है कि। इस बार होली दहन के बाद रंगों से खेले जाने वाला त्योहार धूलंडी 3 मार्च मंगलवार को नहीं मनाया जाएगा। इस बार रंगों का यह त्योहार धूलंडी 4 मार्च बुधवार को मनाई जाएगी। इसलिए की 3 मार्च को चंद्र ग्रहण रहेगा। इसी कारण इस बार के होली त्यौहार को मनाए जाने को लेकर लोगों में भ्रम फैला हुआ था कि। होली दहन के बाद धुलण्डी कब मनाई जाए इसको लेकर व्यापार महासंघ समेत संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई।

फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट होने से लगी आग

निवाई। बहकवा मोड पर स्थित बालाजी मेटा कास्ट फैक्ट्री में रविवार को सुबह 9:46 बजे शॉर्ट सर्किट हो जाने से अचानक आग लग गई। जिससे फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। जिसको लेकर फैक्ट्री के कर्मचारियों ने फायर स्टेशन पर आग लगने की सूचना दी। सूचना पर फायरमैन अजय यादव व लक्ष्मीनारायण गुर्जर मौके पर पहुंचे और दमकल से आग पर काबू पाया। फायरमैन अजय यादव ने बताया फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई।

सवर्ण समाज ने निकाली रैली, राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने का किया प्रयास

- **यूजीसी एक्ट के विरोध में जन आक्रोश रैली निकाली**
- **हजारों की संख्या में शामिल सवर्ण समाज के लोगो ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया तथा यूजीसी एक्ट को वापस लेने की मांग की**

दौसा। सवर्ण समाज के तत्वावधान में रविवार को यूजीसी एक्ट के विरोध में जन आक्रोश रैली निकाली गई, रैली सहजनाथ महादेव मंदिर से रवाना होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां हजारों की संख्या में शामिल सवर्ण समाज के लोगो ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया तथा यूजीसी एक्ट को वापस लेने की मांग की। वही दूसरी ओर गुस्साए सवर्ण समाज के युवाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने का भी प्रयास किया, लेकिन भारी पुलिस जाप्ते के चलते सफल नही हुए, इसके बाद गुस्सायें युवाओ ने कलेक्ट्रेट में भी घूसने का प्रयास किया। इधर सवर्ण समाज ने रैली के दौरान यूजीसी कमेटी में शामिल 16 सवर्ण नेताओ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुतला फूंका तथा भाजपा के झंडे की आहुति देकर रोष व्यक्त किया। रैली को रवाना करने से पूर्व सवर्ण समाज की कमेटी वैद्य लक्ष्मीकांत शर्मा, कैलाश भारद्वाज, मनोहर लाल गुप्ता, देवेंद्र शर्मा, शिवचरण भड़ाना, एडवोकेट राजेश शर्मा, एडवोकेट राजकुमार तिवाड़ी, माधोसिंह चौहान, कुबेर सिंह राजावत, रमेश लाटा, उर्मिला जोशी, शीतल चौबे, घनश्याम रावत, रुक्मिणी गुप्ता, दीपक हरियाणा, मनोज बेवाल, दीपक चौधरी, बबली महसरा, जगदीश भारद्वाज, बल्या जोशी, अवधेश उपाध्याय, राजेन्द्र शर्मा कुंडल, प्रवीण शर्मा, बलराम शर्मा, दीपक निर्झरना, मोहन लाल तिवाड़ी, शिव कुमार जोशी, रामगोपाल बुटोली, सुरेश सोती, राकेश शर्मा सहित अन्य ने भगवान सहजनाथ महादेव की विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना के बाद आक्रोश रैली को रवाना किया। हजारों की संख्या में शामिल सवर्ण समाज के युवा एवं बुजुर्ग हाथों में तख्तियां लेकर चल रहे थे तथा सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए चल रहे। उमड़े सैलाब के चलते शहर की यातायात व्यवस्था चौपट हो गई, यातायात को सुचारू करने के लिए यातायात पुलिसकर्मियों को भारी मशक्कत नही पडी। रैली सहजनाथ महादेव मंदिर से सीधे गांधी तिराहा पहुंची जहां पर युवाओं ने यूजीसी एक्ट एवं भाजपा के झंडे की होली जलाई, वही यूजीसी कमेटी में शामिल सवर्ण नेताओ एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। इसके बाद रैली आगरा रोड, सोमनाथ चौराहें होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची। जहां सवर्ण समाज के लोगो ने जमकर प्रदर्शन किया तथा गुस्साए युवाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवरूद्ध करने का भी प्रयास किया, इस दौरान पुलिस व प्रदर्शनकारियो के बीच हल्की झड़प भी हुई। भारी पुलिस जाप्ते के चलते युवा राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध नही कर पाए। पुलिस अधिकारियों की समझाईश के बाद गुस्साए लोग पुनः कलेक्ट्रेट के आगे आ गए, जहाँ केंद्र के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए यूजीसी बिल वापस लेनी की मांग की। इधर कमेटी के सदस्यों ने उपखंड अधिकारी संजू मीणा को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा। महिपाल सिंह भी पहुंचे रैली में, सवर्ण नेताओं के फूंके पुतले:- श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह भी आक्रोश रैली में शामिल हुए। श्री राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह के नेतृत्व मे हजारो की संख्या में सवर्ण समाज के युवाओं ने यूजीसी आयोग अध्यक्ष दिग्विजय सिंह, सदस्य रेखा शर्मा, विकास रंजन, घनश्याम तिवाड़ी, रचना बनर्जी, अभिजीत गंगोपाध्याय, संबित पात्रा, बांसुरी स्वराज, डॉ हेमांग जोशी, राजीव राय, करण भूषण सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, रविशंकर प्रसाद, सुमिता देव, टी सुमित, विनीत जोशी सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके तथा यूजीसी एक्ट की होली जलाई।

नेता प्रतिपक्ष जूली को मातृ शोक, सचिन पायलट ने अर्पित की श्रद्धांजलि

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की ।

अलवर/ जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की मां स्वर्गीय चलती देवी के निधन के दूसरे दिन उनके पैतृक गांव काठूवास स्थित निज निवास पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, सांसद संजना जाटव,पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया,भंवर सिंह भाटी, राव राजेंद्र यादव, उदय लाल आंजना, सुखराम बिश्नोई, विधायक गोपाल शर्मा, पीतराम काला,कांति मीणा, हंसराज पटेल, रामसहाय शर्मा, सुरेश मोदी, डीसी बेरवा,नरेंद्र बुडानिया, भगवानाराम सैनी,रामस्वरूप वर्मा, बालकनाथ, रीटा चौधरी, सुरेश मोदी, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, ज्ञान देव आहूजा, गंगा देवी, लाखन मीणा, रामस्वरूप कसाना, रामहेत यादव, महिपाल यादव, वेद प्रकाश सोलंकी, राजेंद्र गडूरा, चिरंजीवी राव, भरत सिंह ने पहुंचकर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की साथ ही शोकाकुल परिवार के सदस्यों से मिलकर उनको सांत्वना दी।

बांसवाड़ा-उदयपुर हाइवे पर चलती बस में आग लगी, यात्रियों ने कूदकर जान बचाई

आग लगने का कारण बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है

उदयपुर, (कासं)। सलूंबर जिले के झल्लारा थाना इलाके में रविवार सुबह बडा हादसा हो गया। बांसवाडा से उदयपुर जा रही एक चलती स्लीपर कोच बस अचानक आग का गोला बन गई। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली कि पूरी बस जलकर राख हो गई। गनीमत यह रही कि समय रहते बस में सवार ड्राइवर, क्लीनर और अन्य लोगों ने नीचे उतरकर अपनी जान बचा ली, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यह घटना झल्लारा थाना क्षेत्र के बांसवाड़ा-उदयपुर मार्ग पर गरडा गांव में सुबह करीब छह बजे हुई। यह आशापुरा ट्रैवल्स की मुल्तानी सोना बस थी। हादसे के वक्त बस में कुल पांच सवारी बैठी हुई थी। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने का कारण बस के इंजन से शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

■ **ड्राइवर, क्लीनर और अन्य लोगों ने नीचे उतरकर अपनी जान बचा ली, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया**

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस अपनी रफ्तार में चल रही थी कि तभी अचानक उसमें से धुआं निकलने लगा। जब तक कोई कुछ समझ पाता, आग की लपटों ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाई और तुरंत बस को सड़क किनारे रोका। बस में सवार लोग जैसे-तैसे बाहर निकले, जिसके कुछ ही देर बाद बस पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही झल्लारा थाना अधिकारी जय किशन फुलवारिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत सुरक्षा के लिहाज से सड़क के दोनों तरफ ट्रैफिक रुकवा दिया। आग इतनी विकराल थी कि स्थानीय स्तर पर उसे बुझाना संभव नहीं था। आनन-फानन में सलूंबर से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस का केवल लोहे का ढांचा ही बचा था।

इस हादसे की वजह से बांसवाड़ा-उदयपुर हाईवे पर आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। बीच सड़क पर जलती बस और धुआं होने के कारण पुलिस ने वाहनों को दूर ही रोक दिया। इसके चलते सड़क के दोनों छोरों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यात्री और राहगीर करीब डेढ से दो घंटे तक जाम में फंसे रहे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि चलती बस में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी या कोई और तकनीकी खराबी थी।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। आसपुर थाना इलाके के पूंजपुर नागेश्वरी मंदिर के पास एक मार्बल ट्रोला बीच सड़क पर खराब हो गया। जीप और ईको कार पीछे से ट्रोले से भीड़ गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो की हालत नाजुक है। दोनों घायलों को डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती करवाया है। डॉक्टर ने हालत गंभीर होने से एक को रेफर कर दिया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है। पुलिस सूत्रो के अनुसार बताया कि मार्बल से भरा एक ट्रॉला डूंगरपुर की ओर जा रहा था। पूंजपुर नागेश्वरी मंदिर के पास आधी रात के समय ट्रोला खराब होने से सड़क पर ही खड़ा हो गया। रविवार तड़के सड़क पर खड़े ट्रॉले से एक क्रुजर जीप और ईको कार पीछे से टकरा गए। हादसा इतना दर्दनाक था कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम अनिल निवासी मुंगाना बताया जा रहा है। वहीं इको कार सवार राकेश ननोमा मीणा निवासी जगलादा मुंगाना और क्रुजर सवार ईश्वर पुत्र भंवरलाल तावेड निवासी लोदिया मुंगाना पारसोला घायल हो गए। दोनों घायलों को गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। डॉक्टर ने जांच के बाद राकेश की हालत गंभीर होने से उसे रेफर कर दिया गया है। जबकि ईश्वर का इलाज चल रहा है। हादसे में क्रुजर जीप और ईको भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। शव को आसपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है।

अलवर : अशोक लीलैंड के प्लांट में भीषण आग लगी

■ **हादसा उस समय हुआ, जब फैक्टरी के पेंट सेक्शन में काम चल रहा था**

■ **आग जिस हिस्से में लगी, वहां कई कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद थे, कोई जनहानि नहीं हुई**

■ **शॉर्ट सर्किट या ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है**

अलवर, (निसं)। अलवर के मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ट्रक-बस निर्माण कंपनी अशोक लीलैंड के प्लांट में शनिवार रात भीषण आग लग गई। हादसा रात करीब साढ़े दस बजे उस समय हुआ, जब फैक्टरी के पेंट सेक्शन में काम चल रहा था। आग जिस हिस्से में लगी, वहां कई कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि आग पेंटिंग एरिया में भड़की, जहां ट्रक और बसों पर पेंट का कार्य किया जाता है। आग लगते ही फैक्टरी प्रबंधन ने तुरंत कर्मचारियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की। कुछ ही मिनटों में सभी वर्कर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार जिस स्थान पर आग लगी, उसके पास ही ट्रकों और बसों की कई चेचिस रखी हुई थी। आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही थी और दूर से दिखाई दे रही थी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब एक से डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कंपनी की ओर से आग लगने के कारण और हुए नुकसान को लेकर आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है।

दादा की हत्या करने वाला पोता गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने दादा की हत्या करने के मामले में छह माह से फरान इनामी पोते को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 14 अगस्त 2025 को पीड़ित सोहनसिंह पुत्र भंवरसिंह निवासी स्वरूपजी की भागल साछा सायरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरे पिता भंवरसिंह पुत्र कुशालसिंह सवेरे सेवाला खेत पर घास काटने गए थे, जहां से वापस नहीं लौटे। जिनको ढूंढने के लिए खेत पर जाकर देखा तो पिता की लाश खेत पर पड़ी थी जिनके सिर पर चोट के निशान थे। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर सायरा थानाधिकारी मय टीम ने कार्रवाई करते हुए धुलसिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह निवासी स्वरूपजी की भागल सादड़ा को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी को पिछा करते पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में धूलसिंह ने बताया कि दादा टोना-टोटका करते थे मुझे शंका थी कि मेरे पिता को दादा ने मारा। इसके चलते उनकी हत्या की।

22 किलो गांजा सहित दो पुरूष व पांच महिला तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। जीआरपी पुलिस टीम ने कोटा स्टेशन पर गश्त चैकिंग के दौरान सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 22 किलो 798 ग्राम गांजा सहित दो पुरूष व पांच महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है।

जीआरपी थानाधिकारी सोमेन्द्र कुमार ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक रेलवे सुमित विश्वास, आईजी रेलवे अजयपाल लांबा और पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर नरेन्द्र सिंह के निर्देशन में होली पर्व को देखते हुए अवैध मादक पदार्थ अवैध हथियारों की तस्करी की रोकथाम हेतु निर्देश दिये गये हैं। जीआरपी थानाधिकारी ने बताया कि मय जाब्ता कोटा स्टेशन पर गश्त व चैकिंग के दौरान सूचना मिली कि कोटा रेलवे स्टेशन पर दो पुरूष व पांच महिलाएं जिनके साथ बच्चे भी है, जो ट्रेन से अंता बारां की ओर रवाना होने वाले हैं, जिनके पास कोई संदिग्ध सामान भी है। सूचना पर कोटा रेलवे स्टेशन पर गहनता से तलाश करते हुए प्लेटफार्म नम्बर तीन पर स्थित प्रतिक्षालय में दो पुरूष व पांच महिलाएं उनके साथ बच्चे सोते हुए मिले।

थानाधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान संदेह होने पर पांचों को डिटेन कर उनके पास मौजूद सामानों की तलाशी ली तो सभी के पास मौजूद सामानों से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ, पुलिस कार्रवाई में कुल 22 किलो 798 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला बारां के ग्राम बालखेड़ा निवासी सुरेन्द्र, उसकी पत्नी बिमला बाई, ग्राम सहरिया बस्ती निवासी पवन, उसकी पत्नी काजल, एवं संगीता बाई, मन्दौर व संजू को गिरफ्तार किया। पकड़े गये तस्करों से अनुसंधान जारी है।

शराब बनाने की भट्टियां तोड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 1500 लीटर महुआ वॉश नष्ट किया है।

पुलिस ने नदी के किनारे बनी शराब की भट्टियां भी तोड़ दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पुलिस की टीम मोरन नदी के किनारों पर पहुंची और दबिश दी। पुलिस को देखते ही शराब बनाने वाले भाग गए। पुलिस ने अलग-अलग 5 जगहों पर कार्रवाई को अंजाम दिया। नदी के किनारों पर भट्टियां बनाकर देसी महुआ शराब बनाई जा रही थी। भट्टियों पर मटकों से पाइप जोड़कर देशी शराब तैयार हो रही थी। वही प्लास्टिक ड्रमों में भरा करीब 1500 लीटर महुआ वॉश को नष्ट किया गया।

किराये के कमरे में छिपाकर रखा 18 किलो गांजा जब्त, तस्कर को पकड़ा

कमरे में रखे पलंग के भीतर से गांजे के नौ पैकेट बरामद हुए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस की विशेष टीम और कोतवाली थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने शहर की पंचवटी कॉलोनी में एक किराये के कमरे पर दबिश देकर 18 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसने नशे की खेप को पलंग के अंदर सुरक्षित छिपा रखा था।

जानकारी के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारसमल जैन के सुपरविजन व पुलिस उप अधीक्षक (शहर) सज्जन सिंह के मार्गदर्शन में कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि पंचवटी कॉलोनी के एक मकान में अवैध मादक पदार्थ का भंडारण किया गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने अभिषेक व्यास के मकान में दबिश दी। यहां किराये पर रह रहे कैलाश चन्द्र जाट (31) निवासी रूपालिया (मंगरोप) के कमरे की सघन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कमरे में रखे पलंग के भीतर से नौ पैकेट बरामद हुए, जिनमें कुल 18 किलो अवैध गांजा भरा हुआ था। पुलिस ने अवैध गांजा जब्त कर आरोपी कैलाश चन्द्र जाट को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में प्रकरण दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और नशे की सप्लाई चेन का पता लगा रही है।

पिकअप हादसे में अब तक चार जनों की मौत, 11 का उपचार जारी

हादसे में मौके पर ही दो चचेरे भाइयों और भतीजे की मौत हो गई थी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा में तेज रफ्तार पिकअप के पेड़ से टकराने से हुये हादसे में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। घायल का एमबी अस्पताल में इलाज चल रहा था। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 11 लोगों की हालत गंभीर है।

■ **हादसा गोगुंदा-झाडोल मार्ग पर मजावद के पास शनिवार को हुआ**

जानकारी के अनुसार हादसे में मौके पर ही दो चचेरे भाइयों और भतीजे की मौत हो गई थी। हादसे में 13 बच्चों समेत 30 लोग घायल हुए थे। पिकअप में 40 लोग सवार थे। इनमें बच्चे और महिलाएं अधिक थी। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम के बाद चारों के शव परिजनों को सौंप दिए। हादसा इतना भयानक था कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए थे। लोग उछलकर सड़क पर गिर गए थे। कुछ लोग गड्ढे में जा गिरे थे। घटना गोगुंदा-झाडोल मार्ग पर मजावद की शनिवार शाम करीब सात बजे की है।

डीएसपी गोपाल चंदेल ने बताया कि हादसे में लखमाराम (39) पुत्र भुराजी गमेती, नेमीचंद (35) पुत्र नान लाल गमेती और पंकज (9) पुत्र भंवरलाल गमेती की मौत हो गई थी। लखमा राम और नेमीचंद दोनों चचेरे भाई थे। पंकज उनका भतीजा था। तीनों मोडवा गांव के रहने वाले थे। इलाज के दौरान रविवार सुबह एमबी अस्पताल में रूपा (55) पिता रूपलाल गमेती की मौत हो गई। घायलों में 13 बच्चे, 9 महिलाएं, 8 युवक शामिल हैं। इनमें से 11 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुए सभी लोग मोडवा गांव के रहने वाले हैं। सभी लोग बगडुंदिया गए थे। सांवरलाल के यहां शादी से पहले कपड़े लेकर गए थे। पिकअप में पन्ना लाल गमेती का परिवार एक साथ बैठकर गया था। गाड़ी को ड्राइवर काफी तेज चला रहा था। शायद ड्राइवर नशे में था और गाड़ी पेड़ से जाकर टकराई।

घायलों की कुशलशेम और इलाज की जानकारी लेने कांग्रेस प्रदेश महासचिव लालसिंह झाला, पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया रविवार को महाराणा भूपाल चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर, इमरजेंसी आईसीयू, न्यूरो सर्जरी वार्ड में पहुंचे और हादसे में हुए घायल लोगों को देखा और चिकित्सालय प्रबंधक व संबंधित वार्ड के डॉक्टर्स से कहा कि इलाज में ब्लड या दवाइयों की किसी भी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए। इस दौरान देहात कांग्रेस सचिव टीटू सुथार, प्रेमशंकर, किशन गमेती, डालू, नानालाल आदि उपस्थित थे।

चलती बस में वृद्धा के नगदी व गहने चोरी

सीकर, (निसं)। जयपुर से सीकर आ रही एक बुजुर्ग महिला के जेवर और रुपए चलती बस में चोरी हो गए। महिला ने पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार डीडवाना निवासी 60 साल की महिला अंतर कंवर ने चौमूं पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें बताया कि 24 फरवरी को जयपुर से रोडवेज बस में बैठकर वह चौमूं पुलिया से सीकर के लिए आ रही थी। रास्ते में चौमूं के पास उसने जब बैग संभाला तो उस बैग में से 15-20 हजार रुपए सहित लाखों रुपए के सोने के जेवरात गायब मिले। जेवरात में गले का हार, सोने की अंगूठी सहित आभूषण शामिल थे। चौमूं पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर दर्ज करके इसे रींगस पुलिस थाने में ट्रांसफर कर दिया। रींगस पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग महिला के अनुसार वह अकेली थी, इसलिए उन्हें मुकदमा दर्ज करवाने में काफी देरी हुई। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

अफीम की फसल जब्त की

उदयपुर, (निसं)। खेरोदा थाना पुलिस ने "ऑपरेशन त्रिनेत्र" अभियान के दौरान अवैध अफीम खेती की फसल जब्त कर एक हिस्ट्रीशिटर को गिरफ्तार किया। खैरोदा थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित दल ने बद्रीलाल पुत्र हिरालाल निवासी बांसड़ा खेरोदा के खेत में गेहूं की आड में अवैध अफीम की फसल उगा रखी होने की प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर मौके पर पहुंच कर दबीश देकर गेहूं की फसल के बीच में उगा रखे अवैध अफीम के 25 किलो 390 ग्राम वजनी 227 पौध जब्त कर प्रकरण दर्ज कर आरोपी बद्रीलाल को गिरफ्तार किया।

निजी स्कूल के आवासीय क्वार्टर में महिला ने आत्महत्या की

सीकर, (निसं)। सीकर के दादिया थाना क्षेत्र में स्थित एक प्राइवेट स्कूल के आवासीय क्वार्टर में एक 29 साल की महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली यह घटना शनिवार को हुई, जब महिला का पति दिनेश और तीन साल की बेटी स्कूल से घर लौटे तो उन्हें महिला का शव फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस की मौजूदगी में रविवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मौत के कारणों का पता लगा रही है।

दादिया पुलिस थाने के धोलाराम के अनुसार मृतक महिला का नाम वंदना देवी (29) है, जो मूल रूप से हरियाणा के नारनौल की रहने वाली है। वह अपने पति दिनेश और 3 साल की बेटी के साथ सितंबर महीने में सीकर आई थी। दिनेश दादिया थाना इलाके के खोरी ब्राह्मणन गांव में स्थित एक स्कूल में टीचर है। स्कूल के क्वार्टर में ही दिनेश और उसका परिवार रहता था।

शनिवार को दिनेश और उसकी 3 साल की बच्ची दोनों स्कूल चले गए थे। शाम को जब वापस लौटे तो क्वार्टर का गेट अंदर से लॉक था। दिनेश ने आने के बाद काफी देर तक गेट खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद जब गेट तोड़कर अंदर देखा तो वंदना का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। हालांकि मौके पर कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में अब पुलिस मौत के कारणों का पता लगा रही है। दिनेश और वंदना की शादी को 6 साल हो चुके हैं।

चोरी की आरोपी नौकरानी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी नौकरानी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपिया के कब्जे से चुराये गये सोने के गहने बरामद किये हैं। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि 27 फरवरी को फरियादिया ने कुन्हाड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, रिपोर्ट में कहा कि मेरे दो बच्चे हैं, जिनकी देखरेख हेतु एक लड़की सीमा को मेरे घर काम के लिए

■ **पुलिस टीम ने आरोपिया के कब्जे से चुराये गये गहने बरामद किये**

लाया गया, जिसे मेरे द्वारा माह जुलाई (2025) से काम करने के लिए रखा गया। सीमा मेरे घर में बच्चों के स्कूल आने के समय से पहले आकर बच्चों को गाड़ी से रिसीव कर फ्लैट में लेकर आती है एवं बच्चों की देखभाल के साथ घर के काम भी करती है। मेरे घर की एक चाबी उसके पास रहती थी जिसे वो ले कर घर जाती थी। मेरे द्वारा दो दिन पहले किसी पूजा में जाने के लिए आलमारी से गोल्ड निकालने हेतु आलमारी खोली गई जिसमें से मेरे गले की चेन, एक नैकलेस एवं एक जोड़ी कंगन नहीं थे। मेरे घर में काम करने वाली सीमा के अतिरिक्त इस घर में मेरे गैर हाजरी में कोई आता-जाता नहीं है। इस वजह से मुझे शक है कि मेरी ज्वैलरी सीमा ही निकाल सकती है। उक्त रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया वारदात को खोलने के लिये पुलिस उपाधीक्षक डॉक्टर पूनम के सुपरविजन में कुन्हाड़ी थानाधिकारी कौशल्या के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबीर की सूचना पर नौकरानी सीमा डागर को गिरफ्तार किया गया।

बांसवाड़ा में 31 लाख रूपये का डोडा-चूरा सहित कार व कारतूद बरामद

नाकाबंदी के दौरान 11 कट्टों में 207 किलो अवैध अफीम डोडा-चूरा मिला

बांसवाड़ा, (निसं)। दानपुर थाना पुलिस ने "ऑपरेशन त्रिनेत्र" अभियान के तहत नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्रवाई कर 11 कट्टों में 207 किलो अवैध अफीम डोडा-चूरा एवं घटना में प्रयुक्त कार जब्त की है। अवैध डोडा-चूरा की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत लगभग 31 लाख रूपये आंकी गयी है। वहीं कार में एक जिन्दा व एक खाली कारतूस, तीन फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार संदिग्ध वाहन को पकड़ने के लिये प्रतापगढ़ एवं बांसवाड़ा जिले के अलावा मध्यप्रदेश राज्य के सीमावर्ती जिलों में अनेकों स्थानों पर नाकाबंदी की गयी थी। थानाधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के आदेशानुसार रेंज स्तरीय अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम के लिये विशेष अभियान त्रिनेत्र चलाया जा रहा हैं जिसके तहत जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी नरपत सिंह

दानपुर थाना पुलिस ने कार एवं अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया।

भाटी के सुपरविजन एवं वृताधिकारी गोपीचंद मीणा के निकट पर्यवेक्षण में थानाधिकारी वर्मा के नेतृत्व में दानपुर थाना पुलिस की टीम गठित की गयी। इस टीम ने प्रतापगढ़ क्षेत्र के सालमगढ़ थाने में चल रही पुलिस की नाकाबंदी तोड़कर कार से भागे तस्करों का पीछा करने पर तस्करों ने गांव खजूरी के माल क्षेत्र में कार छोड़ दी और भाग निकले। कार में 11 कट्टों में भरा हुआ 207 किग्रा अफीम डोडा-चूरा बरामद किया।

थानाधिकारी वर्मा ने बताया कि 28 फरवरी को रात्रि नौ बजे पुलिस कंट्रोल रूम से प्राप्त नाकाबंदी की सूचना पर वे स्वयं पुलिस टीम के साथ रवाना होकर गढ़ उकाला तिराहे पर पहुंचे और नाकाबंदी की। इसी दौरान संदेश मिला कि संदिग्ध कार कोतवाली बांसवाड़ा में कागदी रोड़ नाकाबंदी को देखकर वापस दानपुर की तरफ भाग निकली जिसने पाड़ला चौकी पर लगी नाकाबंदी को भी तोड़ दिया। इस पर दानपुर थाना पुलिस ने कटुम्बी पहुंचकर कार का लगातार पीछा किया एवं स्थानीय ग्रामीणों, पुलिस मित्र, ग्राम रक्षक एवं सीएलजी सदस्यों का नाकाबंदी में सहयोग लिया। जिस पर सख्त नाकाबंदी देखकर कार चालक कार को खजूरी के माल क्षेत्र जंगल में सुनसान जगह पर छोड़कर फरार हो गया। तलाशी में पुलिस को 11 कट्टे मिले।

डूंगरपुर में बेकाबू होकर ऑटो पलटा, चालक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थानान्तर्गत नवाटापरा के पास एक ऑटो बेकाबू होकर पलट गया। इस हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार दो महिलाओं सहित चार लोग घायल हो गए। सभी घायल डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती हैं। यह परिवार एक ढूंढोत्सव कार्यक्रम से लौट रहा था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार ऐरावाला नेपालपुरा निवासी रूपलाल पुत्र पूंजा अहारी अपने परिवार के साथ नवाटापरा में चाचा की बेटी के बच्चे के ढूंढोत्सव कार्यक्रा में गए थे। गत रात्रि को कार्यक्रम के बाद सभी लोग ऑटो से अपने घर लौट रहे थे। ऑटो रूपलाल ही चला रहा था। नवाटापरा गांव में ही ऑटो बेकाबू होकर पलट गया। हादसे में ऑटो ड्राइवर रूपलाल अहारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जयंतीलाल पुत्र होमजी अहारी मीणा, तुलसी पत्नी गौतम, अजनबलाल और आशा देवी पत्नी देवीलाल निवासी नेपालपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद रूपलाल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर दोवड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। घायलों का इलाज जारी है। मृतक रूपलाल पेशे से ड्राइवर था। उसके 4 बेटे हैं और एक बेटी की शादी हो चुकी है। होली से पहले हुई इस घटना से परिवार सदमे में है।

मल्लीनाथ पशु मेला 15 से

बालोतरा, (निसं)। भारत के प्रसिद्ध श्री मल्लीनाथ तिलवाड़ा पशु मेला का इस वर्ष भव्य आयोजन 15 मार्च से 29 मार्च तक किया जाएगा। मेले की तैयारियां तेजी से जारी हैं और आयोजन को लेकर प्रशासन तथा पशुपालन विभाग सक्रिय रूप से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं।

मेला प्रभारी डॉ. नारायण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मेले में व्यापारिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से दुकानों की खुली बोली प्रक्रिया 27 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित की गई। यह नीलामी राजकीय अ श्रेणी पशु चिकित्सालय, बालोतरा (जसोल फांटा के पास) के भवन परिसर में पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई। खुली बोली के माध्यम से 187 दुकानों की नीलामी की गई। इस प्रक्रिया से मेले को 36 लाख 12 हजार 100 रुपये की आय प्राप्त हुई। प्रशासन के अनुसार मेले में पशुधन व्यापार, पारंपरिक बाजार, ग्रामीण संस्कृति तथा लोक आस्था का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। दूर-दराज क्षेत्रों से पशुपालकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना है। मेले के दौरान पेयजल, सुरक्षा, चिकित्सा एवं स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि यह मेला बालोतरा क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा प्रमुख आयोजन माना जाता है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और पशुपालन गतिविधियों को भी मजबूत करता है।

'अमेरिका-इजरायल और ईरान के मध्य युद्ध में फंसे भारतीयों की सुरक्षित घर वापसी हो'

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने जयपुर में मीडिया से रूबरू होकर कहा कि ''केन्द्र सरकार, वहां की सरकारों से इस संबंध में बातचीत कर सभी लोगों को सुरक्षित वापस लाए''

जयपुर (कासं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मीडिया से रूबरू होकर अमेरिका-इजरायल व ईरान के मध्य युद्ध के चलते खाड़ी देशों में उपजे हालातों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के कारण खाड़ी देशों में हजारों भारतीय व राजस्थानी फंसे हुए हैं, जिन्हें सुरक्षित वापस लाया जाए। केन्द्र सरकार को वहां की सरकारों से बात करनी चाहिए और यातायात के साधन उपलब्ध करवा कर भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करनी चाहिए।

पायलट ने कहा कि हालत बहुत चिंताजनक बने हुए हैं, अचानक घटनाक्रम हुआ और अमेरिका व इजरायल ने ईरान पर अटैक किया और उसके बाद ईरान ने 7 खाड़ी देशों पर अटैक कर दिया। स्थिति लगातार बिगड़ रही है, उम्मीद करता हूं कि वहां पर शांति स्थापित होगी और कूटनीतिक दरवाजे वापस खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि, जिस तरह वहां पर अटैक हो रहा है और उसके बाद काउंटर अटैक हुआ है, यह बात अच्छी नहीं है। भारत एक बड़ा मुल्क है और काफी तेल हम खाड़ी देशों से लेते हैं। तेल के दाम बढ़ रहे हैं और पूरी दुनिया में अनिश्चितता बनी हुई है।

- **अमेरिका-भारत ट्रेड डील को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हमारा एग्रीमेंट होता है, लेकिन ट्रेड डील भारत पर थोपी गई है। अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ की धमकी देकर बाद में उसे 18 प्रतिशत टैरिफ कर दी। पहली बार कोई विदेशी ताकत भारत को धमका रही है।**
- **पायलट ने कहा कि ''भारत कोई छोटा टापू नहीं है, एक बड़ा देश है और क्या अमेरिका तय करेगा कि हमें किस्से से तेल खरीदना है किससे तेल नहीं खरीदना है। एनर्जी सिक्योरिटी हमारा विषय है। परंतु हम पर यह थोपा गया है कि हम किससे तेल लेंगे। हालात ऐसे हैं कि, कमजोरी के चलते सरकार नहीं बोल पा रही है।''**

इजरायल और अमेरिका ने जो किया है, उस पर लगाम लगानी चाहिए, क्योंकि युद्ध का लाभ किसी को नहीं होने वाला है। पायलट ने कहा कि भारत को एक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और शांति स्थापित करने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि यूरोपीय यूनियन के साथ हमारा एग्रीमेंट होता है, लेकिन ट्रेड डील भारत पर थोपी गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिख दिया कि ट्रेड डील हो गई है। अमेरिका के पदार्थ के लिए भारत में सारे बाजार जीरो टैरिफ पर खुल गए हैं और हम लोग 18 परसेंट टैरिफ अमेरिका को देंगे। पहले 3 प्रतिशत टैरिफ होता था, अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ की धमकी देकर बाद में उसे 18 प्रतिशत टैरिफ कर दी। इससे हमारा सोयाबीन और कपास का किसान पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा। उनके यहां बड़ी मात्रा में कपास और मक्का पैदा होती है तो फिर भारत का किसान क्या करेगा। पहली बार कोई विदेशी ताकत भारत को धमका रही है, भारत कोई छोटा टापू नहीं है, एक बड़ा देश है और क्या अमेरिका तय करेगा कि हमें किस्से से तेल खरीदना है किससे तेल नहीं खरीदना है। एनर्जी सिक्योरिटी हमारा विषय है। परंतु हम पर यह थोपा गया है कि हम किससे तेल लेंगे। हालात ऐसे हैं कि, कमजोरी के चलते सरकार नहीं बोल पा रही है।

पायलट ने कहा कि, कोई ना कोई कमजोरी जरूर है, जिसके जरिए केन्द्र सरकार दबाव में काम कर रही है। पहले भी गैर कांग्रेसी सरकार रही है, लेकिन किसी भी सरकार ने किसानों की बलि नहीं चढ़ाई, परंतु केन्द्र सरकार ने किसानों को धोखा दिया गया है, जो कि उनके भविष्य को अंधकार में धकेलने जैसा है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया एलायंस के तमाम लोग अमेरिका-भारत ट्रेड डील को लेकर विरोध कर रहे हैं, संसद से लेकर सड़क तक विरोध हैं। पायलट ने कहा कि मनमोहन सिंह के समय जब अमेरिका के साथ परमाणु समझौता हुआ तथा भाजपा ने इसका विरोध किया था। परंतु अब सरकार ने दबाव में आकर कंप्रोमाइज किया है।

'प्रदेश की आंगनबाड़ियों में बिजली-पानी और शौचालयों की सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराएं'

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को सचिवालय में आईसीडीएस की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सरकार द्वारा घोषित बजट घोषणाओं की क्रियान्विति पर भी चर्चा की।

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा महिला-बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग भवानी सिंह देथा एवं निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत की उपस्थिति में रविवार को सचिवालय में समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की विभागीय समीक्षा बैठक हुई।

दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सभी आंगनबाड़ियों में बिजली-पानी और शौचालयों की सुविधाएं जल्द विकसित करें। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के सभी पात्र लाभार्थियों को पंजीकृत कर, लाभ दिलाने का प्रयास किए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में राष्ट्रीय स्तर की तालिका में प्रथम तीन राज्यों में रहने के लिए अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया तथा इसी प्रकार अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उप मुख्यमंत्री ने 19 जनवरी से 19 फरवरी तक प्रदेश में विशेष तौर पर चलाए गए प्रेरणा अभियान 2.0 की प्रगति एवं उपलब्धियों पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर पर 2 लाख 47 हजार 114 लाभार्थियों की वृद्धि दर्ज होना अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार आभा आईडी एवं अपार आईडी के प्रतिशत में वृद्धि भी अभियान की सफलता को दर्शाती है। उन्होंने इसी क्रम में जिलों में भी एक जिला एक टास्क के तहत कार्य करवाने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने जून 2026 तक पोषण ट्रैक्टर पर पंजीकृत लाभार्थियों में से 75 प्रतिशत लाभार्थियों की आभा आईडी दर्ज करने एवं 50 प्रतिशत लाभार्थियों की अपार आईडी दर्ज करने हेतु विशेष रणनीति के तहत कार्य करने के निर्देश प्रदान किए। समीक्षा बैठक में उपनिदेशक प्रशिक्षण बनवारी लाल सिनसिनवार, वित्तीय सलाहकार आईसीडीएस पदम चंद, उपनिदेशक डॉ. धर्मवीर, संयुक्त परियोजना समन्वयक डॉ. मंजू यादव, ओपी सैनी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

साट्टै-2026 में राजस्थान की उत्कृष्टता का प्रदर्शन

जयपुर (कासं)। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने दक्षिण एशिया के प्रमुख ट्रैवल एवं पर्यटन प्रदर्शनी ''साट्टै-2026'' में अपने विशेष पवेलियन के माध्यम से प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। इस पवेलियन में राजस्थान के 14 प्रतिष्ठित सदस्य होटलों ने भाग लिया, जिन्होंने राज्य की समृद्ध विरासत, लग्ज़री हॉस्पिटैलिटी, बुटीक प्रॉपर्टीज़ और विशिष्ट अनुभवों को देश-विदेश से आए खरीदारों और ट्रैवल पार्टनर्स के समक्ष प्रस्तुत किया। पवेलियन ने एक सक्रिय बी2बी नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे राजस्थान के पर्यटन बाजार को नए अवसर प्राप्त हुए।

पवेलियन की एकरूप ब्रांडिंग और थीम आधारित प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सभी सदस्यों ने विशेष रूप से तैयार किए गए नेहरू जैकेट पहनकर राजस्थान की सांस्कृतिक गरिमा और पेशेवर एकजुटता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अध्यक्ष तरुण बंसल एवं सचिव अधिराज शाहपुरा पवेलियन में उपस्थित रहे, जहाँ उन्होंने देश-विदेश के ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों से सक्रिय संवाद किया। इस अवसर पर नेतृत्व ने राजस्थान को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में सशक्त रूप से प्रस्तुत करने और अपने सदस्यों के लिए नए व्यवसायिक अवसर सृजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने दक्षिण एशिया के प्रमुख ट्रैवल एवं पर्यटन प्रदर्शनी ''साट्टै-2026'' में अपने विशेष पवेलियन से राजस्थानी संस्कृति की झलक पेश की।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत

जयपुर। शिवदासपुरा में एक युवक को बिना देखे रोड पार करना भारी पड़ गया। जयपुर की ओर से तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि रविवार को कीन्कीपुरा पुलिया पर जयपुर से चाकसू की ओर आ रहीं तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने रोड पार कर रहें दुलीचंद (38) गंगापुर निवासी को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दुलीचंद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद कार सवार मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस कार चालक की तलाश में जुटी है।

चंग की थाप पर स्नेह मिलन में थिरके लोग

जयपुर (कासं)। श्री शिव महापुराण कथा समिति, जयपुर द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह ओर चंग डफ धमाल कार्यक्रम शेखावाटी कला परिषद जयपुर द्वारा डॉ. सोहन लाल तंवर एवं उनकी टीम ने राजस्थानी लोक गीतों पर उपस्थित जन समुदाय को खूब थिरकने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली समिति परिवारों द्वारा बहुत उत्साह से मनाई।

कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन जयपुर सांसद मंजू शर्मा राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश कैलाश शर्मा, ओबीसी मोर्चा भाजपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र कुमावत, निवर्तमान महापौर कुसुम यादव मौजूद रहे।

समिति महामंत्री अरुण खटोड एवं कार्यक्रम संयोजक अजय यादव ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व सांसद राम चरण बोहरा, पूर्व विधायक सुरेंद्र पारीक मोहनलाल गुप्ता, पूर्व प्रदेश मंत्री रणजीत सिंह सोडाला, भाजपा नेता संजय जैन, सहित समिति के संरक्षक लक्ष्मी नारायण चौधरी, भगवती चौधरी, अमिताभ कौशिक, मनोज मुद्गल, समिति अध्यक्ष प. सुरेश शास्त्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश माहेश्वरी, रवि सैनी, चेतन कुमावत, त्रिलोक खंडेलवाल, गोपाल मोदी, दीपक गोयल, मंत्री श्याम बाबू गुप्ता, सुमित खटोड़, नरेश कश्यप, अनिल सोनी, राजेश गोयल, कपिल शर्मा, कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खंडेलवाल, धर्मेंद्र सोनी और हरीश बागड़ी मौजूद थे।

नेत्रदान करने वाले परिवारों का सम्मान किया

जयपुर। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान की ओर से नेत्रदान की पंरपरा को सलाम करने के लिए रविवार को नारायण सिंह सर्किल स्थित तोतूका भवन में नेत्रदान परिवार सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने उन परिवारों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने प्रियजनों के निधन के बाद उनकी आंखें दान की है। वसुंधरा राजे ने कहा कि नेत्रदान एक ऐसा दान है, जो किसी को दृष्टि प्रदान कर सकता है और उनके जीवन को रोशन कर सकता है। नेत्रदान से दो लोगों को दृष्टि प्राप्त हो सकती है, जो कि एक अनमोल उपहार है। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष बी.एल. शर्मा ने बताया कि आई बैंक 2002 से कार्य कर रहा है और निरन्तर प्रयासों से पिछले 24 वर्षों के दौरान हमने राजस्थान के नेत्रदाताओं से लगभग 27000 कॉर्निया (नेत्र) प्राप्त किए हैं तथा उनमें से लगभग 17500 कॉर्निया का प्रत्यारोपण किया गया है। समारोह में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक डॉ. डी.आर.मेहता भी मौजूद थे।

धुलण्डी पर दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी मेट्रो

जयपुर। धुलण्डी के अवसर पर 3 मार्च मंगलवार को जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की यात्री सेवाएं आंशिक रूप से बंद रहेंगी। निर्धारित टाइम टेबल के अनुसार सुबह 5:20 बजे से दोपहर 2 बजे तक मेट्रो ट्रेनों का संचालन स्थगित रहेगा। इसके बाद दोपहर 2:10 बजे से रात्रि 10:21 बजे तक मेट्रो सेवाएं अनवरत संचालित की जाएंगी।

मेट्रो प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि धुलण्डी के दिन वे मेट्रो में यात्रा का आनंद लें, लेकिन मेट्रो परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में रंग डालने, रंग खेलने या हुड़दंग करने की सख्त मनाही रहेगी। यात्रियों के लिए गुलाल, रंग, पानी से भरी पिचकारियां, गुब्बारे और बोतलें ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। रंग से सने कपड़ों के साथ मेट्रो परिसर व ट्रेनों को गंदा करने पर भी रोक रहेगी। नशे की अवस्था में मेट्रो परिसर में प्रवेश वर्जित रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मेट्रो रेलवे (ऑपरेशन व मेन्टीनेन्स) एक्ट, 2002 के तहत मेट्रो ट्रेनों और परिसरों को गंदा करने पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा।

जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वैभव गालरिया ने जयपुर वासियों और मेट्रो यात्रियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 3 मार्च (धुलण्डी) को संचालन समय में किए गए आंशिक बदलाव को ध्यान में रखते हुए यात्री अपनी यात्रा की पूर्व योजना बनाएं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

3 किलो से अधिक अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने चित्तौड़गढ़ के चन्देरिया थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर एक मारुति इको कार से 3.100 किलोग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद कर दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से जब्त किए गए अफीम दूध की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। पुख्ता मुखबिर तंत्र से मिली सूचना के बाद एसपी ज्ञानचंद यादव और एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया। डीएसपी फूलचंद टेलर और एएसआई राकेश कुमार जाखड़ के नेतृत्व में टीम ने मान्दलदा क्षेत्र में नाकाबंदी कर संदिग्ध मारुति इको कार को रुकवाया, जिसकी तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके से अवैध अफीम परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान राधेश्याम शर्मा (31) और राहुल शर्मा (28) के रूप में हुई है। ये दोनों आरोपी सगे भाई हैं, और मूल रूप से नालखेड़ी थाना पारसोली जिला चित्तौड़गढ़ के निवासी हैं। पूछताछ में पता लगा कि उन्होंने अफीम अपने ही गांव नालखेड़ी के प्रकाश धाकड़ और प्रमोद शर्मा से खरीदी थी। पुलिस अब इन सप्लायरों की तलाश में जुटी है।

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी नंबर 15208670M हवलदार हरि सिंह कुम्भकार 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे सैनिक दस्तावेज में मेरी पुत्री का नाम प्रिया है जो कि गलत है मेरी पुत्री का नाम प्रिया कुम्भकार (Priya Kumbhkar) है जो की सही है और सत्य है।

मैं आर्मी नंबर 15208670M हवलदार हरि सिंह कुम्भकार 199 मीडियम रेजिमेंट मेरे सैनिक दस्तावेज में मेरी पुत्री का नाम रिया है जो कि गलत है मेरी पुत्री का नाम रिया कुम्भकार (Riya Kumbhkar) है जो की सही है और सत्य है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2026/311
चूंकि प्रार्थी श्री कुंतल कुमार सैनी पिथावाली कॉलोनी, कोटपुतली, कोटपूतली-बहरोड राजस्थान-303108 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास IMC OF COVERNMENT ITI, KOTPUTLI केयर ऑफ गवर्मॉनमेंट ||| कोटपूतली मौहल्ला वडाबास कोटपूतली, कोटपूतली-बहरोड राजस्थान 303108 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.04.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2026/306
चूंकि प्रार्थी श्री राकेश गुप्ता मौहल्ला पिथावाली, कोटपुतली, कोटपूतली-बहरोड राजस्थान-303108 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री भगवान दास चौधरी सेवा समिति श्री भगवान दास चौधरी सेवा समिति डाबला रोड, कोटपूतली-बहरोड, राजस्थान-303108 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.04.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय महात्मागांधी राजकीय विद्यालय मैंदवास फागी जिला जयपुर

क्रमांक-1477 दिनांक-27.02.2026

नीलामी सूचना

कार्यालय महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मैंदवास फागी जिला जयपुर फागी के भण्डार पडे अनुपयोगी एवं नाकारा घोषित सामान जिसका पुस्तक मूल्य 2,64,711 रू. है, की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 23.03.2026 को प्रात 11.00 ए.एम. इस कार्यालय में की जावेगी। नियमानुसार धरोहर राशि रूपये 500/- (पांच सौ रूपये मात्र) नकद जमा करवाकर बोलीदाता नीलामी में भाग ले सकेंगे। नीलामी की अन्य शर्तें नीलामी से पूर्व कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है, बोली स्वीकार करने अथवा अस्वीकार करने का अधिकार व्यवन/नीलामी समिति को सुरक्षित रहेगा।

प्राचार्य
महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, मेन्दवास (फागी)

नाम परिवर्तन

मैं GS 191822X RANK OEM-1, जीतराम मीना आयु 47 वर्ष पुत्र श्री गोपाल लाल मीना, जाति मीना, नि.-ग्राम रूधपुरा, तह. मासलपुर, जि. मासलपुर, जि.-करौली, राजस्थान का हूं। यह कि मैं मेरे पुत्र पंकज कुमार की सही एवं वास्तविक जन्मतिथि 05.06.2010 है जो कि सही है मेरे पुत्र का यह नाम व जन्मतिथि उसके आधार कार्ड व 8 वीं एवं 10वीं की अंकतालिका में भी दर्ज है। यह कि मेरे GREF सर्विस रेकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम पंकज कुमार मीना तथा जन्मतिथि 05.06.2008 दर्ज हो रहे है जो कि गलत दर्ज हो गये है इसलिए मेरे सर्विस रेकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम पंकज कुमार तथा जन्मतिथि 05.06.2010 दर्ज की जावें। यह कि सर्विस रेकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम पंकज कुमार तथा जन्मतिथि 05.06.2010 दुरूस्त करने में कोई कानूनी अड़चन नही है। हस्ताक्षर

कार्यालय तहसीलदार, तहसील जोबनेर जिला जयपुर

कमांक कोर्ट / धारा-135(2)/2026/663

दिनांक 27.02.2026

1. श्रीमति संतोषी पालीवाल धर्मपत्नी स्व श्री शिवशंकर पालीवाल पुत्री स्व श्री नन्दकिशोर निवासी मकान नम्बर 1687, जयलाल मुन्शी कारास्ता, चादपोल बाजार जयपुर।

2. श्रीमति शोभना पालीवाल पुत्री श्री बृजकिशोर शर्मा पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण पालीवाल निवासी मकान नम्बर 116/04 मानसरोवर हाइट्स के सामने, शिप्रा पथ अग्रवाल फार्म जयपुर

नोटिस अन्तर्गत धारा 135 (2) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956

नोटिस अन्तर्गत धारा 135 (2) राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 जरिये नोटिस आपको एवं आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी शिवकिशोर पालीवाल पुत्र नन्द किशोर पालीवाल निवासी नेहरू नगर जयपुर ने हाजा न्यायालय में ग्राम सांखलों के बास में स्थित आराजी खसरा नम्बर 16 रकबा 1.7324 हैक्टर में मृतक खातेदार भंवरी देवी पत्नी नन्दकिशोर पालीवाल जाति ब्राह्मण निवासी नेहरू नगर जयपुर द्वारा की गई वसीयत के अनुसार खातेदारी का अपने पक्ष में नामान्तरकरण खुलवाने बाबत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। अतः सभी आम व खास को सूचित किया जाता कि आप सुनवाई हेतु असालतन/वकालतन साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ आगामी नियत दिनांक 06.03.2026 को हाजा न्यायालय में उपस्थित होवें। आपकी अनुपस्थिति में प्रकरण में एक तरफा कार्यवाही कर प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा। सूचित रहे।

तहसीलदार तहसील जोबनेर, जयपुर

समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिये आध्यात्मिक चेतना महत्वपूर्ण -भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के नेशनल कॉन्क्लेव व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 1 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए आध्यात्मिक चेतना महत्वपूर्ण है। इस दिशा में जैन समुदाय की 'ध्यान, तपस्या एवं आत्मचिंतन की परंपरा' ने पूरे विश्व का मार्गदर्शन किया है।

शर्मा रविवार को जयपुर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीटो) टाउन रिप्रज़ैन्टेटिव नेशनल

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नवकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मंत्र नहीं है, बल्कि यह समस्त मानवता को अहिंसा, करुणा, ज्ञान व आत्मशुद्धि का मार्ग दिखाने वाला सार्वभौमिक संदेश है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को जयपुर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीटो) टाउन रिप्रज़ैन्टेटिव नेशनल कॉन्क्लेव एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 कार्यक्रम शामिल हुए।

कॉन्क्लेव एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज ने सदियों से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को आगे बढ़ाया है। अहिंसा, करुणा एवं सत्य के मूल्यों के आधार पर भारतीय सभ्यता के निर्माण में अतुलनीय योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी की अहिंसा की शिक्षा और प्राचीन काल से चली आ रही ज्ञान परंपरा के माध्यम से जैन दर्शन ने 'जियो और जीने दो' का अमर संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवकार महामंत्र दिवस 2.0 का आज शुभ कार्यक्रम है। नवकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मंत्र नहीं है, बल्कि यह समस्त मानवता को अहिंसा, करुणा, ज्ञान एवं आत्मशुद्धि का मार्ग दिखाने वाला सार्वभौमिक संदेश है। उन्होंने नवकार महामंत्र की दिव्य ऊर्जा से विश्व में शांति, सद्भाव एवं कल्याण का मार्ग प्रशस्त होने की मंगलकामना की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस 2.0 के प्रचार-प्रसार के लिए रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अदालत के फैसले के बाद केजरीवाल ने शक्ति प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 01 मार्च। जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप) की जनसभा में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संबोधन किया। इससे पहले पार्टी की नेता आतिशी, गोपाल राय और गोवा प्रदेश अध्यक्ष वाल्मीकि नायक ने मंच से भाजपा की केंद्र व दिल्ली सरकार पर तीखा हमला बोला।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि परसों दिल्ली की अदालत ने दिल्ली और

■ जंतर-मंतर पर सभा में उन्होंने कहा कि यह देश के लोगों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला है।

देश के लोगों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला दिया है। आज देश में डर का माहौल है और उस माहौल में भी जज साहब ने एक धाकड़ फैसला सुनाया है। मैं उनका धन्यवाद करता हूं। पिछले 4 सालों में मोदी जी और अमित शाह ने षड्यंत्र करके दिल्ली के लोगों को बहुत परेशान किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला भाजपा और भाजपा के नेताओं पर जोरदार तमाचा है। आज मैं अपनी बात करने नहीं आया हूं। मैं देश की बात करने आया हूं। मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं। मैं आईआईटी में पढ़ाई कर रहा था। मेरे बहुत अच्छे नंबर थे। मेरे बहुत से दोस्त अमेरिका चले गए, लेकिन मैं अपने देश से प्यार करता था। मैं अमेरिका नहीं गया। आप संयोजक ने कहा कि भाजपा ने देश और दिल्ली के लोगों के साथ धोखा किया है। दिल्ली की जनता परेशान हो चुकी है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शिवचरण माथुर की 100वीं जयंती पर आयोजित विशेष स्मृति समारोह में शिरकत की।

चुनाव जीतने के बाद सरकार बनाने का उद्देश्य केवल सत्ता सुख नहीं होना चाहिये- पायलट

उन्होंने स्व. शिवचरण माथुर की सौ वीं जयंती पर विशेष स्मृति समारोह में भाग लिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 1 मार्च। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने रविवार को जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शिवचरण माथुर की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में "रिफॉर्मिंग गवर्नेंस" विषय पर आयोजित विशेष स्मृति समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम में सचिन पायलट ने देश की वर्तमान राजनैतिक व्यवस्था और चुनावी संस्कृति पर तीखी टिप्पणियां कीं।

■ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि मुखिया को कम से कम 70 प्रतिशत समय प्रशासन, क्रियान्वयन व विकास कार्यों में देना चाहिये, जबकि राजनीति के लिए सीमित समय होना चाहिये। वर्तमान में स्थिति इसके उलट नज़र आती है।

पायलट ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद सरकार बनाने का उद्देश्य केवल सत्ता सुख नहीं होना चाहिए। मुखिया को कम से कम 70 प्रतिशत समय प्रशासन, क्रियान्वयन और विकास कार्यों में देना चाहिए, जबकि राजनीति के लिए सीमित समय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्थिति इसके उलट नजर आती है, जहां अधिक समय राजनीतिक समीकरण साधने में व्यतीत हो जाता है।

उन्होंने कहा कि नीतिगत निर्णयों का कार्य कुछ चुनिंदा अधिकारियों पर छोड़ दिया गया है, जबकि जनप्रतिनिधियों को अपनी सोच और एजेंडे के साथ आगे बढ़ कर लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। देश में ऐसे नेताओं की संख्या कम होती जा रही है, जो स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ काम करें।

टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद हरीश मीणा ने कार्यक्रम में कहा कि, आज की राजनीति में हालात ऐसे हो गए हैं कि शिवचरण माथुर जैसे सादगीपूर्ण और स्पष्ट सोच वाले नेता सरपंच तक नहीं बन पाते। मीणा ने तंज कसते हुए कहा कि आज विधायक या सांसद बनते ही कोठियां और फार्म हाउस खड़े हो जाते हैं, जबकि पहले के मुख्यमंत्री सादगी से जीवन व्यतीत करते थे। उन्होंने कहा कि पहले प्रशासनिक व्यवस्था में अनुशासन और मर्यादा थी। आजकल सुनने में आता है कि थाने का प्रभारी सीधे मुख्यमंत्री से बात करता है। स्मृति समारोह में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. कल्ला, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नारायण सिंह, डॉ. चंद्रभान, पूर्व मंत्री रघु शर्मा, विधायक सुरेश मोदी, पूर्व विधायक सुचित्रा आर्य, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के अध्यक्ष डॉ. डी.आर.मेहता, स्व. शिवचरण माथुर की पुत्री वंदना माथुर और उनके परिवारजनों समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। वक्ताओं ने शिवचरण माथुर के जीवन से जुड़े प्रसंग साझा करते हुए उनके सादगीपूर्ण और जनोन्मुखी नेतृत्व को याद किया।

ओमान के पास तेल टैंकर पर ईरान ने हमला किया

टैंकर के सभी क्रू मैंबरो को सकुशल बाहर निकाला, इनमें 15 भारतीय हैं

मस्कट , 01 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर स्काईलाइट पर हमला किया है। यह हमला उस वक्त किया गया, जब टैंकर ओमान के तट के पास होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजर रहा था। जहाज पर सभी 20 क्रू मेंबर्स को निकाल लिया गया, जिनमें 15 भारतीय नागरिक और 5 ईरानी नागरिक शामिल थे। क्रू के चार मेंबर्स को चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए ले जाया गया है।

■ इस टैंकर पर रिपब्लिक ऑफ पलाऊ का झंडे लगा था तथा यह होमुर्ज जलडमरु मध्य से गुजर रहा था।

ओमान न्यूज एजेंसी (ओएनए) ने रविवार को मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर (एमएससी) के हवाले से बताया कि ओमान के तट के पास होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजर रिपब्लिक ऑफ पलाऊ का झंडा लहरा रहे एक ऑयल टैंकर को मुसंदम गवर्नरेट में खासाब पोर्ट से निशाना बनाया गया। एजेंसी ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी 20 क्रू मेंबर्स को निकाल लिया गया, जिनमें 15 भारतीय नागरिक और 5 ईरानी नागरिक शामिल थे। इसके अलावा क्रू के चार सदस्यों को अलग-अलग चोटें आई हैं, जिन्हें जरूरी मेडिकल इलाज के लिए ले जाया गया है। एमएससी ने पुष्टि कि अलग-अलग सैन्य, सुरक्षा और नागरिक प्राधिकरण के बीच समन्वय बनाकर बचाव कार्य को अंजाम दिया गया। होर्मुज गलियारा दुनिया का सबसे जरूरी तेल एक्सपोर्ट रूट है, जो सऊदी अरब, ईरान, इराक और यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) जैसे खाड़ी के सबसे बड़े तेल प्रोड्यूसर को ओमान की खाड़ी और अरब सागर के जरिए ग्लोबल मार्केट से जोड़ता है। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक स्ट्रेट है। यह फारस की खाड़ी से खुले समुद्र तक जाने का एकमात्र समुद्री रास्ता देता है और दुनिया के सबसे सामरिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। होर्मुज में किसी भी बड़ी रुकावट के तुरंत आर्थिक और ग्लोबल नतीजे हो सकते हैं। इससे एशियाई इंपोर्टर - खासकर चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया में तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की कीमतें ट्रांजिट में रुकावट या मंदी के रिस्क के जवाब में तेजी से बढ़ सकती हैं।

भारतीय सीमा में पाकिस्तानी ड्रोन घुसा

जम्मू, 01 मार्च। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आज तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले पाकिस्तान के ड्रोन को मार गिराने के लिए सेना के जवानों को गोलीबारी करनी पड़ी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन कुछ देर दिगवार इलाके में मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लौट गया। तीन दिनों में यह दूसरी बार है जब सीमा पार से ड्रोन की आवाजाही का पता चलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की।

अधिकारियों ने कहा कि अग्रिम चौकी पर तैनात सैनिकों ने सुबह करीब छह बजकर 10 मिनट पर दुश्मन के ड्रोन को देखा और उसे गिराने के लिए एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं। हालांकि, ड्रोन गोलियों से बच गया और तुरंत वापस लौट गया। अधिकारियों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक तलाशी अभियान शुरू किया गया कि ड्रोन से कोई हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए गए हों। 27 फरवरी को भी सैनिकों ने इसी इलाके में एक पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग की थी

नागपुर की विस्फोटक निर्माण फैक्ट्री में आग से 17 की मौत

रविवार को सुबह फैक्ट्री की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में तेज धमाके के बाद भीषण आग लगी

मुंबई, 01 मार्च। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार सुबह विस्फोटक निर्माण फैक्ट्री एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुए धमाके में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18 अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

सभी घायलों को तत्काल नागपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 7:15 बजे फैक्ट्री की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में अचानक तेज धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि यूनिट में तुरंत भीषण आग लग गई और आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई।

■ पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन और औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय के अधिकारी घटना स्थल पर जांच कर रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की।

धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस और दमकल विभाग की टीमों के साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को भी राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया है।

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) तथा औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएस) के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना को अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और प्रत्येक मृतक के आश्रितों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सभी घायलों का इलाज राज्य सरकार के खर्च पर कराया जाएगा।

इस हादसे के बाद विस्फोटक निर्माण इकाइयों में सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक आशंका है कि पैकिंग यूनिट में तकनीकी गड़बड़ी या सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण विस्फोट हुआ हो सकता है। हालांकि, वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्रशासन ने फैक्ट्री परिसर को सील कर दिया है और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट से 100 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, 01 मार्च। मध्य-पूर्व संकट के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर रविवार को 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के कारण विमानन कंपनियां परिचालन संबंधी दिक्कतों से जूझ रही हैं। पश्चिम एशिया में ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर आईजीआईए पर प्रस्थान एवं आगमन से संबंधित क्रमशः 60 और 40 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गई हैं।टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने अब तक विदेश के लिए 50 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। इस बीच इंडिगो ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर कहा है कि हम मिडिल ईस्ट और आस-पास के इलाकों में हो रहे डवलपमेंट पर पूरी सावधानी से नजर रख रहे हैं। ईस्ट एयरस्पेस का इस्तेमाल करने वाली कुछ इंटरनेशनल उड़ानों का अस्थाई निलंबन 2 मार्च की रात 11:59 बजे आईएसटी तक बढ़ा दिया गया है।

खामेनेई के मारे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। लखनऊ में रोती महिलाओं सहित बड़ी संख्या में छोटा इमामबाड़ा से लोगों ने हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हो रहे प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने सभी जिलों के पुलिस कप्तान, पुलिस कमिश्नरेट को निर्देश दिए है कि किसी भी हालत में प्रदेश की कानून व्यवस्था न बिगड़ने पाए। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील जिलों के इलाको में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाए। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी बढ़ा दी गई है।

धर्मेन्द्र प्रधान ने 'परिवर्तन संकल्प रथ यात्रा' का उद्घाटन किया

मेदिनीपुर, 01 मार्च। पश्चिम बंगाल में संगठनात्मक मजबूती और जनसंपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन संकल्प रथ यात्रा का रविवार को भव्य आगाज़ हुआ। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गड़बेता में जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ रथ यात्रा का विधिवत् उद्घाटन किया।

'खामेनेई समेत ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैनिकों को छर्रे लगने और कन्कशन जैसी मामूली चोटें आई हैं। उन्हें उपचार के बाद दोबारा ड्यूटी पर लौटाया जा रहा है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि देश में एक-दो दिन के भीतर नए सुप्रीम लीडर का चयन हो सकता है। उन्होंने सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या को अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया। अल जजीरा से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश की संस्थाएं सुचारु रूप से काम कर रही हैं और संवैधानिक प्रक्रिया लागू है। उन्होंने दावा किया कि ईरान क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहा है।

इजराइल ने रविवार को तेहरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रमुख मुख्यालय 'थार-अल्लाह' पर मिसाइल हमला किया। यह जानकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने दी है। 'थार-अल्लाह' तेहरान में बड़े सुरक्षा मामलों को संभालने वाला अहम सेंट्रल कमांड सेंटर है और सीधे आईआरजीसी के शीर्ष नेतृत्व के अधीन काम करता है।

ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत के बाद जामकरान मस्जिद पर लाल 'इंतकाम का झंडा' फहराया गया है।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने दावा किया है कि ईरानी सेना ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पर 4 बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

मध्य पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के संबद्ध स्कूलों पर लागू होगा। बोर्ड ने आज एक आदेश में कहा कि 2 मार्च को होने वाली परीक्षाओं के लिए नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वे 3 मार्च को स्थिति की समीक्षा करेंगे। इसके बाद ही 5 मार्च और उसके बाद की परीक्षाओं पर कोई फैसला लिया जाएगा।

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज की ओर से जारी इस सर्कुलर में सभी छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे अपडेट के लिए अपने संबंधित स्कूलों के संपर्क में रहें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

प.बंगाल : मुर्शिदाबाद जिले में 11 लाख से अधिक मतदाता संदिग्ध पाए गये

कोलकाता, 01 मार्च। पश्चिम बंगाल में शनिवार शाम चुनाव आयोग ने राज्य की अंतिम मतदाता सूची जारी की। विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद सामने आए आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि राज्य में मतदाताओं की शुचिता को लेकर एक अभूतपूर्व अभियान चलाया गया। ?

■ चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार संदिग्ध मतदाताओं की संख्या बांग्लादेश से सटे जिलों में सबसे अधिक पाई गई।

इस नई सूची के सबसे चौंकाने वाले आंकड़े अंडर एडजुडिकेशन यानी विचाराधीन श्रेणी से निकलकर आए हैं, जिसमें राज्य के लगभग 60 लाख छह हजार 675 मतदाताओं को संदिग्ध मानते हुए उनके मतदान अधिकार को फिलहाल रोक दिया गया है। इन मतदाताओं की नागरिकता और दस्तावेजों की वैधता अब न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है।

इनका नाम मतदाता सूची में रहेगा या नहीं, इसका निर्णय उच्चतम न्यायालय के आदेश अनुसार उच्च न्यायालय की न्यायिक बेंच करेगी। इसकी सुनवाई लगातार चल रही है और दावा किया जा रहा है कि राज्य में चुनाव के ऐलान से पहले यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

इस पूरी रिपोर्ट का विश्लेषण करने पर जो सबसे प्रमुख तथ्य उभरकर सामने आता है, वह है संदिग्ध मतदाताओं का भौगोलिक केंद्र। चुनाव आयोग के आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि संदिग्ध मतदाताओं का सबसे बड़ा जमावड़ा उन जिलों में है जिनकी सीमाएं सीधे तौर पर बांग्लादेश से सटी हुई हैं। इन इलाकों में लंबे समय से अवैध घुसपैठ और मतदाता सूचियों में हेरफेर के आरोप लगते रहे हैं।

आंकड़ों के प्रवाह में देखें तो मुर्शिदाबाद जिला इस फेहरिस्त में सबसे ऊपर है, जहां अकेले 11 लाख एक हजार 145 मतदाताओं के नाम संदिग्ध पाए गए हैं। यह संख्या पूरे राज्य के संदिग्ध मामलों का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा है, जो जिला स्तर पर एक बहुत बड़ी विसंगति को दर्शाता है। यह वही जिला है जहां हिंदुओं के साथ पिछले दो सालों से लगातार हिंसा होती रही है और इस जिले में करीब 70 फ़ीसदी मुस्लिम आबादी है तथा मूल निवासी बंगाली समुदाय घटकर 30 फीसदी के करीब पहुंच गया है।

मुर्शिदाबाद के ठीक बाद मालदा जिले की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक और संवेदनशील बनी हुई है। मालदा में आठ लाख 28 हजार 127 मतदाताओं को संदिग्ध की श्रेणी में रखा गया है। जिले की कुल आबादी और क्षेत्रफल के अनुपात में मालदा में संदिग्धों की यह संख्या राज्य में सबसे प्रभावी मानी जा रही है। इसी तरह दक्षिण बंगाल के सामरिक और सीमावर्ती महत्व वाले जिले उत्तर 24 परगना में पांच लाख 91 हजार 252 मतदाता जांच के घेरे में हैं, जबकि दक्षिण 24 परगना में भी पांच लाख 22 हजार से अधिक नामों को होल्ड पर रखा गया है।

इसके विपरीत, जब हम राज्य के उन जिलों की ओर देखते हैं जो अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से दूर या अंदरूनी इलाकों में स्थित हैं, तो वहां की तस्वीर बिल्कुल अलग नजर आती है। उदाहरण के तौर पर झाड़ग्राम में संदिग्ध मतदाताओं की संख्या मात्र छह हजार 682 है और कलिम्पोंग जैसे पहाड़ी जिले में यह आंकड़ा महज छह हजार 790 तक ही सीमित है। सीमावर्ती और अंदरूनी जिलों के बीच का यह भारी अंतर उस प्रशासनिक चुनौती को उजागर करता है जिसका सामना चुनाव आयोग को सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के कारण करना पड़ रहा है। वर्तमान में इन सभी 60 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर सैकड़ों न्यायिक अधिकारियों को तैनात किया गया है। जब तक ये अधिकारी अपनी जांच पूरी कर हरी झंडी नहीं दे देते, तब तक इन मतदाताओं के नाम मुख्य सूची से बाहर रहेंगे और वे मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने मदुरै में 4400 करोड़ रु. की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

मदुरै, 01 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले बारह वर्षों में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में व्यापक निवेश किया है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में 4,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जिससे

■ उन्होंने कहा कि 2014 के बाद तमिलनाडु में 4000 कि.मी. राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण हुआ।

औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से कृषि एवं समुद्री उत्पादों के परिवहन में तेजी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

ईरान के हमले में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और आसपास धुआं नजर आ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट के बाद दुबई के बिजनेस बे के ऊपर एक हवाई इंटरसेप्शन से निकले मलबे से शहर के बड़े कमर्शियल पोर्ट में आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उधर, कतर के दोहा में रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार 7:30 बजे कई जोरदार धमाके सुने गए। इजराइल की नेशनल इमरजेंसी सर्विस का कहना है कि शनिवार को देशभर में हुए हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 121 अन्य घायल हो गए। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि तेल अवीव में ईरान के मिसाइल हमले में कई लोगों की मौत हो गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

Hero
Hero
WORLD'S NUMBER 1
MOTORCYCLE & SCOOTER COMPANY
FOR 25 YEARS
IN A ROW
INTRODUCING
Destini 110
हीरो का स्कूटर
स्कूटर का हीरो
SCAN TO KNOW MORE
मज़बूत मेटल बॉडी
माइलेज 56.2 kmpl#
बेस्ट इन सेगमेंट
LED प्रोजेक्टर
हेडलैम्प
सबसे बड़ी सीट 785 mm
बेस्ट इन सेगमेंट
बड़े और चौड़े [R 12]
एलॉय व्हील्स
एक्स-शोरूम कीमत
₹73,500~
इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10 000^ तक
HDFC BANK
SBI card
क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs
Hero GoodLife
Stand a chance to win
Gold and Silver Coins
and many more assured benefits*
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #Based on internal testing of 110cc scooters and on the testing report of govt Certified agency. ~Ex-Showroom Price of Destini110 VX in Rajasthan. ^T&C apply.
TOLL FREE
1800 266 0018
अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797,
एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591.
RS/Hero/12/25